



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 42] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 16, 1976 (आश्विन 24, 1898)
No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 16, 1976 (ASVINA 24, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह शलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 सितम्बर, 1976

सं० ए० 12019/6/74-प्रशा०-II :—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 2 मार्च, 1976 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० स्टे० सेवा संवर्ग के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी और के० सं० स्टे० से० संवर्ग से प्रतिनियुक्ति पर आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री बूटा सिंह को 2-9-1976 से अगले 6 मास की अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अध्यक्ष के लिये सहायक के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री बूटा सिंह जैन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित चित्त मंत्रालय का० जा०

1-286जीआई/76

सं० एफ० (10) 24-व्यय III/60 दिनांक 4 मई, 1961 में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 सितम्बर 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (1) :—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग में स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगमेश्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 2-9-76 से 31-10-76 तक 60 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (2) :—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास समी, को, राष्ट्रपति द्वारा 2-9-76 से

(8911)

23-10-76 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० ए० 12025(ii)/1/75-प्रशा० III :—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III दिनांक 20 अगस्त, 1976 में आंशिक संशोधन करते हुए तथा मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) के का०-शा० सं० 5/32/76 सी० एस० (1) दिनांक 31 जुलाई, 1976 के अनुसरण में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा उसी संवर्ग में अल्पकालीन अवधि के लिए स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री पी० डी० श्रीवास्तव को, राष्ट्रपति द्वारा 16-8-76 से अनंतिम आधार पर आगामी आदेशों तक उसी संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. अनुभाग अधिकारी के पद पर श्री श्रीवास्तव की नियुक्ति उस निर्णय की शर्त के साथ है जो दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा श्री जोगिन्दर लाल साहनी बनाम यूनियन आफ इण्डिया नामक केस में रिट याचिका सी० डब्ल्यू० नं० 1122/75 में दिया जाएगा।

सं० ए० 12025 (ii)/1/75-प्रशा० III :—मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) के का०-शा० सं० 5/32/76 सी० एस० (1) दिनांक 31 जुलाई, 1976 के अनुसरण में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री कश्मीरी लाल को, राष्ट्रपति द्वारा 27 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अनंतिम आधार पर आगामी आदेशों तक उसी संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. अनुभाग अधिकारी के पद पर श्री कश्मीरी लाल की नियुक्ति उस निर्णय की शर्त के साथ है जो दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा श्री जोगिन्दर लाल साहनी बनाम यूनियन आफ इण्डिया नामक केस में रिट याचिका सी० डब्ल्यू० नं० 1122/75 में दिया जाएगा।

सं० ए० 12025 (ii) /1/75/प्रशा० III :—अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975 के आधार पर गृह मंत्रालय में उनके नामित हो जाने के परिणाम-स्वरूप, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० गुप्ता को जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 13-8-76 द्वारा 2 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 16 अगस्त, 1976 के अपराह्न से आयोग के कार्यालय से उन्हें कार्यभार मुक्त कर दिया गया है।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव, (प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 सितम्बर 1976

सं० ए० 32013/2/76-प्रशासन-1 :—भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग में कार्यरत अवर सचिव श्री ज्ञान प्रकाश को 9 अगस्त, 1976 से 8 नवम्बर, 1976 तक (दोनों दिनों सहित) 3 मास की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32013/3/76-प्रशासन-1 :—भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री एम० एस० थान्वी जो संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद पर कार्यरत हैं, को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 9 अगस्त, 1976 से 8 नवम्बर, 1976 तक (दोनों दिनों सहित) 3 मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

ए० एन० कोलहटकर
अवर सचिव

मंत्रिमंडल सचिवालय

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/वि० पु० स्था०

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 76

सं० ए० 19014/1/76-प्रशा० 5 :—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से संचार मंत्रालय के संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री पी० एस० निगम को दिनांक 10/9/76 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना, मुख्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी
उप-निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 सितम्बर 1976

संख्या O-II-1042/76-स्थापना :—महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर निभारण मोहन्ती की तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको 30-8-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक प्रशासन

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय
देवास, दिनांक 14 सितम्बर, 76

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/57/75:—इस कार्यालय की दिनांक 30-10-75 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री आर० के० मेहरोत्रा, सहायक इन्जीनियर (विद्युत) की नियुक्ति दिनांक 28-10-76 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष के लिये बैंक नोट मुद्रणालय में मानक प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर निरन्तर की जाती है।

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/72/74:—इस कार्यालय की समसंख्या वाली अधिसूचना दिनांक 29-7-75 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री आर० व्ही० के० चारी, सहायक इन्जीनियर (सिविल) की नियुक्ति दिनांक 31-1-77 तक बैंक नोट मुद्रणालय में मानक प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर बढ़ाई जाती है।

डी० सी० मुखर्जी
महा प्रबन्धक

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1976

सं० पी० एफ० 7 (36)/6051 :—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 7 (36) 3834 दिनांक 24-6-75, सं० 7 (36) 10023 दिनांक 23-12-75 एवं सं० 7 (36) 13145 दिनांक 26-3-76 के आगे श्री एस० टी० सिरसट को तदर्थ आधार पर 28-2-1977 तक की और अवधि अथवा इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, अग्निशमन अधिकाारी के पद पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

रा० विश्वनाथन
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्यप्रदेश,

ग्वालियर, दिनांक 17 सितम्बर 1976

क्र० प्रशासन एक/ 347 :—महालेखाकार मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के रूप में उनके नाम के आगे उल्लिखित दिनांक, जो कि कार्यभार ग्रहण करने की वास्तविक दिनांक है, से नियुक्त किया है।

सर्वश्री

1. डी० वी० जोशी (02/0202) 30-8-76 पूर्वाह्न
2. एन० जी० किंबे (02/0204) 14-7-76 पूर्वाह्न
3. बी० एल० सांधी (02/0205) 2-8-76 अपराह्न

4. डी० के० मित्तल (02/0206) 16-8-76 पूर्वाह्न
5. के० ए० चारुलु (02/0208) 16-8-76 पूर्वाह्न
6. के० पी० मेहरोत्रा (02/0209) 12-8-76 पूर्वाह्न
7. के० एस० वाजपेई (02/0210) 8-9-76 पूर्वाह्न
8. गिरीश चन्द्र कुलश्रेष्ठ (02/0211) 7-9-76 पूर्वाह्न

एम० एम० नरसिंहानी
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश-I

इलाहाबाद, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० जी० डी० ब्रांच/गुप-डी/845—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 के उपनियम (1) के अनुसार मैं श्री केशव राम, चपरासी को यह नोटिस देता हूँ कि, इस नोटिस के छपने अथवा उन्हें प्राप्त होने की तिथि से एक मास पूर्ण होने पर उनकी सेवायें समाप्त कर दी जायेंगी।

यू० रामाचन्द्र राव
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डेनैन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डेनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1976

सं० 71/76/ जी० :—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० एन० सिन्हा, स्थायी अफसर सुपरवाइजर दिनांक 31-12-1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 72/76/जी० :—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री बी० बी० चटर्जी, स्थानापन्न सीनियर डी० ए० डी०-जी० ओ० एफ० (स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०) दिनांक 29 फरवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय
सहायक महानिदेशक, आर्डेनैन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद-826001, दिनांक 14 सितम्बर 1976

सं० 2 ए० (2) 76- प्रशासन-1, 19212:—श्री कुलदीप कुमार शर्मा को खान सुरक्षा महानिदेशालय में सहायक निदेशक के पद पर परीक्षाधीन रूप से 5 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से दो वर्षों के लिए नियुक्त किया गया।

शशि प्रसाद
खान सुरक्षा महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1976

सं० 6/88/54-प्रशा० (राज०) :—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण-कोटि के अधिकारी और संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली, श्री जे० शंकर को 31 अगस्त, 1976 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

दिनांक 23 सितम्बर 1976

संख्या 6/575/59-प्रशा० (राज०) :—श्री आर० बैकटरमन, अस्थायी नियंत्रक, आयात-निर्यात का संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में दिनांक 24-7-1976 को निधन हो गया।

ए० एस० गिल
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 20 सितम्बर 1976

सं० 18 (1) /73-76/सी० एल० बी० 11 :—वस्त्र (शक्तिचलित करघों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2) /67 सी० एल० बी० 11/बी० दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 25 के बाद स्तंभ 1, 2, 3 और 4 में निम्नलिखित प्रविष्टि स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

1	2	3	4
"26 विकास आयुक्त	कुंडला	6, 6 सी०,	
कुंडला मुक्त व्यापार	मुक्त व्यापार क्षेत्र	7 ए०, 8 और	
क्षेत्र, गांधीधाम		8 ए० "	

सं० सी० एल० बी० 1/1/6 डी० /76 :—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी०

1/1/3 जी० /71 दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 27 के बाद स्तंभ 1, 2, 3 और 4 में निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ दी जाएंगी, अर्थात् :—

1	2	3	4
"28 विकास आयुक्त,	कुंडला	12 (6),	
		12 (6ए),	
कुंडला मुक्त-व्यापार	मुक्त-व्यापार	12 (7ए)	
	क्षेत्र	12 (7ए ए)	
क्षेत्र, गांधीधाम		12 सी० और	
		12 ई "	

गौरी शंकर भार्गव
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1976

सं० 12/741/72-प्रशा० (जी०) :—लघु उद्योग विकास संगठन में श्री समीर बैनर्जी की प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर उन्होंने लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार दिनांक 20-7-76 के अपराह्न से छोड़ा।

सं० ए० 19018(253) /76-प्रकाशन (राज०) :—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली, लघु उद्योग सेवा संस्थान बम्बई के कार्यालय में लघु उद्योग संबर्द्धन अधिकारी के पद पर काम कर रहे, श्री डी० डी० माने को, इसी संस्थान में, तदर्थ आधार पर, सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री डी० डी० माने, सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद का कार्यभार, दिनांक 21-6-76 के पूर्वाह्न से संभाला।

सं० ए० 19108/248/76-प्रशासन (जी०) :—लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में लघु उद्योग संबर्द्धन अधिकारी, श्री के० एस० गोविंदराजन को विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद पर तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

उन्होंने लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार दिनांक 24-7-76 के पूर्वाह्न से संभाला।

बी० बैकटरायुलु
उप निदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1976

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1976

सं० ई०-11 (7) :—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-11 (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 2 के अधीन-नायट्रेट मिक्सचर, “परमाप्लो-3” की प्रविष्टि में शब्द और संख्या “निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1977 तक” को निकाल दिए जाएंगे।

इंगुब नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन-शाखा-I)

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० प्र० 1/1 (1043) :—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कानपुर के अवर क्षेत्र अधिकारी श्री बी० एस० माथुर को दिनांक 1 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी निदेशालय, कानपुर में सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री माथुर की सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर सिविल याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 17 सितम्बर 1976

सं० प्र० 1-1/(197) :—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उपनिदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) श्री जे० के० श्रीवास्तव के त्यागपत्र को दिनांक 3 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

2. त्यागपत्र के स्वीकार हो जाने पर श्री जे० के० श्रीवास्तव ने दिनांक 3 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उपनिदेशक (पूर्ति) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया है।

दिनांक 20 सितम्बर 1976

सं० प्र०-1/2 (435) :—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री एच० एस० मटूर को, दिनांक 10-9-1976 के पूर्वाह्न से 31-12-76 तक या सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-I) के पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक जो पहले हो, सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-I) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

सं० 9/58/सी०/19 बी० :—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूभौतिकी) को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकी विद के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है :—

नाम	नियुक्ति तिथि
1. श्री डी० एन० लहकर	22-6-1976 (पूर्वाह्न)
2. श्री एम० आर० वर्मा	15-6-1976 (पूर्वाह्न)
3. श्री सलिल कुमार वत्तो	17-6-1976 (पूर्वाह्न)
4. श्री पी० के० आइच	15-6-1976 (पूर्वाह्न)
5. श्री एम० वेंकटेश्वरलु	18-6-1976 (पूर्वाह्न)
6. श्री विरेन्द्र मोहन	16-6-1976 (पूर्वाह्न)
7. श्री आर० पी० ओझा	15-6-1976 (अपराह्न)
8. श्री ए० आर० कुमार	15-6-1976 (पूर्वाह्न)
9. श्री अरुण कुमार बेदी	15-6-1976 (पूर्वाह्न)

सं० 2339 (एम० वी० आर०) / 19 बी० :—श्री एम० वेंकटेश्वर राव, एम० एस० सी० (तकनीकी) को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक द्वारा सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० माहवार के वेतन पर 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 5 जुलाई, 1976 के अपराह्न से नियुक्त किया जाता है।

एस० वी० पी० आर्यंगर,
उप महानिदेशक (मुख्यालय)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1976

सं० 6 (63) / 63 एस० एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री च० प्रसाद राव, प्रसारण निष्पादक, आकाश

वाणी, विशाखापटनम को 31-8-1976 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, जगदलपुर में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

एच० एस० 1 में डा० बी० एम० वाडिखरे की केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में नियुक्ति की तारीख 2 मार्च, 1976 के स्थान पर 22 मार्च, 1976 पढ़ी जाए।

दिनांक 21 सितम्बर 1976

राजकुमार जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

सं० 6/61/63-एस० एक० :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री आर० डी० भाटिया, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, चण्डीगढ़ को 16-8-1976 से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, चण्डीगढ़ में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1976

सं० ए० 12022/1/76 (सी० एस० एस० एस०) -एडमिन-1:—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय के संवर्ग के ग्रेड 2 के एक आणुलिपिक श्री जय कुमार को 20 अगस्त, 1976 पूर्वाह्न से तीन महीने की अवधि के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में बरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा का ग्रेड 1) के पद पर नियुक्त किया है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप निदेशक प्रशासन

बम्बई-26, दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० 9/43/49-सिबन्दी-I :—निवर्तन की आयु होने के कारण फिल्म प्रभाग बम्बई के श्री के० एफ० मिस्त्रि स्थायी सहायक कैमरामन और स्थानापन्न कैमरामन दिनांक 31-8-1976 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

एस० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1976

सं० ए० 31013/2/76-डी० :—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० के० ओगले को एक जुलाई, 1976 से केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन उत्तरी क्षेत्र, गजियाबाद, में औषधि निरीक्षक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

दिनांक 17 सितम्बर 1976

सं० ए० 12026/4/75-स्थापना -I :—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री सूर्यनारायण को जो ए० जी० गुजरात के अहमदाबाद कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी हैं इस निदेशालय में 12 अगस्त 1976 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

अमर नाथ छिस्वर
अनुभाग अधिकारी
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

एस० एस० गोठोस्कर
औषधि नियंत्रक
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० 5/1/76-स्वा० II/2678 :—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक स्थानापन्न वरुण कोटि लिपिक श्री रघुवीर द्वारकानाथ चवाथे को सहायक कार्मिक अधिकारी (हिन्दी) श्री सी० डी० सिंह, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 13-4-1976 से 15-5-1976 के काल के लिये स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी (हिन्दी) नियुक्त करते हैं।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1976

शुद्धि पत्र

सं० 30-4/71-सी० जी० एच० एस०-I :—इस निदेशालय की दिनांक 26-7-76 की अधिसूचना संख्या 30-4-74 सी० जी०

एस० कृष्णामूर्ति
उप स्थापना अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियर प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 26 अगस्त 1976

सं० 10/5 (28)/76-सि० इं० प्र० (एच०) :—अन्तरिक्ष विभाग, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, बंगलौर के मुख्य अभियन्ता, निम्नलिखित अधिकारियों को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियर प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से इसी प्रभाग में, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या	नाम	संभाला हुआ वर्तमान पद	इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4
श्रीयुक्त			
1. एम० अरुणाचलम		फोरमैन	1-1-76
2. पी० बाबू राव		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
3. एस० एन० अय्यंगर		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
4. डी० डी० कप्पीकर		फोरमैन	1-1-76
5. एन० कृष्ण राव		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
6. के० मधु राव		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
7. ए० एस० मुद्दलियार		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
8. एस० नरसिम्हा राजू		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
9. श्री टी० रामा मूर्ति		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
10. श्री जी० सी० साहा राय		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
11. श्री बी० के० शंकरन		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
12. श्री पी० षण्मगम		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
13. श्री वाई० सीतारामुडु		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
14. श्री त्यागराजन		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
15. श्री आर० बालाकृष्णन		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
16. श्री बी० वेंकटरमण अन्वार		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
17. श्री पी० वेंकटेश्वरलु		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
18. श्री एस० बी० रामना राव		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	2-2-76

सं० 10/5/(28)/76-सि० इं० प्र० (एच०) :—अन्तरिक्ष विभाग, सिविल इंजीनियरी प्रभाग बंगलौर के मुख्य अभियन्ता निम्नलिखित अधिकारियों को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियर प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से इसी प्रभाग में, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या	नाम	संभाला हुआ वर्तमान पद	इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4
श्रीयुक्त			
1. आर० अनन्त रमण		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
2. अप्पी रेड्डी		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
3. ई० अरुण कुमार		फोरमैन	1-7-76
4. एम० भीमसेन		पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76

1	2	3	4
5. सी० लक्ष्मैया चेट्टी	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)		1-7-76
6. के० कृष्णन कुट्टी नायर	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)		1-7-76
7. पी० मुखगन	फोरमैन		1-7-76
8. डी० नागभूषणम	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)		1-7-76
9. पी० सम्बा शिव शास्त्री	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)		1-7-76
10. पी० एस० शंकर नारायणन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)		1-7-76
11. सी० एस० शिवशंकर राव	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)		1-7-76
12. एन० श्री रामलु	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)		1-7-76
13. पी० जी० सुगना शेकरन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)		1-7-76
14. जे० वेंकटनायणन	फोरमैन		1-7-76

पी० आई० यू० नम्बियार,
प्रशासन अधिकारी-II
कृते मुख्य अभियन्ता

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

त्रिवेन्द्रम-695022, दिनांक 13 सितम्बर 1976

सं० वि० सा० अ० के०/ई० एस० टी०/01-37 :—विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के पूर्वार्द्ध से वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पदों पर, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र में रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960- के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	प्रभाग	तारीख
1.	श्री बी० अच्युतन नायर	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	ई० एल० एस०	1-7-76
2.	श्री एन० मुञ्जुहमणियन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	एफ० आर० पी०	1-7-76
3.	श्री ए० माधवन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	पी० ई० डी०	1-7-76
4.	श्री पी० के० नरेन्द्रनाथन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	पी० ई० डी०	1-7-76
5.	श्री पी० एम० वर्की	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	पी० ई० डी०	1-7-76
6.	श्री जी० जयामोहन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	पी० एस० एन०	1-1-76
7.	श्री जॉर्ज थॉमस	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	एस० पी० डी०	1-7-76
8.	श्री एम० एस० अनन्ता नटराजन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	एस० टी० आर०	28-4-75
9.	श्री शंकर पटेल	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	जी० एस० एस०	1-1-76
10.	श्री टी० के० लक्ष्मण	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	विकास	10-1-76
11.	श्री टी० मुत्तुचामी	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	विकास	15-5-75

के० एस० नायर,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक

त्रिवेन्द्रम-695022, दिनांक 13 सितम्बर 1976

सं० वि० सा० अ० के०/ई० एस० टी०/01-37 — भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन को दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से एक सरकारी निकाय के रूप में बदल देने के परिणामस्वरूप, श्री एम० कृष्णामूर्ति को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में नियुक्त करते हैं।

राजन बी० जॉर्ज
प्रशासन अधिकारी-II
कृते निदेशक

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 17 सितम्बर 1976

सं० ई० (1) 04193 — वैधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री के० के० भौमिक को 20-8-76 के पूर्वाह्न से 16-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भौमिक, स्थापना सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04264 — वैधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आशीष घोष को 20-8-76 के पूर्वाह्न से 16-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री आशीष घोष, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05773 — वैधशालाओं के महानिदेशक, वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० एम० सक्सेना को 17-8-76 के पूर्वाह्न से 13-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एम० सक्सेना, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 18 सितम्बर, 1976

सं० ई० (1) 04107 — वैधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० बनर्जी को 20-8-76 के पूर्वाह्न 16-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

2—286GI/76

श्री बनर्जी, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 20 सितम्बर 1976

सं० ई० (1) 04255 — वैधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एन० बी० घोष को 20-8-76 के पूर्वाह्न से 16-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री घोष, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05131 — इस विभाग की अधिसूचना संख्या ई० (1) 05131 दिनांक 11-8-76 के अनुक्रम में वैधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक की श्री एस० आर० शेषाद्रि को 11-9-76 के पूर्वाह्न से 20-9-76 तक 10 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री शेषाद्रि, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 06754 — वैधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के अन्तर्गत सी० डब्ल्यू० सी० विशाखापटनम में व्यावसायिक सहायक श्री एन० रंगाचारी को 2-9-1976 के पूर्वाह्न से 29-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री रंगाचारी, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के अन्तर्गत सी० डब्ल्यू० सी० विशाखापटनम में ही तैनात रहेंगे।

गुरुमुख राय गुप्ता
मौसम विज्ञानी
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 20 सितम्बर 1976

सं० ई० (1) 04249 — निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पूना के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री सी० शिवरामन निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31 जुलाई, 1976 के अपराह्न सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ई० (1) 04270 — निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र मद्रास कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, श्री एच० एस० राधवाचार्य निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31 जुलाई, 1976 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एम० आर० एन० मणियन
मौसम विज्ञानी
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1976

सं० ए० 32014/2/75-ई० सी० —महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के श्री डी० सी० सरकार, तकनीकी सहायक को 16 अगस्त, 1976 से, तथा अगले आदेश होने तक, स्थानापन्न रूप में सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32014/2/76-ई० सी० —महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री के० राजगोपालन, संचार सहायक को 31 अगस्त, 1976 से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर श्री एस० शंकरानारायणन, सहायक संचार अधिकारी के स्थान पर, जो कि 17-8-1976 से अजित छुट्टी पर गए हैं, तैनात किया है।

विश्व विनोद जौहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 सितम्बर 1976

(वाणिज्य नौवहन)

सं० 66 एस० बी० (2) /75 —नौवहन महानिदेशक, एतद्वारा निम्नलिखित अस्थाई अधिकारियों को, उनके नामों के सम्मुख दर्शायी गई तारीख से, मौलिक रूप में प्रादेशिक अधिकारी (पाल) नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	पुष्टि की तारीख
1.	श्री एफ० एल० काजी	1-7-1968
2.	श्री के० सी० सुश्रामनियन्	22-6-1970
3.	श्री जे० एम० ओझा	30-9-1972

एस० एम० ओचाणी
नौवहन उपमहानिदेशक
कृते नौवहन महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बंबई, दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० 1/416/76 स्था० —विदेश संचार सेवा के महानिदेशक स्विचिंग काम्प्लेक्स बम्बई के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री टी० के० चौधरी को अल्पकालिक खाली जगह पर 4-7-76 से 12-8-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० क० 19012/611/76-प्रशा०-5 —अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री आर० के० दत्त अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अनुसंधान अधिकारी/सहायक अभियंता के पद पर केन्द्रीय जल आयोग में पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में नियुक्त करते हैं। जो दिनांक 23 जुलाई, 1976 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री आर० के० दत्त ने उपर्युक्त दिनांक एवं समय से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक/निदेशक/सहायक अनुसंधान अधिकारी/सहायक अभियंता के पद का कार्याभार ग्रहण कर लिया है।

जसवंत सिंह
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग

नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 22 सितम्बर 1976

सं० 51 —नागपुर समाहर्तालय से स्थानान्तरण पर, श्री बी० पी० रेखडे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II, ने 7 अगस्त, 1975 के दोपहर पूर्व को, श्री संतोख सिंह के स्थान पर जिला अफीम अधिकारी, प्रतापगढ़ का कार्यभार संभाला। श्री संतोख सिंह का स्थानान्तरण हो गया था।

यह इस विभाग की दिनांक 17 सितम्बर, 1975 की अधिसूचना क्र० सं० 26 के अधिग्रहण में किया जाता है।

अभिलाष शंकर
नारकोटिक्स आयुक्त

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबंधक का कार्यालय

(कार्मिक शाखा)

पाण्डु, दिनांक 18 सितम्बर 1976

1. ई०/283/III/130/ पी० V (0) :—डा० एस०-के० चक्रवर्ती, सहायक चिकित्सा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 2-6-76 से प्रवर वेतनमान में जिला चिकित्सा अधिकारी

के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. ई०/283/III/ 128/पी०/III/(O) :—श्री के० के० दत्त, सहायक बिजली इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 7-6-76 से प्रवर वेतनमान में जिला बिजली इंजीनियर के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

3. ई०/283/82पी० X (O) :—श्री के० एम० रुम्बा, सहायक यातायात अधीक्षक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 6-7-76 से प्रवर वेतनमान में मण्डल संरक्षा अधिकारी के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

4. ई०/283/III/54/पी० VIII (O) :—श्री एम० एम० हनीफ, कारखाना अधीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 7-7-76 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक उत्पादन इंजीनियर के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

5. ई०/283/III/30पी० टी० VI (O) :—श्री पी० सी० महाशय, सहायक कार्मिक अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 17-7-76 से प्रवर वेतनमान में मंडल कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

6. पी० एन० ओ०/ए० डी०/56/215 पी० टी० IV :—श्री अजित कुमार घोष, अनुभाग अधिकारी (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 23-7-76 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक मंडल लेखा अधिकारी के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

ह० ला० वर्मा
महाप्रबन्धक

पाण्डू, दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० ई०/55/III/96 (O) :—श्री के० के० दत्त को दिनांक 1-6-1976 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक बिजली इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाता है।

जी० एच० केसवानी
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सतियवति ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक सितम्बर 1976

सं० 4524/560 (3)/76 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सतियवति ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० जि० पि० ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक सितम्बर 1976

सं० 4615/560 (3)/76 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर के० जि० पि० ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तिरुवारूर ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक सितम्बर 1976

सं० 4652/560 (3) 76 :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तिरुवारूर ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इनसुलक्स इण्डिया लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक सितम्बर 1976

सं० 5033/560 (3) /76 :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इनसुलक्स इण्डिया लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956, और कान्वन चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक सितम्बर 1976

सं० 5041/560 (3)/76 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान में कान्वन चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० श्रीनिवासन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1976

सं० स्टेट/2/81/एल०/560/7281 :—यतः मानसा गणेश चैम्बर, आफ कामर्स लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय मानसा जिला भटिण्डा में है, का परिसमापन किया जा रहा है। और यतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है।

और यतः कि लिक्विडेटर स्टेटमेंट आफ० एकाउन्ट जो समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है, क्रमवर्ती मास की अवधि की नहीं दी गई है।

अतः अब, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास का अवसान होने पर मानसा गणेश चैम्बर, आफ कामर्स लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किए जाने पर, रजिस्टर में से काट दिया जाएगा और कम्पनी को विघटित कर दिया जायगा।

कृष्ण कुमार
कम्पनी पंजीकार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 बैंकटेश्वरा टाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1976

सं० 1254 टी० 560 (5) :—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बैंकटेश्वरा टाइल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है, और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनी रजिस्ट्रार
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आदित्य होलडिंग्स लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० 6747/16953 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आदित्य होलडिंग्स लिमिटेड का नाम

आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

आर० के० अरोड़ा
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं उत्तकल लक्ष्मी कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० 215/76-2058 (2) :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उत्तकल लक्ष्मी कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं इण्डस्ट्रीज लाखोटिआ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० 426/76-2037 (2) —कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि लाखोटिआ इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० आर० दास
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

अहमदाबाद, दिनांक सितम्बर 1976

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना मैसर्स पटेल बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 1278/लिक्विडेशन :—कम्पनी अरजी नं० 55/1975 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 9-2-1976 के आदेश द्वारा मैसर्स पटेल बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० नं० 365—यतः, मुझे, बि० बि० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 98/2 और 97/5 है, जो सीतारामपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उन्नोलु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-2-1976 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बोन्निडाला पूर्णव्या जि० पि० ए० एजेन्ट बि० कासी विस्वनाथम कि और से
1. बि० पूर्णव्या (2) बि० नारायण मूर्ती (3) बि० भानुमूर्ती (4) बि० कासी विस्वनाथम (5) बि० कृष्ण मूर्ती गान्दूर

(अन्तरक)

(2) बोन्निडाला ब्रदर्स लिमिटेड मुन्दूर प्रतिनिधि प्रबन्ध निदेशक श्री बि० भानुमूर्ति ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उन्नोलु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 29-2-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 254/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बि० बि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 18-9-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मैसर्स रोबर्ट्स मैकलीन एण्ड कं० लि० 26, कैमक स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स इलेक्ट्रोस्टील कास्टींग्स लि० 8, डलहौजी, स्कायर इस्ट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 सितम्बर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० ए० सी० 28/अ० रेंज-5/कल०/76-77—अतः,
मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

और जिसकी सं० जो मौजा-सुकचर, खड़दाह जिला-24 परगना है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि का कुल क्षेत्रफल 23 बीघा 16 कठ्ठाह 11 छटांक 38 वर्गफीट है जो मौजा सुकचर तथा खड़दाह थाना, खड़दाह, जिला 24-परगना में स्थित है। दलील सं० I-49 ता० 6-1-1976।

एस० एस० ईनामदार
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 22-9-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

श्रीमती के० जी० एम० पी०, आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग
5वां माला, नेताजी सुभाष रोड, बंबई-400002

बम्बई, दिनांक 17 सितम्बर 1976

निर्देश सं० अइ० 5/571/10/76—अतः, मुझे, वी० आर०
अमीन,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5, बम्बई
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 22 पार्ट, सी० एस० नं० 1253
पार्ट है, जो मौजे कानजूर में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 9-1-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधित उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरि श्रीधर परांजपे और अन्य (अन्तरक)

(2) श्री गनपत बाबू गुरव और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन, मैदान या आनुवंशिक जायदाद का बहुतमाम टुकड़ा
या भाग जो मौजा कांजूर तालुका कुर्ली, बंबई उपनगर जिले में
और बंबई रजिस्ट्री उप-जिले में, जो पहले बांद्रा रजिस्ट्री उप-
जिला कहलाता था, मौजूद पड़ा हुआ है और बंबई उपनगर जिले
के सिटी सब द्वारा जारी सनद के अनुसार जिसका विवरण निम्नां-
कित है:—

सर्वे नं० सी० एस० नं० क्षेत्रफल
वर्गगज वर्गमीटर

22 भाग 1253 भाग 3443 2878

साथ में वहचाल की, जिसका नं० एन० 1538(2), 126 भाग,
और कांजूर है और यह भूखण्ड इस प्रकार विभाजित हुआ है:—

पूब में अथवा पूर्व की ओर:—एस० नं० 20, सी० एस०
नं० 1258 वाली जायदाद।

पश्चिम अथवा पश्चिम की ओर:—इन खरीददारों की ही
जायदाद जो इन्हीं विक्रेताओं से खरीदी हुई है। उत्तर में अथवा
उत्तर की ओर:—सर्वे नं० 23, सी० एस० नं०
1254, अंशतः 1255 और 1252 दक्षिण की ओर:—सर्वे
नं० 22, हिस्सा नं० 2, सी० एस० नं० 1260 साथ में रास्तों,
निकासों, पेड़ों; धाराओं रास्तों के अधिकारों, शौचादि के अधिकारों
और इनसे संबंधित समस्त अधिकारों सहित और कोई भी अधिकार
रख बिना।

वी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 5-बम्बई

तारीख: 17 सितम्बर, 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निदेश सं० सी० ए० 5/चिपकूण/ जन०-76/302 :—यतः,
मुझे, व्ही० एस्० गायतोंडे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० स क्र० 153/अ० क्र० 827 है तथा जो
चिपकूण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिपकूण
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जनवरी, 76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री रामचन्द्र सीताराम भावे
2. श्री गणेश सीताराम भावे चिपकूण, जि० रत्ना-
गिरी ।

(अन्तरक)

(2) डा० सहास रामकृष्ण रेडजी चिपकूण, जि० रत्ना-
गिरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर क्र० 827, सर्वे क्र० 153-अ०, चिपकूण दो शमलेका
मकान, फर्नीचर और लॉजींग का चिजवस्तु क्षेत्रफल सात-गुंठे
फ्रीहोल्ड ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 339, जनवरी 1976 को
सब-रजिस्ट्रारचिपकूण के दफ्तर में लिखा है) ।

व्ही० एस्० गायतोंडे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/III/एस० आर०-III
जनवरी/488 (7)/ 75-76 —अतः, मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सू० 27 तथा 28 ब्लाक 'सी' है तथा जो एन०
डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री सन्त बीर सिंह, शिव बीर सिंह तथा अमर बीर सिंह,
सुपुत्र श्री एस० अतर सिंह, निवासी एस० -6, ग्रेटर
कंलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती महेश कुमारी, पत्नी श्री अमृत लाल बतरा,
2. मास्टर संजय कुमार बतरा, इनके पिता तथा
प्राकृतिक संरक्षक श्री अमृत लाल बतरा के द्वारा, (3)
श्री दविन्द्र कुमार बतरा सुपुत्र श्री धर्म बीर बतरा, (4)
श्री नारिन्द्र कुमार बतरा, सुपुत्र श्री० धर्मवीर बतरा,
इनके भाई तथा अटारनी श्री दविन्द्र कुमार बतरा
के द्वारा, निवासी ए०-38, एन० डी० एस० ई० पार्ट,
II, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दो फ्रीहोल्ड प्लॉट्स जिनका नं० 27 तथा 28 है, ब्लाक नं०
सी० में है, प्रत्येक का क्षेत्रफल 333 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 666
वर्ग गज) है, जोकि निवासी कॉलोनी एन० डी० एस० ई० पार्ट-
II, नई दिल्ली में डाई मंजिला मकान के साथ बना हुआ है ।

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/1058/जनवरी-1-
(1)/75-76—अतः मुझे, बि० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन
तारीख 2-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैं राय एण्ड सन्स (प्रा०) लि०, इनकी कं० के
प्रबन्धक श्री रतजीत राय के द्वारा, सुपुत्र श्री० अफताब
राय, निवासी 3, पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली तथा
सचिव श्री० हरी देवा के द्वारा।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री सरदार हरचरण सिंह दुग्गल।
2. कुमारी सुरीन्द्र कौर दुग्गल, सुपुत्री सरदार हरचरण
सिंह दुग्गल।
3. श्री० परमजीत सिंह दुग्गल, सुपुत्र सरदार हरचरण
सिंह दुग्गल।
4. मैं ग्रीन प्रापरटीज (इण्डिया) प्रा० लि०
5. मैं दुग्गल प्रापरटीज (प्रा० लि०)।
सभी निवासी 3-बी०, गोलफ लिक्स, नई दिल्ली।
6. सरदारनी जगजीत कौर चोपड़ा, पत्नी भंजर
जरनल मोहिन्द्र सिंह चोपड़ा, (रिटायर्ड), निवासी
ई०-2, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
7. मैं उत्तम सिंह दुग्गल तथा सप्स (कन्सल्टेशन)
प्रा० लि०, 3-ए०, गोलफ लिक्स, नई दिल्ली।
8. मैं प्रिस्टल दुग्गल एण्ड कं० (इण्डिया) प्रा० लि०,
11, मरीना आरकैड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 5000 वर्गगज के लगभग
है, कोठी नं० 3, पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली में स्टैन्डन
रोड़ के सामने है, जिसके दक्षिण में मुख्य स्टैन्डन रोड़ है तथा कोठी
नं० 3 की जमीन के कुछ हिस्से के उत्तर में एक बगीचा है। कोठी
नं० 3 में एक ट्यूब वेल है जोकि विक्रेता द्वारा लगाया गया है,
जो जमीन के बचे हुए भाग में है। जमीन के कुछ हिस्से में नीकरो
के मकान भी हैं। कोठी के पूर्व में पक्की दिवार बनी हुई है जोकि
कोठी नं० 3 तथा 5 को बांटती है। कोठी के पश्चिम में भी इसी
प्रकार की दिवार है जो पुरानी कोठी नं० 3 तथा 1 को बांटती
है, पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली में स्थित है। और नं० 50 स्टैन्डन
रोड़ के नाम से जानी जाती है।

बि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/II/1224/76-77—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 बी० का 1/2 भाग (बिल्डिंग नं० 4345, गली नं० 4, मदन मोहन स्ट्रीट है तथा जो अन्सारी रोड, दरियागंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इकबाल कृष्ण सक्सेना (2) श्री राजीन्द्र मोहन सक्सेना (3) श्री० ओंकार नाथ सक्सेना (4) श्री० गोपाल कृष्ण सक्सेना, सुपुत्र श्री दीना नाथ सक्सेना, निवासी 4345, मदन मोहन स्ट्रीट, 4 अन्सारी रोड, दरियागंज, दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्री माशू लाल जैन, सुपुत्र श्री बुध सैन जैन, निवासी 7/13, बी०, दरियागंज, दिल्ली (2) श्री० छटन लाल जैन, सुपुत्र श्री मनफूल सिंह, निवासी 333, कृष्ण मिराशिक, चावड़ी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) मै० रहिन्कू एजन्सीस कारपोरेशन (किरायदार)
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 150 वर्गगज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 7-बी० है, और बिल्डिंग नं० 3445 का 1/2 हिस्सा है, मदन मोहन स्ट्रीट गली नं० 4, अन्सारी रोड, दरियागंज, दिल्ली, 110006 में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : बिल्डिंग नं० 4346

पश्चिम : बिल्डिंग नं० 4345 का बाकी बचा भाग

उत्तर : रोड 15;

दक्षिण : अन्य जायदाद।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली - 1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1222/76 77 :—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 21 मुस्तकिल नं० 48 है तथा जो माउज करवाल नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रहलाद सिंह तथा श्री० तेज राम, सुपुत्र श्री० हुकुम सिंह, निवासी करवाल नगर गांव, इलाका शाहदरा दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० लक्ष्मी लैन्ड एण्ड फाइनैन्स कं० (रजिस्टर्ड) डी०-16, सिनेमा ब्लॉक, कृष्ण नगर, दिल्ली-51

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका खसरा नं० 21, मुस्तकिल नं० 48 है, कुल क्षेत्रफल 4 बीगा तथा 16 बिसवा है, माउज करवाल नगर, शाहदरा इलाका, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली - 1

तारीख : 23 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14क आसफअली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1223/76-77:—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 22 मुस्तकिल नं० 48 है तथा जो माउज फरवाल नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रहलाद सिंह तथा श्री० तेजराम, सुपुत्र श्री हुकूम सिंह, निवासी करवाल नगर गांव इलाका शाहदरा, दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मी लैन्ड एण्ड फाइनेंस क० (रजिस्टर्ड) डी०-16, व सिनेमा ब्लॉक, कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका खसरा नं० 22, मुस्तकिल नं० 48 है, कुल क्षेत्रफल 4 बीगा तथा 16 बिसवा है, माउज करवाल नगर, शाहदरा इलाका, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एन०/भोपाल 76/77/703:-
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा ;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो बिड़, खण्डवा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खण्डवा में रजिस्ट्रीकृत अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-9-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री मोहन लाल पुत्र श्री देवी दास अग्रवाल
2. श्रीमति केसर बाई पति श्री हरनारायण अग्रवाल
3. श्री धनण्याम दास पुत्र श्री हरनारायण अग्रवाल

निवासी बिड़ तह० खण्डवा

(अन्तरक)

- (2) श्री प्रेम भद्र पुत्र श्री छन्नुलाल सोनी बिड़ तह०,
खण्डवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 95, 226, और 14 कुल 14.62
एकड़ भूमि जो कि बिड़ तह० खण्डवा में स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-9-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० ए० ए०/भोपाल 76/77/704:—

अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि मकान आदि है, जो बिड़, खण्डवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खण्डवा में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-11-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री सखु त्रिभुवन दास पुत्र सेठ बल्लभ दास गुजराती पटेल निवासी मावला डिस्ट्रीक्ट नासिक महाराष्ट्र पावर आफ एटर्नी द्वारा श्री सकरचन्द्र मुरली धर पटेल निवासी मावला नासिक महाराष्ट्र (अन्तरक)

(2) मैसर्स कमल टेडिंग कम्पनी गार्डनिंग एण्ड प्रोसेसिंग फैक्ट्री, बिड़, तह० खण्डवा, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, गोडाउन, आफिस रुम्स तथा अन्य मकान जो कि गार्डनिंग एण्ड प्रोसेसिंग फैक्ट्री के हैं जो बिड़ में स्थित हैं।

बी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 10-9-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/705:—

अतः मुझे, वी० के० सिन्हा ;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि मकान है, जो बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत्त में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रतन पुत्र श्री विशम्बरनाथ अग्रवाल निवासी करज बाजार नगर, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम खंडसारी फैक्ट्री लाल बाग बुरहानपुर संचालक (1) श्री शम्भूदयाल पुत्र श्री द्वारकादास अग्रवाल निवासी 97/5, स्नेहलता गंज, इन्दौर।

(2) श्री गोपाल दास पुत्र श्री शंवर लाल अग्रवाल निवासी जमना लाल बजाज रोड़, धुलिया (महाराष्ट्र)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व बिल्डिंग जो कि प्लॉट न० 252/2, पर बनी है लाल बाग, बुरहानपुर में स्थित है।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/706:—

अतः, मुझे, वि० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-1-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित:—

4—286 GI/76

(1) 1. श्री हजारी लाल पुत्र श्री स्व० परमानन्द सराफ
2. श्री विशनू दयाल (3) श्री बिहारी लाल पुत्र
श्री हजारी लाल निवासी 558, लार्डगंज, जबलपुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सवाई सिधन भद्रानी बहू जोजे श्रीराम भन्द्र
जी जैन लाडगंज बाड, जबलपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जोकि गड़ा जबलपुर में स्थित है। खसरा नं० 519/1-
के रकबा 0.178 जबलपुर।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-9-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/707:—

अतः मुझे, वी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 12-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लिलोक नाथ पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण जी कपूर
कपूर निवास साउथ, तुकागंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्तीदेवी पत्नी श्री मदन लाल जी शान्ती
भवन, साविन्द नगर, कनाडिया रोड, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि साथ में, कुआँ, नौकर का मकान, जिसका सर्वे
नं० 263/1 जो कि आगरा बाम्बे रोड, इन्दौर में स्थित है।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-9-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/ 76-77/708:—

अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो ग्राम मेहरा, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री अदीराम पुत्र श्री रामदयाल
2. श्री चतुर सिंह
3. श्री सीताराम पुत्र श्री शोभाराम जी खेमरिया
निवासी ग्राम मेहरा जिला ग्वालियर
(अन्तरक)

(2) कुमारी हेमा मेहता, पुत्री प्रशुतोष मेहता द्वारा के मेहता बैंक आफ इण्डिया, एल० - 8, गांधी नगर, ग्वालियर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम मेहरा, डिस्ट्रिक्ट ग्वालियर में है नम्बर, 497, रकबा 7 बीघा 4 बीसा

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 10-9-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० ए० ए०/भोपाल 76-77/709:—

अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाशचन्द्र लूकड़ पुत्र श्री सेठ लाल चन्द लूकड़ ओसवाल जैन, निवासी बुधपारा रायपुर (अन्तरक)

(2) श्री सरवंत सिंह, परमजीत सिंह कता सरदार सरवंत सिंह पुत्र श्री सरदार तेज सिंह, निवासी कटोरा तालाब, रायपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नजूल प्लाट ब्लाक नं० 22, प्लाट नं० 12/2 क्षेत्रफल 7750 वर्गफुट जोकि सिविल स्टेशन, रायपुर में स्थित है ।

वि० के० सिन्हा
[सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल]

तारीख : 10-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/710:—

अतः मुझे, बी० के० सिन्हा,
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है, जो सिरपुर, इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. सी० के० मुकुन्द (2) श्रीमति आर० बटसीवाला
(गोल्डन कार्न कम्पनी) द्वारा श्री नागेनदास पुत्र
श्री श्याम जी भाट्ट शाह निवासी वर्तमान बम्बई निवासी
सिरपुर, तह० इन्दौर
(अन्तरक)

(2) मैसर्स नागिन नगर, 9 शिव विलास पैलेस द्वारा पार्टनर
श्री राघवलाल पुत्र श्री गंधीलाल जैन निवासी 9, शिव
विलास पैलेस, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्थित सिरपुर तह० इन्दौर खसरा नं० 211/1, इन्दौर

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 10-9-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/5474/75-76/एक्वी०/बी०:—
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 64/1, 64/2 सी० व 65 है, तथा जो सुन्दरहल्ली गांव, कुतनी होवली मंडया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, मंडया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री केम्पलिंगय्या सुपुत्र श्री रामसिद्देगौडा, यलयूर धकले मायन्न कोप्पलु गांव, कुतनी, मंडया तालूका (अन्तरक)

(2) श्री वै० बी० काले गौडा किसान सुपुत्र श्री दावे गौडा, यलयूर धकले मायन्न कोप्पलु गांव, कुतनी मंडया तालूका ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 4535/75-76 ता० 2-1-1976]

खेती जमीन—1 एकड़, 13 गुण्टास सर्वे नं० 64/1, 18 गुण्टास-सर्वे नं० 64/2 सी० व 26 गुण्टास-सर्वे नं० 65 सुन्दरहल्ली गांव, कुतनी होवली, मंडया तालूका में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल : 2 एकड़ 17 गुण्टास

सीमाएं :

पूर्व : श्री चन्नवीरय्या व ईरय्या की जमीन

पश्चिम : श्री लिंगप्पा व हुच्चप्पा की जमीन

उत्तर : श्रीमति कमलम्मा की जमीन

दक्षिण : श्रीमति पुट्टम्मा कृष्णय्या की जमीन व सड़क

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5472/75-76/एक्वी०/V :—

यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-806, 807, 808 व 15-809 है,
तथा जो संजीवा, (मोनिका गार्डन के पास), मंगलूर-2 में स्थित
है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-1-76

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रीमती सोबिन डी० कोस्टा बाई पत्नी श्री अल्बेन
फ्रान्सीस डी० कोस्टा लोवर बेन्दूर, कदिरी गांव,
मंगलूर टाउन।

(अन्तरक)

(2) 1. डा० के० अजीत कुमार शेटी सुपुत्र होश्या शेटी
2. श्रीमति प्रफुल्ला ए० शेटी पत्नी के० अजीत कुमार
शेटी 'संजीवा' मोनिका गार्डन के पास, तोवर बन्दूर
मंगलूर-2

(अन्तरिती)

(3) श्री वी० जी० पी० सलडान्हा (वह व्यक्ति; जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 982/75-76 ता० 22-1-76]

सं० नं०	एस० डी० नं०	किस्म	परिधि
---------	-------------	-------	-------

121	7	बगीचा पश्चिमी भाग	24 सेंटस (52 सेंटस के अन्तर्गत)
-----	---	----------------------	---------------------------------------

नं० 15-806, 807, 808, व 15-809 (मोनिका गार्डन
के पास) लोवर बेन्दूर, मंगलूर-2 संजीवा, कदिरी गांव, मंगलूर
शहर

गृह क्षेत्र :—7440 वर्गफीट

सोमाएं :—

पूर्व-आर० जे० पैरेरिया की संपत्ति

दक्षिण : सब लायन व नाला

पश्चिम : सर्वेलेन

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/711:—
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो शहडौल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहडौल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-1-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री किशोरी लाल पुत्र श्री रघुनाथ प्रसाद अग्रवाल निवासी वार्ड नं० 7, शहडौल ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार अली पुत्र श्री एहसाब अली निवासी शहडौल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्थित ग्राम सोखी क्रमांक 997, नगर पालिक सेवा शहडौल तह० सुहागपुर

वि० कु० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/5480/75-76/एक्वी०/बी०:—

यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 50 है, तथा जो बिन्नमंगला ले आउट एच० ए० एल० II स्टेज, इन्दिरा नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—286 GI/76

(1) लैफ्टिनेंट कर्नल टी० एस० आनन्द सुपुत्र एस० बलदेव सिंह, सी० 288 डिफेंस कालोनी नयी दिल्ली या नं० आर० 68 ग्रेटर कैलास, नयी दिल्ली। प्रतिनिधि कर्नल पी० एन० पी० नायर।

(अन्तरक)

(2) मेजर बी० एस० ग्रहलुवालिया सुपुत्र श्री हरजीत सिंह, बट्टर मार्केट जार्ज टाउन, अलहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2999/75-76 ता० 8-1-76)

खाली अवस्थान नं० 50 बिन्नमंगला ले आउट एच० ए० एल०

II स्टेज, इन्दिरा नगर, बंगलूर, - 38

अवस्थान क्षेत्रफल:—पूर्व से पश्चिम 70' } 6300 वर्गफीट
उत्तर से दक्षिण : 90'

सीमाएं :

सीमाएं :

पूर्व : अवस्थान नं० 77

पश्चिम : 100 रोड

उत्तर : अवस्थान नं० 49

दक्षिण : 51'

आर० कृष्णामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 3-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जुलाई 76

निर्देश सं० सी०आर० नं० 62/5481/75-76/एक्वी० बी:—
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 166 है, तथा जो भिन्नमंगला ले आउट,
इन्दिरानगर, बंगलूर-38 में स्थित है, तथा (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-1-1976
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लैफ्टि० कर्नल एस० एस० आनन्द मार्फत लैफ्टि०
कर्नल टी० एस० आनन्द सी०-288 डिफेंस कालोनी
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मेजर जे० एस० चोप्रा सेर्वीसस सेलक्शन सेंटर
(दक्षिण) बंगलूर- 42

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

[इस्तावेज सं० 3000/75-76 ता० 8-1-76]]

अवस्थान नं० 166 भिन्नमंगला ले आउट एच० ए० एल-II
स्टेज, डिफेंस कालोनी, इन्दिरा नगर, बंगलूर-38

अवस्थान क्षेत्रफल:—60' × 90'—5400 वर्गफीट

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजन रेंज बंगलूर

तारीख : 19-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 76

निर्देश सं० सी०आर० 62/5496/75-76/एक्यू० बी० :—

यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6, 7, 8 व 9 है, तथा जो सर्वे नं० 31/5 मटदहल्ली, कसबा होब्ली बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ए० रमामसुब्रीसा पत्नी डा० अब्दुल बशीर राजप्पा ब्लोक मुनिरेड्डिपालयम, बंगलूर-560006 (अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० शराफुस्रीसा, सुपुत्री एस० ए० आर० अगाह नं० 1, III क्रॉस मारधा गाडन, मुनिरेड्डिपालयम, बंगलूर-560006 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3521/75-76 ता० 14-1-76]

अवस्थान नं० 6, 7, 8 व 9—सर्वे नं० 31/5

मटदहल्ली, कसबा होब्ली (डिविजन नं० 46) बंगलूर में स्थित।

सीमाएं : (अवस्थान नं० 6, 7 व 8)

पूर्व : सड़क, पश्चिम : सड़क, उत्तर : सड़क दक्षिण : सड़क।

क्षेत्रफल : पूर्व से पश्चिम : 45' } 4050 वर्गफीट
उत्तर से दक्षिण : 90' }

सीमाएं : (अवस्थान नं० 9)

पूर्व, पश्चिम व दक्षिण : सड़क। उत्तर : अवस्थान नं० 23 व 32।

क्षेत्रफल : पूर्व से पश्चिम : 45' } 1200 वर्गफीट
उत्तर से दक्षिण : 30' }

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-7-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

4. श्री बी० चन्नाप्पा (गोदलिया पुत्र) 19 शंकर देवर मठ लेन, मानवर्तपेट, बंगलूर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5497/75-76/एक्यू०/बी०:—
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 3 (नया नं० 25) है, तथा जो मुनिरामप्पा
लेन (कोट्टनपेट), बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गान्धीनगर, बंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, ता० 14-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती 1. लिंगम्मा पत्नी स्व० बैरप्पा

2. बी० रामकृष्ण } बैरप्पा के पुत्र
3. बी० चन्द्रशेखर }

नं० 3 (नया नं० 25) बिडकुलपेट, मुनिरामप्पा
लेन, बंगलूर।

(2) श्रीमती चन्नाबासम्मा पत्नी श्री बसवलिगप्पा (उमा
शंकर काफी वर्कस 115 कोट्टनपेट मैन रोड, बंगलूर)

नं० 58, डा० टी० सी० एम० रोयन रोड, बंगलूर,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए
जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3527/75-76 ता० 14-1-76)

गृह संपत्ति : नं० 3 (नया नं० 25), बिडकुलपेट

(डिविजन नं० 17) (अल्लेपेट के पास), मुनिरामप्पा लेन,
कोट्टनपेट, बंगलूर।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : उत्तरी भाग पर 36' 3" }
दक्षिण भाग पर 30' x 6' 6" } 2576 वर्गफीट

गृह क्षेत्र : 10 स्कोयर्स मिट्टी का छत }
5 स्कोयर्स मंगलूर खपरैलवाला छत } 15 स्कोयर्स

सीमाएं :

पूर्व : गोपाल रेड्डी का गृह व अन्तोणी दास का गृह

पश्चिम : श्री वेलायुधन व बी० चन्नाप्पा का घर

उत्तर : सड़क

दक्षिण : अन्य संपत्ति व सड़क

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5501/75-76/एक्यू०/बी०:—

यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 61 (नया नं० 3) है, तथा जो III मैन रोड, जयमहल एक्सटेंशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती बी० सरोजा देवी सुपुत्री श्री बैरप्पा, नं० 351 अप्पर पालस ओर्बेडस (सदाशिवनगर), बंगलूर-6।

(अन्तरक)

(2) डा० चतुर दत्त पंत सुपुत्र स्व० प्राण दत्त पंत नं० 3/5 IV ब्लॉक कुमार पार्क इस्ट एक्सटेंशन बंगलूर-560020

(अन्तरिती)

3. सहायक सैनिक एस्टेट अधिकारी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3533/75-76 ता० 14-1-76]

गृह नं० 61 (नया नं० 3) III मैन रोड जयमहल एक्सटेंशन बंगलूर सिटी में स्थित।

सीमाएं :

पूर्व : सड़क। पश्चिम : रामकृष्णा की संपत्ति

उत्तर : केन्द्र सरकार की खाली जमीन

दक्षिण : सड़क

अवस्थान क्षेत्रफल :

करीब 4187 वर्गफीट/465 वर्गगार्डस/388.98 वर्ग मीटर्स (मूल्यन रिपोर्ट के अनुसार)।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 16-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5503/75-76/एक्यू०/बी 33—यतः मुझ आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 13/1 है, तथा जो मडिवाला गांव, बंगलूर सीथ तालूका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जी० दानियल सुपुत्र एस० दानियल
अपरी वर्ज का लेखक,
एस० आर० एस० नेशनल डायरी
रिसर्च इंस्टिट्यूट, बंगलूर-26। (अन्तरक)

2. कुमारी जयम्मा पत्नी श्री टी० कोलन्दप्पा आनेप्पलया,
नीलसान्द्रा गांव, बंगलूर-30 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2756/75-76 ता० 2-1-76]

कोनेवाला गृह अवस्थान—सर्वे नं० 13/1 मडिवाला गांव बंगलूर होब्ली, बंगलूर सीथ तालूका (डि० नं० 35)
अवस्थान क्षेत्रफल : 350 वर्ग यार्ड्स।

सीमाएं :

पूर्व : 20 फीट रोड
पश्चिम : बंगलूर होब्लूर रोड
उत्तर : 25 फीट चौड़ी सड़क
दक्षिण : अवस्थान नं० 8 व 12

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख : 3-8-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त 1976

1. श्री डा० के० एस० षडाक्षरप्पा
रंगराव रोड, बसवंगुडी,
बंगलूर-4

(अन्तरक)

2. कुमारी पी० एस० पद्मावती (अल्पव्यस्क)

प्रतिनिधि : श्रीमती पी० एस० ललिताम्बा,

नं० एच० 114 मुदलबा स्ट्रीट

बोडुमावल्ली, बंगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० सी० आर० 62/5504/75-76/एचयू०/बी
—यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 150 है, तथा जो सर्वे नं० 78/2 तवरेकेरे
गांव, बंगलूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 3-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्धित
नहीं किया गया है :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2760/75-76 तारीख 3-1-76)

अवस्थान नं० 150.—सर्वे नं० 78/2 (डिविजन नं० 36)
तवरेकेरे गांव, बंगलूर जिला में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल : पूर्व से पश्चिम : 50' } 3000 वर्गफीट
उत्तर से दक्षिण : 60' }

सीमाएं :

पूर्व : अवस्थान नं० 151

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : अवस्थान नं० 160

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कर्मा करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-8-1976

मोहर :

प्रलप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5511/75-76/एक्यू०/
बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० है, तथा जो चंपबेलूर गांव, देवनगरी, विराजपेट
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विराजपेट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-1-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ए० एम० मुद्दप्पा
- (2) श्रीमती ए० एम० कामम्मा मुद्दप्पा
- (3) ए० एम० गणपति

(4) श्रीमती ए० एम० पोन्नम्मा

चेंबबेलूर गांव, देवनगरी (पो) विराजपेट तालूका,
कूर्ग जिला।

श्री ए० एम० गणपति का प्रतिनिधि : ए० एम० मुद्दप्पा।
(अन्तरक)

2. श्री (1) पी० एम० मेदप्पा
(2) पी० एम० तिमसय्या
(3) पी० एम० विजय कुमार } सुन्देबा के पुत्र

(इक्कूला गांव, मरनाड, कूर्ग) चेंबबेलूर गांव, देवनगरी (पो)
विराजपेट तालूका, दक्षिण कूर्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 415/75-76 तारीख 9-1-76)

कापी भाग, चावल अनाज का खेत, जंगली जमीन आदि—
38 एकड़ 2 सेंट्स—गृह सहित आदि—चेंबबेलूर गांव, देव-
नगरी (पो), विराजपेट तालूका, दक्षिण कूर्ग में स्थित।

क्षेत्रफल	सर्वे नं०	एकड़	सेंट्स
	128	17	55
	122/14	0	50
	122/15	0	95
	122/17	1	40
	122/22	7	10
	122/25	3	00
	122/1	6	86
	233/2	0	66
कुल		38	02

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5514/75-76/एक्यू०/बी—यतः, मझे, आर० कृष्णामूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 249 है, तथा जो ब्लाक होसहल्ली एक्सटेंशन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7 जनवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-286GI/76

1. श्री आर० कृष्णामूर्ति (अन्तरक)

सपुत्र स्व० आर० रंग राव, नं० 33

रंगराव रोड, शंकरपुरम, बंगलूर-4

2. श्रीमती यासमीन जहाँ बेगम (अन्तरिती)

सपुत्री श्री एस० के० बाषा

मार्फत श्री एस० के० बाषा,

नं० 249 विजयनगर, बंगलूर-40

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2841/75-76 तारीख 7-1-76)

अवस्थान नं० 249 पर बनाया गृह-IX-सी मैन रोड होसहल्ली एक्सटेंशन (विजयनगर एक्सटेंशन) बंगलूर (डिविजन नं० 21)

अवस्थान क्षेत्रफल:—

पूर्व से पश्चिम : 54'6" करीब 2452 वर्गफीट

उत्तर से दक्षिण : 45'

गृह क्षेत्र : 6 स्कोयर्स

सीमाएं:—

उत्तर : अवस्थान नं० 250/251

दक्षिण : 10 वां मैन रोड

पूर्व : I फ़ास रोड

पश्चिम : अवस्थान नं० 248/बी

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5528/75-76/एक्यू०/
बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 122/13 व 122/14 है, तथा जो कोंगेरी गांव,
कोंगेरी होब्ली, बंगलूर दक्षिण तालुका में स्थित है और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बंगलूर सौधतालुका में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
29-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती एन० आरदा देवी पत्नी स्व० (अन्तरक)
टी० नागराज राव
नं० 658/1 सज्जन राव रोड,
वी० बी० पुरम, बंगलूर-4
2. श्री नरेन्द्र शाह सपुत्र नटवरलाल शाह (अन्तरिती)
नं० 30 चर्च रोड, शान्तिनगर,
बंगलूर-27

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3873/75-76 ता० 29-1-76)

परिवर्ति जमीन—सर्वे नं० 122/13 व 122/14 से—
कोंगेरी गांव, कोंगेरी होब्ली, बंगलूर सौधतालुका में स्थित।

क्षेत्रफल : 2 एकड़

सीमाएं :

पूर्व : स.कारी खराब जमीन

पश्चिम : बंगलूर मैसूर रोड

उत्तर : सर्वे नं० 122

दक्षिण : जमीन का बाकी भाग—सड़क के बगल में—
2 एकड़

आर० कृष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3 अगस्त 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5556/75-76/ए०सी०क्यू०/
वी०—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 10 (नया नं० 14, का भाग) है, तथा जो
लॉग फोर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती
अधिकारी के कार्यालय जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया गया निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री एस० रंगाचार सपुत्र पी० एस० चार (अन्तरक)
पद्मालया; माटुंगा रोड, बडला,
बम्बई
प्रतिनिधि : पी० एस० रंगनाथाचार, नं० 18, बासप्पा रोड
बंगलूर-27
2. श्री एस० सिद्दीरप्पा सपुत्र स्व० सिद्दीबासप्पा
नं० 26, शान्तवीरय्या लेन, चिकपेट, (अन्तरिती)
बंगलूर-2 ए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संघी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2860/75-76 ता० 21-1-76]

खाली अवस्थान नं० 10—गृह नं० 14 (पुराना नं० 10),
लॉगफोर्ड रोड (छिविजन नं० 62), सिविल स्टेशन, बंगलूर
में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 74'

उत्तर से दक्षिण (पश्चिमी भाग) : 35'
(पूर्वी भाग) 47' } : 2890 वर्ग फीट

सीमाएं :—

पूर्व : अवस्थान नं० 9

पश्चिम : निजी संपत्ति

उत्तर : अवस्थान नं० 11

दक्षिण : निजी संपत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5557/75-76/ए० सी० व्यू०/
बी०—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 11 (नया नं० 14 का भाग) है, तथा जो
लॉगफोर्ड रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 21-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० रंगाचार सपुत्र पी० एस० चार (अन्तरक)

'पद्मालया', माटुंगा रोड,
वडला, बम्बई

प्रतिनिधि:

पी० एस० रंगनाथाचार,

नं० 18, बासप्पा रोड, बंगलूर-27

2. श्री ए० ई० पैस सपुत्र स्व० ए० ए० पैस (अन्तरिती)

नं० 14/2 कर्ली स्ट्रीट,

रिछमंड टाउन, बंगलूर-25

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2861/75-76 ता० 21-1-76]

खाली अवस्थान नं० 11—गृह नं० 14 (नया) 5 व 10
(पुराना नं०), लॉग फोर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर
अवस्थान क्षेत्रफल:—

पूर्व से पश्चिम : 49' }
उत्तर से दक्षिण : 35' } 1715 वर्ग फीट

सीमाएं:—

पूर्व : 25' प्रस्तावित सड़क

पश्चिम : डा० रामन्ना का घर

उत्तर : खाली अवस्थान बेचनेवाले का

दक्षिण : खाली अवस्थान नं० 10

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5561/75-76/ए० सी० क्यू०/
बी०—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी सं० 233 (नया नं० 231/3) है, तथा जो 12
क्रास विल्सन गार्डन, बंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 23-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यवितियों अर्थात् :—

1. श्रीमती लावण्या श्रीनिवासन
पत्नी डा० एम० एन० श्रीनिवासन,
नं० 153 कल्पलता V क्रास,
II ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-11
(अपने व बच्चों की ओर से) (अन्तरक)

2. श्री वी० एस० गोपालस्वामी
सपुत्र वी० एस० शेष अय्यर
नं० 423-14 मेन रोड,
लक्कसान्दा एक्सटेंशन
विल्सन गार्डन, बंगलूर-27 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2890/75-76 ता० 23-1-76]

अवस्थान नं० 233 (नया नं० 231/3) क्रास
विल्सन गार्डन, बंगलूर में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 80' } 4000 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 50' }

सीमाएं :

उत्तर : अवस्थान नं० 230/4

दक्षिण : अवस्थान नं० 232/2

पूर्व : 12वां क्रास रोड

पश्चिम : अवस्थान नं० 214

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5565/75-76/ए०सी०क्यू०/
बी०—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० 164 है, तथा जो सर्वे नं० 78/2 तबरेकरे
गांव, बंगलूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में 10 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० सी० एम० पुरुषोत्तम, प्रोफेसर
ए० ऐ० टी० काम्पस, मद्रास-36 (अन्तरक)
2. श्रीमती पी० एस० तलिताम्बा पत्नी
पी० एस० शेषय्या, एच० 114
मुदलप्पा स्ट्रीट दोड्डमावल्ली,
बंगलूर-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2898/75-76 ता० 28-1-76]

कोने का अवस्थान नं० 164—सर्वे नं० 78/2 (डि० नं०
36) तबरेकरे गांव, बंगलूर जिला में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 50' } 3000 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 60' }

सीमाएं :

पूर्व : अवस्थान नं० 165

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : अवस्थान नं० 176

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-8-1976

मोहर :

प्रारूप आर्दो टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5569/75-76/ए०सी०क्यू०/
वी०—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 34 है, तथा जो IV फ़ास, लक्ष्मी रोड, शान्ती-
नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 29-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० चलयप्पा सपुत्र
के० मुनिस्वामप्पा (अन्तरक)
नं० 117, त्यागलरोड, बंगलूर शहर
2. श्री (1) एस० सरदार खान (अन्तरिती)
सपुत्र एम० एन० सुलैमान साहब
(2) श्रीमती दिलशाद बेगम, पत्नी
श्री एस० सरदार खान
नं० 34 V फ़ास, लक्ष्मी रोड,
शान्तीनगर, बंगलूर-27

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2911/75-76 ता० 29-1-76]

गृह नं० 34, V फ़ास, लक्ष्मी रोड, शान्तीनगर, बंगलूर-
27 (डि० 62)

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम (उत्तरी भाग) — 46' . 6" }
(दक्षिणी भाग) — 46' } 143 वर्ग यार्ड्स
उत्तर से दक्षिण (पूर्वी भाग) 27' . 6" }
(पश्चिमी भाग) — 29' }

गृह क्षेत्र : 11 स्क्वायर

सीमाएं :—

पूर्व : मुनिस्वामप्पा की सम्पत्ति

पश्चिम : सड़क

उत्तर : रुद्रप्पा का घर

दक्षिण : बेचने वाले की सम्पत्ति नं० 34/डी

तारीख : 15-क-76

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5570/75-76/ए० सी० वयू०/
बी०—यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 54 है, तथा जो 7 ब्लाक, जयनगर, बंगलूर
में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर,
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 31-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० टी० सेनगोड मुदलियार
नं० 7, 5 मैन रोड, 4 ब्लाक,
जयनगर बंगलूर

(अन्तरक)

2. श्री एम० के० गोपालकृष्ण
सपुत्र स्व० के० केपेगोडा
नं० 122, 7 मैन रोड "बी"
4 ब्लाक, जयनगर, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2941/75-76 ता० 31-1-76)

अवस्थान नं० 54 का उत्तरी भाग, 7 ब्लाक जयनगर,
बंगलूर—तथा नं० 38/1, 3 मैन रोड 7 ब्लाक, जयनगर
(34 डिवाजन), बंगलूर।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 70' } 4200 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 60' }

सीमाएं :—

पूर्व : 3 मैन रोड
पश्चिम : अवस्थान नं० 53
उत्तर : 30वां क्रॉस रोड
दक्षिण : अवस्थान नं० 54/38 है

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 3-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5585/75-76/ए०सी०ब्यू०/
बी०---यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० 4 है, तथा जो अलक्सांड्रा स्ट्रीट, रिछमंड
टाउन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 22-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—286 जी आई/76

1. श्री (1) के० गोपालकृष्ण, वकील (अन्तरक)

सपुत्र स्व० एम० केम्पया

(2) कु० सी० के० पवित्रा

(अल्पवयस्क)

प्रतिनिधि वरक्षकर्ता: क० गोपाल कृष्ण

नं० 402 पालस ओचीर्ड, बंगलूर

2. श्री दयानन्द राव सपुत्र स्व० बेंकटरमण (अन्तरिती)

राव नं० 21 सम्पार्ग टाक रोड,

बंगलूर-560025

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3133/75-76 ता० 22-1-76)

मकान अवस्थान नं० 4 अलक्सांड्रा स्ट्रीट

रिछमंड टाउन, बंगलूर।

अवस्थान क्षेत्रफल:—

पूर्व से पश्चिम : 50' } : 2500 वर्गफीट
उत्तर से दक्षिण—50' }

सीमाएं:—

पूर्व : अल्फ्रड स्ट्रीट।

पश्चिम : नं० 4/1 अलक्सांड्रा स्ट्रीट अशोक जी
कारकर की सम्पत्ति।

उत्तर : अलक्सांड्रा स्ट्रीट।

दक्षिण : नं० 23/1 अल्फ्रड स्ट्रीट इ०एन०काटकर की
सम्पत्ति :

आर० कृष्णामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 3-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5596/75-76/ए०सी०क्यू०/बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9 है, तथा जो अशोका रोड, बंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 29-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री वी० जोसफ मात्यूस
नं० 6 II फ़ास, हचिन्स रोड,
बंगलूर-5

(अन्तरक)

2. श्री पी० ए० नोमस,
सपुत्र श्री अन्तोणी
नं० 23 क्लैव रोड, कूक टाउन
बंगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3176/75-76 ता० 29-1-76)

अवस्थान नं० 9, अशोका रोड, बंगलूर में स्थित जमीन व गृह।

अवस्थान क्षेत्रफल : 4000 वर्गफीट (50' × 80')

सीमाएं :—

उत्तर : गारै मुनिस्वामय की जमीन

दक्षिण : नयी सड़क (अशोका रोड)

पूर्व : भूखण्ड नं० 8 बेचने वाले का

पश्चिम : श्री वेदनायकम की संपत्ति

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 3-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5599/75-76/ए०सी०क्यू०/
बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,
और जिसकी सं० 7 है, तथा जो 15, कोलमी सिद्दप्पा गार्डन,
अलसूर, बंगलूर-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 29-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० ए० कामाक्षय्या (अन्तरक)
सपुत्र स्व० के० अन्तरामय्या शेटी,
नं० 100 ज्वेलेर्स स्ट्रीट, सिविल स्टेशन
बंगलूर।
2. श्री बी० श्रीराम रेड्डी (अन्तरिती)
सपुत्र स्व० श्री वेंकटप्पा रेड्डी
नं० 11/6ए जी० मैन रोड 1 क्रॉस
अलसूर, बंगलूर-8

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3192/75-76 ता० 29-1-76)

अवस्थान नं० 7—खाली जमीन पर नं० 15 कोलमी
सिद्दप्पा गार्डन (साफेर्स रोड), अलसूर, बंगलूर-8 में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व : 36'	} करीब 1729 वर्गफीट
पश्चिम : 40'	
उत्तर : 48'	
दक्षिण : 43'	

सीमाएं :

पूर्व : अवस्थान नं० 6—खाली जमीन पर
पश्चिम : साफेर्स रोड
उत्तर : 25' चौड़ी सड़क
दक्षिण : अवस्थान नं० 8

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-8-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5641/75-76/ए०सी०क्यू०/
बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,
और जिसकी सं० 20, 21 व 22 है, तथा जो सर्वे नं० 104/1
के० जी० ब्यादरहल्ली, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय गान्धीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 19-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ए० रहमतुल्लिसा (अन्तरक)
पत्नी डा० अब्दुल बशीर, राजबाब्लाक
मुनिरिडिडपालयम, बंगलूर-560006

2. श्री अब्दुल जिलानी (अन्तरिती)
सपुत्र ए० मुहम्मद खोस
नं० 1-III आस, मारधा गार्डन,
मुनिरिडिडपालयम
बंगलूर-560006

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3586/75-76 ता० 19-1-76)

सारी गृह सम्पत्ति—सर्वे नं० 20, 21, 22 सर्वे नं०
104/1, के० जी० ब्यादरहल्ली (डि० 46) बंगलूर में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :—(तीनों अवस्थान)

पूर्व से पश्चिम : 40' } 3600 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 90' }

यानी हरेक अवस्थान—40' × 30' = 1200 वर्ग फीट

सीमाएं :

पूर्व : अवस्थान नं० 27, 28, 29

पश्चिम : 25 फीट सड़क

उत्तर : अवस्थान नं० 23

दक्षिण : अवस्थान नं० 19।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 22-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5644/75-76/ए०सी० क्यू०/
बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 14 है, तथा जो I मैन रोड, जयमहल एक्स-
टेंशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर,
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन ता० 19-1-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुलोचना बालराज (अन्तरक)
पत्नी स्व० लैफ्टिनेन्ट कर्नल बालराज
नं० 14 व 15 I मैन रोड,
जयमहल एक्सटेंशन बंगलूर।
2. श्री मीर मोहम्मद सालेह
सपुत्र स्व० मोहम्मद मीर, नं० 15
कण्णिगम रोड
सिविल स्टेशन, बंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3595/75-76 ता० 22-1-76)

खाली अवस्थान—नया नं० 14 (पुराना नं० 9/1)

I मैन रोड, जयमहल एक्सटेंशन, बंगलूर (डि० नं० 46)

अवस्थान क्षेत्रफल : पूर्व से पश्चिम : 55' }
उत्तर से दक्षिण : 70' } 3850 वर्गफीट

सीमाएं :—

उत्तर : I मैन रोड, जयमहल एक्सटेंशन

दक्षिण : गृह नं० 15 (पुराना नं० 9/2) I मैन रोड,
जयमहल

पूर्व : गृह नं० 16, I मैन रोड, जयमहल एक्सटेंशन
काम जोशी की सम्पत्ति।

पश्चिम : 30' चौड़ी सड़क, 'ब्यूफोर्ट' के अन्दर, 18
जयमहल एक्सटेंशन I मैन रोड।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 22-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5645/75-76/ए० सी० क्यू०/
बी०—यतः मूझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० 363 है, तथा जो राजमहल विलास एक्सटेंशन,
बंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धी
नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन ता० 19-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्री एम० रामन्ना (अन्तरक)

सपुत्र स्व० होबले गौडा

(2) शेखर बाबू (3) अशोक (4)

अभिनीत (एम० रामन्ना के पुत्र)।

प्रतिनिधि व रक्षकर्ता : एम० रामन्ना

नं० 28 ब्लॉक I, के० पी० वेस्ट,

बंगलूर-20

2. (1) श्रीमती तायम्मा पत्नी वीरनगौडा

नं० 317, 'शोभा' VI मैन रोड,

राजमहल विलास एक्सटेंशन,

बंगलूर, बेनामीवार

(2) प्रभा प्रसाद पत्नी अजीत प्रसाद,

आर० डी० प्रसदाम रोड, कोटेसिले,

19320 पेन्सिलवेनिया, यू० एस० ए०

मार्फत के० एस० देवपाल, नं० 14

रंगराव रोड, बसबगुडी, बंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 3609/75-76 ता० 19-1-76)

कोनेवाला गृह अवस्थान नं० 363, राजमहल विलास
एक्सटेंशन, बंगलूर-6

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 46' } 276 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 60' }

सीमाएं :

उत्तर : अवस्थान नं० 392

पूर्व : अवस्थान नं० 364 (श्रीमती तायम्मा से खरीदा हुआ)

पश्चिम व दक्षिण सड़क।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 12-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5651/75-76/ए० सी० क्यू०/
बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 186/1 है, तथा जो सूबेदार छत्रम रोड,
बंगलूर-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गान्धी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 24-10-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जे० सी० उमा शंकर (अन्तरक)
सपुत्र श्री ज० चिन्नप्पा, नं० 167/1
13वां मैन रोड वसन्तनगर,
बंगलूर-52

2. श्री डी० सन्तानकृष्णन (अन्तरिती)
सपुत्र आर० दोरेस्वामी
नं० 267 XI क्रॉस, विल्सन गार्डन्स
बंगलूर-27

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवस्थितियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3564/75-76 ता० 24-1-76)

खाली जमीन जो नं० 186/1 सूबेदार छत्रम रोड, शेषाद्रि-
पुरम, बंगलूर-20 का भाग है

अवस्थान क्षेत्रफल:

उत्तर : 45'	} 3400 वर्ग फीट
दक्षिण : 42'36"	
पश्चिम : 77'	
पूर्व : 79'	

सीमाएं:—

उत्तर : निजीसम्पत्ति व सड़क का आखिरी भाग।

दक्षिण : निजी सम्पत्ति बी० मोहम्मद इमाम की है।

पश्चिम : सम्पत्ति नं० 186/2 जो जे० सी० रुद्र शर्मा
की है।

पूर्व : संपत्ति नं० 186/1 बेचने वाले की है।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5660/75-76/ए०सी०क्यू०/

बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 19 (पुराना नं० 8) है, तथा जो पद्मशाला किच्चैया लेन, अक्किपेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 30-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मस्तान बी० उर्फ शाहजादी बी० (अन्तरक)
पत्नी श्री जी० ए० खयूम, नं० 19
पद्मशाले किच्चैया लेन अक्किपेट,
बंगलूर।

2. (1) श्री मोहिदीन पटेल (अन्तरिती)

(2) शाहुल हमीद (3) एस० पी० मोहम्मद मीरान (4) एस० पी० मोहम्मद हुसैन (स्व० इस्मैल शाहबन्दी पटेल के पुत्र)

नं० 120 बलेपेट, बंगलूर-560053

3. (1) एम० अबूबकर (2) पी० ए० कुई मोहम्मद (3) पी० के० मूसा (4) के० एस० नाजिर अहम्मद (5) सैद अली (6) पी० एम० अबू हाजी (7) अबू कट्टी (8) सी० अब्दुल्ला (9) खालिद (10) के० ए० अबूबकर (11) अब्दुल जब्बार (12) बी० पी० मूसा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3725/75-76 ता० 30-1-76)

गृह सम्पत्ति नं० 19 (पुराना नं० 8) पद्मशाला किच्चैया लेन (अक्किपेट), बंगलूर में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : उत्तरी भाग : 38'7" } 1900 वर्गफीट
दक्षिणी भाग : 30' }

उत्तर से दक्षिण : 55'. 4 1/2"

गृह क्षेत्र : 19 स्कोयर्स

सीमाएं :—

पूर्व : पद्मशाले किच्चैया लेन

पश्चिम : निजी सम्पत्ति

उत्तर : निजी सम्पत्ति

दक्षिण : कोणसर्वेन्सी लेन।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 3-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अगस्त 1976

निवेदन सं० सी० आर० 62/5668/75-76/ए०सी०क्यू०/-
बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 164 है, तथा जो दंडुपालय गांव, होसकोटे
तालुका, बंगलूर जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
होसकोटे, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 17-1-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :-

8—286 जी०आई०/76

1. श्री बी० अनिराजुलु नायडु (अन्तरक)
सपुत्र श्री बी० वेंकटस्वामी नायडु
नं० 1044 बीपो० होसकोटे,
बंगलूर जिला
2. मैसर्स प्रीमियर सिल्कस नं० 6/1 (अन्तरिती)
क्लब रोड, रेस कोर्स,
कोयमुत्तूर-18ए
प्रतिनिधि : ए० आर० जगन्नाथन,
साक्षेदार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3627/75-76 ता० 17-1-76)

परिवर्तित जमीन—सब नं० 164 दंडुपालय गांव (पुराना
मद्रास रोड) कसबा होब्ली, होसकोटे तालुका, बंगलूर जिला।

कुल क्षत्रफल : 4 एकड़ 37 1/2 गुण्टास

सीमाएं :

पूर्व : शानभोग वेंकटसुब्बय्या की जमीन।

पश्चिम : मारप्पा व नारायणप्पा की जमीन।

व भीगी जमीन-शानभोग वेंकटसुब्बय्या की।

उत्तर : दासप्पा की जमीन

दक्षिण : पुराना मद्रास रोड (नेशनल हाई वे नं० 4)

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 3-8-1976

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 3 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी आर 62/5673/75-76/एक्यू/बी—यतः
मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 136/1367-10 है, तथा जो तालूक आफीस
रोड, आनेकल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आनेकल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 19-1-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री वै० रुद्रप्पा सपुत्र स्व० यजमान राजप्पा (2)
रुद्रप्पा (3) सुशीला (4) तारकेश्वरी (स्व० यजमान

राजप्पा के अल्पवयस्कों का प्रतिनिधि : वै रुद्रप्पा),
मुनिवीरप्पा कोलनी, आनेकल टाउन, बंगलूर
ज़िला। (अन्तरक)

- (2) श्रीमती एच० गौरम्मा पत्नी पुट्टशंकरप्पा दोड्ड-
बीडि, आनेकल टाउन, बंगलूर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्ता वेज 2053/75-76 ता० 19-1-76]

गृह व खाली अवस्थान—कोतेवाला भूखण्ड नं० 136/
1367-10 तालूक आफीस रोड, आनेकल टाउन, बंगलूर
ज़िला

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 50' }

3000 वर्गफीट

उत्तर से दक्षिण : 60'

गृह क्षेत्र :

पूर्व से पश्चिम : 50' }

1650 वर्गफीट

उत्तर से दक्षिण : 33' }

सीमाएं :

पूर्व : ठूकानें व खाली अवस्थान चिक्कहोसहल्ली
पटेल मुनिस्वामय्या की

पश्चिम : म्युनिसिपल रोड

उत्तर : शिवरुद्रय्या की झोंपड़ी

दक्षिण : सैन रोड

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर,

तारीख : 3-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी आर 62/5682/75-76/एक्यू/बी—यतः

मुख्य आर० कृष्णमूर्ति सहायक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 1193/12, ए ब्लॉक है, तथा जो VI मैन
रोड II स्टेज, राजाजी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री वैकटप्पा नं० 1819 II स्टेज, राजाजी नगर,
बंगलूर-10 (अन्तरक)

(2) श्री बी० जी० चन्नबसप्पा बसवपटना गांव, चन्नगिरि
तालूका शिमोगा जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4456/75-76 दिनांक 19-1-1976)

गृह—अवस्थान नं० 1193/1205 'ए' ब्लॉक VI मैन रोड,
II स्टेज, राजाजीनगर, बंगलूर -10 पर स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल:

$$\frac{50' + 50' \times 29' + 30'}{2} = 1500 \text{ वर्गफीट}$$

गृह क्षेत्र: 12 स्कोयर्स—आर० सी० सी० का
मीमाएं:

पूर्व: सड़क

पश्चिम: अवस्थान नं० 1167

उत्तर: सड़क

दक्षिण: अवस्थान नं० 1194

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 15 जुलाई 1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी आर 62/5684/75-76—यतः मुझे आर०

कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 98 है, तथा जो यशवन्तपुर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच० सी० शंकरप्पा सपुत्र श्री एच० के० चेल्लय्या नं० 1147 I कास, विवेकानन्दा रोड, अशोकनगर, मंडया शहर। (अन्तरक)

(2) श्री ए० एम० साम्युल्ला सपुत्र श्री एम० एम० अमानुल्ला नं० 19/4 I कास रोड, जयमहल एक्सटेंशन, बंगलूर-46 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 4524/75-76 ता० 21-1-1976)

सूची जमीन—सर्वे नं० 98 यशवन्तपुर, चल्ता नं० 10 सिटी सर्वे, बंगलूर, औद्योगिक काम के लिए परिवर्तित । अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 136'
उत्तर से दक्षिण : 200' (पश्चिमी भाग)
उत्तर से दक्षिण : 160' (पूर्वी भाग)

—2274.19 वर्ग मीटर/24480 वर्ग फीट ।

सीमाएं :

पूर्व : श्री बी० टी० पार्थसारथी व श्रीमति वन जाक्षम्मा की जमीन

पश्चिम : श्रीमति परमेश्वरी देवी की जमीन

उत्तर : रेलवे संपत्ति

दक्षिण : बंगलूर-तुमकूर रोड

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर 62/5685/75-76/एक्यू/बी—यतः

मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 234 है, तथा जो III मैन रोड, महालक्ष्मी ले आउट, राजाजी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिका-री के कार्यालय, राजाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 जनवरी 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एच० बी० सुब्बराय प्रसाद सपुत्र स्व० एच० बैकटरामय्या नं० 29 शिवनहल्ली, II ब्लॉक, राजाजी नगर, बंगलूर-10

(अन्तरक)

(2) श्री के० त्रिविक्रम राव सपुत्र कृष्ण पै नं० 24 I फ़ास श्री रामपुरम एक्सटेशन, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4569/76 दिनांक 24 जनवरी 1976)

कोनेवाला खाली अवस्थान सी० ए० टी० बी० नं० 234 (डि० नं० 17) मैन रोड, महालक्ष्मी ले आउट, राजाजी नगर, बंगलूर-10 (डि० नं० 2)

अवस्थान क्षेत्रफल:

पूर्व से पश्चिम: 50' } 2400 वर्गफुट/266 2/3
उत्तर से दक्षिण: 60, } वर्ग यार्ड्स

सीमाएं:

उत्तर: सड़क

दक्षिण: अवस्थान नं० 233

पूर्व: अवस्थान नं० 235

पश्चिम: सड़क

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 15 जनवरी 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी आर० 62/5686/75-76/ए०सी०क्यू०बी—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 982/30 है, तथा जो II मैन रोड, IV
ब्लाक, राजाजी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
दायित्व में कमी करने या उससे बचने
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती (1) बि० ए० अनुसूया (चलुवप्पा की
पुत्री) पत्नी श्री बी० बी० अनन्त
नं० 29, इब्बिल रोड (के० एच० रोड), बंगलूर-27
(2) सी० मनाक्षी (चलुवप्पा की पुत्री) पत्नी
श्री एस० बसवराज, रुद्रप्रसाद, हाई ग्रीण्डस,
बंगलूर-1. (अन्तरक)

(2) श्रीमती धनलक्ष्मी पत्नी सिद्दलिंगय्या नं० 974-ए
IV ब्लाक, राजाजी नगर, बंगलूर—10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4597/75-76 दिनांक 29-1-76)

खाली अवस्थान नं० 982/30 (सी० ए० टी० बी०
नं० 982) II मैन रोड, IV ब्लाक राजाजी नगर, बंगलूर-10
अवस्थान क्षेत्रफल:—

पूर्व से पश्चिम : 85' } 3825 वर्गफीट
उत्तर से दक्षिण : 45' }

सीमाएं :

पूर्व : कोणसर्वेन्सी लेन
पश्चिम : सड़क
उत्तर : अवस्थान नं० 983
दक्षिण : अवस्थान नं० 981

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 15 जुलाई 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5690/75-76/एक्यू/बी—यतः,

मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 1496 है, तथा जो VIII मैन रोड ए० ब्लॉक, राजाजी नगर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती होन्नप्पा पत्नी श्री मुदप्पा अरे बोम्मनहल्ल नेलमंगला तालुका, बंगलूर जिला (अन्तरक)

(2) श्री जी० सी० होन्नप्पा सपुत्र श्री चिक्कन्ना, नं० 156 मिल्क कोलोनी सुब्रह्मण्य नगर, बंगलूर-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 4624/75-76, दिनांक 21-1-1976]

खाली सिटी इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट बोर्ड अवस्थान नं० 1496 (कारपोरेशन नं० 1496/80) (डिविजन नं० 3), VIII मैन 'ए' ब्लॉक, II स्टेज, राजाजी नगर, बंगलूर—10

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 40' }
उत्तर से दक्षिण : 50' } 2000 वर्गफीट

सीमाएं :

उत्तर : अवस्थान नं० 1497

दक्षिण : अवस्थान नं० 1495

पूर्व : अवस्थान नं० 1544

पश्चिम : सड़क

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर,

तारीख : 15 जुलाई 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी आर 62/5766/75-76/एक्यू/बी—यसः,
मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 1031, 1032 (नया नं० 7, 7/1) है, तथा जो विनोबा रोड, देवराज मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री (1) बी० रामचन्द्र राव, नं० 175, V ब्लॉक जयनगर, बंगलूर-41

(2) एन० बी० कृष्णमूर्ति, 19/3 मूडलप्पा कास, सुशीला रोड, दोडुमावल्ली, बंगलूर

(3) एन० वी० सत्यनारायणराव, बन्दूकल भवन, सवरकर बाल भवन, थिदीपा, (म० प्र०)

(4) एन० बी० जगन्नाथ राव, असिस्टेंट प्रोफेसर, कृषि कालेज, धारवाड

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्वप्न श्रीकान्त पत्नी श्री श्रीकान्त, नं० 87, 'शिव कृपा' II मैन रोड, यादवगिरी, मैसूर-2

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स मोडर्न वाच कं० (2) मोडर्न वाच रिपयर्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधि भोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3292/75-76, दिनांक 19-1-76]

गृह नं० 1031, 1032 (नया नं० 7 व 7/1) विनोबा रोड, देवराज मोहल्ला, मैसूर शहर

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 18' }
उत्तर से दक्षिण : 66' } 1188 वर्ग फीट

गृह क्षेत्र : 18' × 56' = 1008 वर्गफीट

सीमाएं :

पूर्व : कन्य का परमेश्वरी मंदिर की दूकान
पश्चिम : नं० 8 श्री एन० के० सुब्बय्या का घर
दक्षिण : गृह नं० 1001-आनन्वगिरि गौसियका
उत्तर : विनोबा रोड

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5767/एक्यू०/बी—यतः मुझे, आर० कृष्णभूति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 128/एम आई है, तथा जो II क्रास, फौटन रोड, बन्नीमंडप एक्सटेंशन, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-1-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डा० पी० वी० राजमन्नार सपुत्र स्व० श्री पी० वेंकटरमण राव नं० 9 विक्टोरिया क्रेसेन्ट रोड, एम्मूर, मद्रास—600008। (अन्तरक)
2. श्रीमती उदय लक्ष्मी राणी पत्नी श्री सी० जानकी राम नं० 29 चित्रस्वामि मुदलियार रोड, टास्कर टाउन, बंगलूर-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3341/75-76 दिनांक 22-1-76)

गृह सहित जमीन नं० 128/एम आई, II क्रास फौटन रोड, बन्नी मंडप एक्सटेंशन, मंडी मोहल्ला, मैसूर।

अवस्थान क्षेत्रफल :

उत्तर : 120' 3"

पूर्व : 70' 11"

दक्षिण : 120' 3"

पश्चिम : 70' 6"

— 8520 वर्गफीट

गृह क्षेत्र : 12 स्कोयर्स

सीमाएं :

उत्तर : अवस्थान नं० 128/एम आई ए

पूर्व : सड़क

दक्षिण : अवस्थान नं० 127 व 129

पश्चिम : सड़क।

आर० कृष्णभूति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 12 अगस्त 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी आर 62/5770/75-76/एक्यू०/वी—यतः,
मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकार को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 2989 (नया नं० 41) है, तथा जो II मैन रोड, देवराज मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 जनवरी 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एम० जी० रंगय्या व एम० आर० गुण्डु राव नं० 51 राष्ट्रीय विद्यालय रोड, बसवंगुडी, बंगलूर-4 (अन्तरक)
- (2) श्री के० महादेव पुत्र केचैगौडा चिकित्सक, नं० 2989 (नया नं० 41 II मैन रोड, बी० बी० पुरम देवराज मोहल्ला, मैसूर-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3388/75-76 दिनांक 28 जनवरी 76]
गृह संपत्ति नं० 2989 (नया नं० 41), II मैन रोड देवराज मोहल्ला, बी० बी० पुरम, मैसूर-2
अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : } 80'
उत्तर से दक्षिण : } 150' 12000 वर्ग फीट

सीमाएं :

पूर्व : वक्कलिगारा हास्टल
पश्चिम : एम० जी० रंगय्या का घर
उत्तर : कोप्सर्वेन्सी लेन
दक्षिण : II मैन रोड

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13 अगस्त 1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी आर 62/5826/75-76/एसीक्यू/बी—यतः
मुख्य आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 66 है, तथा जो चगला हट्टी गांव, जाला होब्ली, देवनाहल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवनाहल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बचत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गौरम्मा पत्नी स्व० बी० बी० गुण्डप्पा
उर्फ गुण्डू राव, टी० एस० ए० नं० 3, दस्तावेय
एक्सटेंशन, गविपुरम गुट्टहल्ली, बंगलूर-19
(अन्तरक)

(2) मैसर्स तरलबालु कोआपरेटिव इंडस्ट्रियल सोसाइटी
प्रतिनिधि : एम० बसवराजप्पा नं० 341 राज-
महल विलास एक्सटेंशन, बंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जै भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3307/75-76 दिनांक 12-2-1976]
औद्योगिक जमीन—8 एकड़, 14 गुण्डास—सर्वे नं० 66 चगलाहट्टी गांव, जाला होब्ली, देवनाहल्ली तालूका बंगलूर जिला में स्थित।

सीमाएं :

पूर्व : मावेनहल्ली पल्ले
पश्चिम : जमीन बी० आर० रामचन्द्र राव की
उत्तर : श्रीमती संजीवम्मा की जमीन
दक्षिण : श्री वसन्तम्मा की जमीन

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 4 अगस्त 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4-8-76

निर्देश सं० सी आर 62/5827/75-76/ए सी यू/बी—
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 67 है तथा जो चगलाटी गाँव जाला होब्ली, देवनहल्ली तालूका में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवनहल्ली, बंगलूर जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 फरवरी 1976 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रष्ट प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री (1) वसन्तय्या पुत्र स्व० वेंकटरामय्या (2) सी० वी० वेंकटरामु (3) सी० वी० द्वारकीनाथ (4) विश्वनाथ (5) कु० प्रभामणी (6) कु० रमा राणी (7) कु० पद्मलता (8) श्रीमती लक्ष्मम्मा पत्नी श्री वसन्तय्या (9) श्रीमती जयलक्ष्मम्मा पुत्री वसन्तय्या व पत्नी श्री कृष्णमूर्ति, नं०-11, गविपुरम, बंगलूर

(अन्तरक)

(2) तरलबालु कोआपरेटिव इन्डस्ट्रियल सोसाइटी लि० 341 राजमहल विलास एक्सटेंशन, बंगलूर-6
प्रतिनिधि : एम० बसवराजप्पा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3308/75-76 दिनांक 12-2-1976)

परिवर्तित औद्योगिक जमीन-7 एकड़-24 गुण्टास—
सर्वे नं० 67 चगलाटी विल्लेज, जाला होब्ली, देवनहल्ली तालूका, बंगलूर जिला में स्थित।

सीमाएं :

पूर्व : मरेनहल्ली यल्ले

पश्चिम : बी० रामचन्द्र राव की जमीन

उत्तर : श्रीमती गौरम्मा की जमीन

दक्षिण : सोन्नपनहल्ली यल्ले।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 4 अगस्त 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बलुभाई मगनभाई

2. श्री ठाकोर भाई बलुभाई

3. श्री जगुभाई बलुभाई गौरालाबाडी, कतारगाम, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अरविन्द भाई परागभाई पटेल 2. विनोदभाई परागभाई पटेल सैयदपुरा, काठिया शेरी, सूत (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निदेश सं० 469/ए सी क्यू-23-682/19-7/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 442, फाईनल प्लॉट नं० 447 टी० पी० एस० नं० 3 प्लॉट नं० 8 है, जो कतारगाम, ता० चोरासी, जिला सूत में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 442 फाईनल प्लॉट नं० 447, टी० पी० एस० नं० 3, सब-प्लॉट नं० 8 तथा कुल माप 974 वर्ग गज है और जो कतारगाम, ता० चोरासी, जिला सूत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 92 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निर्देश नं० 470/एसीक्यू० 23-864/19-7/75-76--
अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 442 फाइनल प्लॉट नं० 447
टी० पी० एस० नं० 3 प्लॉट नं० 1, है तथा जो कतारगाम, ता०
चोरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री बलुभाई मगनभाई 2. ठाकोरभाई बलु भाई
3. जगु भाई बलुभाई गोराहावाडी, कतारगाम,
सूरत । (अन्तरक)

(2) श्री प्रानजीवनदास मोतीराम भगत भगतलाख,
नटराज एपार्टमेंट्स, सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 442 फाइनल प्लॉट नं०
447 टी० पी० एस० नं० 3, सब प्लॉट नं० 1, कुल माप
1000 वर्ग गज है तथा जो कतारगाम, ता० चोरासी, जिला
सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के
जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 85 में प्रदर्शित
है ।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निदेश नं० 471/ए सी क्यू० 23-865/19-7/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 442 फाइनल प्लॉट नं० 447 टी० पी० एन० नं० 3, प्लॉट नं० 2 है, तथा जो कतारगाम, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बलुभाई मगनभाई, 2. ठाकोर भाई बलुभाई 3. जगुभाई बलुभाई, गोराडा वाडी, कतारगाम, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री जयंतिलाल धरमचन्द शेठवाला तथा अन्य, नवापुरा धन्स शेरी, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 442 फाइनल प्लॉट नं० 447, टी० पी० एन० नं० 3 सब प्लॉट नं० 2 तथा कुल माप 737 वर्ग गज है तथा जो कतारगाम ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 86 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निदेश नं० 472/एसीक्यू० 23-866/19-7/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 442 फाइनल प्लॉट नं० 447 टी० पी० एस० नं० 3 प्लॉट नं० 3 है, जो कतारगाम, ता० चोरासी, जिला सूरत नमें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बलुभाई मगनभाई, ठाकोर भाई बलुभाई जगुभाई बलुभाई, गोटाडा वाडी, कतारगाम, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) अरविदभाई जेकिसन दास तथा अन्य नवांपुरा धांची शेरी, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 442 फाइनल प्लॉट नं० 447 टी० पी० एस० नं० 3, सब प्लॉट नं० 3 कुल माप 447 वर्ग गज है तथा जो कतारगाम, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 87 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 20 सितम्बर 1976

निदेश नं० 473/एसीक्यू० 23-867/19-7/75-76—
अतः मुझे पी० एन० मित्तल !

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिस की सं० 442, फाइनल प्लॉट नं० 447
टी० पी० एस० नं० 3 प्लॉट नं० 4 है, जो कतार गाम,
ता- चोरासी जिला सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी
1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10-286G1/76

(1) बलुभाई मगनभाई
ठाकोरभाई बलुभाई
जगुभाई बलुभाई
गोटाडा वाडी, कतारगाम, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पूर्णिमा बेन बिपिन चन्द्र तथा अन्य
बेगमपुरा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टिगत किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 442 फाइनल प्लॉट नं० 447
टी० पी० एस० नं० 3, सब प्लॉट नं० 4 कुल माप 811
वर्ग गज है तथा जो कतारगाम, ता० चोरासी, जिला सूरत
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी
1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 88 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निर्देश नं० 474/एसी ब्यू० 23-868/19-7/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 442 फाइनल प्लॉट नं० 447 टी० पी० एस० नं० 3 प्लॉट नं० 5 है, जो कतारगाम, ता० चोरासी, जिला सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलुभाई मगनभाई
ठाकोरभाई बलुभाई
जगुभाई बलुभाई
गोटाडा वाडी, कतारगाम, सुरत

(अन्तरक)

(2) इन्द्रवदन मगनलाल तथा अन्य रानी तलाब,
मेन रोड, सुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 442 फाइनल प्लॉट नं० 447 टी० एस० पी० नं० 3, सब प्लॉट नं० 5 कुल माप 734 वर्ग गज है तथा जो कतारगाम, ता० चोरासी जिला सुरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुरत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 89 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निदेश नं० 475/एसीक्यू 23-869/19-7/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 442 फाइनल प्लोट नं० 447 टी० पी० एस० नं० प्लोट नं० 6 है, तथा जो कतारगाम, ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलुभाई मगनभाई

ठाकोर भाई बलुभाई

जगुभाई बलुभाई

गोटाडा बाडी, कतारगाम, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीमतीबेन जितेन्द्र मोदी, नटराज

एपार्टमेन्टस, भगतलाव, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 442 फाइनल प्लोट नं० 447 टी० पी० एस० नं० 3, सब प्लोट नं० 6 कुल माप 797 वर्ग गज है तथा जो कतारगाम, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 90 में प्रदर्शित है

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निदेश नं० 476/एसीक्यू० 23-870/19-7/75-76—

अतः मुझे, पी० एन० मित्रल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 442 फाइल प्लोट नं० 447 टी० पी० एस० नं० 3 प्लोट नं० 7 है, तथा जो कतार गाम, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्री बलुभाई मगनभाई
ठाकोरभाई बलुभाई
जगुभाई बलुभाई
गोटाडा वादी, कतारगाम, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसवंतीबेन हीरालाल सोपारीवाला तथा
अन्य, जामा बाजार, हाथी फालिया, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 442 फाइल प्लोट नं० 447 टी० पी० एस० नं० 3 सब प्लोट नं० 7 कुल भाग 812 वर्ग गज है तथा जो कतारगाम, ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 91 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्रल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रारूप आई टी० एन० एस०—

1. मैसर्स पैराडाईज हाउसिंग एन्ड लेन्ड डेवलेपमेंट कारपोरेशन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 सितम्बर 1976

निदेश सं० 70-बी(ए)/अर्जन—अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 13 1/3 विस्वा है तथा जो कि नया बांस परगना दादरी जिला बुलन्दशहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-2-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

2. पैराडाईज कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि० द्वारा श्री वृजभान शर्मा खरीददार के

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 804, 0-13-13 1/3 इत्यादि जो कि नया बांस परगना दादरी जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 8 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 सितम्बर 1976

निदेश नं० 70-बी(बी)/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नम्बर 52012-10-0- आदि है तथा जो कि बास परगना दादरी जिला बुलन्दशहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स पैराडाइज हाउसिंग एन्ड लैंड डेवलपमेंट कारपोरेशन (अन्तरक)

(2) पैराडाइज न्यू कोआपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लि० (अन्तरिती)

(3) खरीदार के (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 520, 2-10-0 इत्यादि जो कि ग्राम नया बास परगना दादरी जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 8 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8-सितम्बर-1976

निर्देश सं० 70-बी(सी)/ अर्जन--अतः, मुझे, अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 605, 0-6-6 आदि है तथा जो
कि ग्राम नया बांस परगना दादरी जिला बुलन्दशहर में
स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 26 फरवरी 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. पैराडाइज हाउसिंग एन्ड लैंड डवलपमेंट कारपो-
रेशन (अन्तरक)

2. पैराडाइज न्यू कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग
सोसायटी लि० (अन्तरिती)

3. खरीददार के
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि नम्बर 605, 0-6-6 आदि जो कि ग्राम नया बांस
परगना दादरी जिला बुलन्दशहर में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 8 सितम्बर 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अब्दुल रहमान खान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री जावेन्द्र सिंह एवं अन्य

(अन्तरिती)

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

3. विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 7 सितम्बर 1976

निदेश नं० 38-5/एक्यू०,—अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 119 है तथा जो कि उदैपुर कटैया पर० तह० एवं जिला शाहजहांपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहजहांपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूची में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अराजी भूमिधर्म खसरा नं० 119 रकबई जो कि उदैपुर कटैया परगना, तहसील एवं जिला शाहजहांपुर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 7-9-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निदेश नं० 39-जे/अर्जन—अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की संख्या मकान नं० 58/88 है तथा जो कि टैगोर टाउन, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—286 जी०आई०/76

1. श्री वीरेश्वर मुकर्जी

(अन्तरक)

2. श्रीमती जयवंती देवी

(अन्तरिती)

3. बिक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 58/88, जो कि टैगोर टाउन इलाहाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 14 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री मंगलदास चौरसिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 सितम्बर 1976

निदेश नं० 40-जे/अर्जन—अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की संख्या मकान नं० 1408/1-2 है तथा जो कि मो० पुरानी कोतवाली बसन्ही बाजार मिर्जापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसन्ही बाजार मिर्जापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती जयदेवी एवं अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 1408/1-2, जो कि मोहल्ला पुरानी कोतवाली बसन्ही बाजार, जिला मिर्जापुर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक : 15 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री मंगल दास चौरसिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री जग नारायण एव अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 सितम्बर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 1408/ 1-2 जो कि पुरानी कोतवाली
बसनेही बाजार, जिला मिर्जापुर में स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 15 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 सितम्बर 1976

निवेश नं० 59-के/अर्जन—अतः, मुझे अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 56 है तथा जो कि शिवचरन लाल रोड, बहादुरगंज इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधे श्याम जयसवाल

(अन्तरक)

2. श्री कन्हैया लाल गुप्ता एव अन्य

(अन्तरिती)

3. किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 56 जो कि शिवचरन लाल मार्ग, बहादुरगंज इलाहाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 7 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई टी एन एस०-----

(1) श्री नन्दकिशोर प्रह्लादका

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री काशी मुमुक्षु भवन सभा यस्टर्ग द्वारा
द्वारा श्री पुरुषोत्तम दास मोदी विक्रेता
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश नं० 60-के/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख,
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सख्या जमीन बन्दोबस्ती नं० 2342/1-30 आदि
है तथा जो कि मो० दुर्गाकुण्ड परगना देहात अमानत जिला वाराणसी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16
फरवरी 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तःको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका बन्दोबस्ती नं० 2342/1-30, आदि हैं
जो कि मोहल्ला दुर्गाकुण्ड, परगना देहात अमानत जिला
वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 13 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ओम प्रकाश जयसवाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) किशन सक्सेना

(अन्तरिती)

(3) जेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 सितम्बर 1976

निदेश न० 61-ऐ/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 47-सी है तथा जो कि सी० बार्ड, चिन्ता मनी मार्ग जार्ज टाउन इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 फरवरी 1976 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 47-सी जो कि सी० बार्ड—चिन्तामनी मार्ग, जार्ज टाउन, इलाहाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक 17 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ग्रोम प्रकाश जयसवाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कलावती

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्रीमती कलावती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 17 सितम्बर 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 62-के/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सख्या मकान न० 47-सी० है तथा जो कि
सी० वाई० चिन्तामणी मार्ग जार्ज टाउन इलाहाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
13 फरवरी 1976

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

एक मकान न० 47-सी० जो कि सी० वाई० चिन्तामनी
मार्ग, जार्ज टाउन, इलाहाबाद में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त, अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 17 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 63-के/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि नं० 26III/3 आदि है तथा जो कि ग्राम नबाब नगर निकट पटवाई तहसील शाहाबाद जिला रामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शकूरन विधवा अब्दुल अजीज
(अन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह एवं अन्य
(अन्तरिती)

(3) शकूरन (बिन्नेता)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई अन्य नहीं
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुल 29III/3 पु० जो कि ग्राम नबाब नगर निकट पटवाई तहसील शाहाबाद जिला रामपुर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 22 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर, 1976

निदेश सं० 64-के/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि रथवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि नं० 26III/3 आदि है तथा जो कि ग्राम नवाबनगर निकट पटवाई तहसील शाहाबाद जिला रामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-2-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—286 जी आई/76

1. श्रीमती तोफीकन विघवा अब्दुल अजीज (अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह एवं अन्य (अन्तरिती)

3. श्रीमती तोफीकन
(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)4. कोई अन्य नहीं
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुल 29III/3 पु० जोकि ग्राम नवाब नगर निकट पटवाई तहसील शाहाबाद जिला रामपुर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री शेख मजरुल हक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 86-एम/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या दो मंजिला मकान है तथा जो कि चंदौसी मो० कागजी तह० बिलारी जिला मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय चंदौसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री मोहम्मद जहीरुल इस्लाम एवं अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

!

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान जो कि चंदौसी मोहल्ला कागजी तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-9-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 सितम्बर, 1976

निर्देश नं० 20-एन/अर्जन—अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या भवन नं० 194 है तथा जो कि नयागंज कस्बा खुर्जा जैन बाग मन्दिर बुलन्दशहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री यशपाल बाघवा एवं अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती नरेन्द्र कुमारी (अन्तरिती)
3. श्री यशपाल एवं सत्यावन्ती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. कोई नहीं (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भवन नं० 194, सर्वहितकारी इन्डस्ट्रीज के नाम से जोकि नयागंज कस्बा खुर्जा जैन बाग मन्दिर जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-9-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 सितम्बर 1976

निर्देश नं० 55-पी/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 453 बार्ड 1 है तथा जो कि पांडे बाजार नरहरिया ताया पंडिया परगनाबस्ती पूरव पोस्ट पुरानी बस्ती तह० ब जिला बस्ती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बस्ती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदनलाल एवं अन्य

(अन्तरक)

2. मैसर्स जगेसर राम राम नारायण
मालिक पटेश्वरी प्रसाद

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 453 बार्ड नं० 1 जो कि पांडे बाजार नरहरिया ताया पंडिया मजकूर, तह० ब जिला बस्ती में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री राम चन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री रतन लाल

(अन्तरिती)

3. श्री राम चन

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश नं० 103-आर/एसीक्यू०—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

11

और जिसकी संख्या जमीन नं० 1 II/2 आदि है, तथा जो कि मौजा फैजाबाद रिठावली परगना अगौठा जिला बुलन्दशहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11

जमीन जिसकी माप 1 II/2 आदि है जो कि मौजा फैजाबाद रिठावली परगना अगौठा, जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

प्रूप० आई टी० एन० एस०---

1. श्रीमती अलका देवी एवं अन्य (अन्तरक)
2. श्री राज नरायन मेहरोत्रा (अन्तरिती)
3. बिक्रेता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 सितम्बर, 1976

निदेश नं० 104-आर/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या मकान नं० 34/64 है तथा जो कि मो० लाहोरीबेला सरस्वती फाटक वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० सी० के० 34/44 जो कि मोहल्ला लाहोरी बेला सरस्वती फाटक, वाराणसी में स्थित है।

(अमर सिंह बिसेन)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-9-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 सितम्बर 1976

निदेश नं० 105-आर/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी संख्या मकान नं० 49 है तथा जो कि मोहल्ला चक इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्री मथुरा प्रसाद एवं अन्य

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र प्रसाद मित्तल

(अन्तरिती)

3. विक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 49, जो कि मोहल्ला चक इलाहाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 सितम्बर 1976

निदेश नं० 106-आर/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 352/1 है तथा जो कि मो० राजेन्द्र नगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० एस० संगल एवं अन्य

(अन्तरक)

2. श्री रमा मित्रा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 352/1, जोकि मो० राजेन्द्र नगर, लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 20-9-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 सितम्बर 1976

निर्देश नं० 132-एस०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि नं० 1295/1f2 इत्यादि है तथा जो कि कटरी परसोला डा० परसोला पर० व तह० बिलग्राम जिला हरदोई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलग्राम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिलियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—286 जी आई/76

1. श्री रूपनारायन

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी

(अन्तरिती)

3. विक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बरी $\frac{1295}{1f2}$ व $\frac{1297}{1 III f2}$ इत्यादि

जो कि कटरी परसोला डा० परसोला परगना व तहसील बिलग्राम जिला हरदोई में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

तारीख : 7-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 सितम्बर 1976

निर्देश नं० 133-एस०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 92/59 है तथा जो कि लाटूश रोड (नया गांव) लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात् :—

1. श्री देवेन्द्र नाथ रस्तोगी (अन्तरक)
2. श्रीमती शकुन्तला अग्रवाल (अन्तरिती)
3. श्री देवेन्द्र नाथ रस्तोगी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत मय भूमि नं० 92/59 जो कि लाटूश रोड (नया गांव) लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 सितम्बर 1976

निर्देश नं० 134-एस०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 47/3 है तथा जो कि कबीर मार्ग बले स्कवायर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बिमला देवी मिश्रा (अन्तरक)
2. श्रीमती सूती बाई (अन्तरिती)
3. श्रीमती सती बाई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 47/3, जो कि कबीर मार्ग (बले स्कवायर) लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-9-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 सितम्बर 1976

निदेश नं० ए० पी० 1623—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जलन्धर
शहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामजी दास सपुत्र श्री राम चन्द,
अली (मोहल्ला डब्ल्यू० एफ० 147
जलन्धर शहर।

(अन्तरक)

2. श्री लाजपत राय, श्रीम प्रकाश, सतपाल
सपुत्र श्री पुष्पमल्ल,
(2) श्रीमती राजरानी पत्नी श्री
लाजपतराय, सरारानी पत्नी अविनास,
प्रेमबाला पत्नी श्री सतपाल, दवारा श्री
लाजपत राय डैन्टल सर्जन, बाजार
शेखा, जलन्धर शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9042 फरवरी
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 27 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 सितम्बर, 1976

निदेश नं० 1624-यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा खवाजु होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पृथ्वीनाथ अलीभास, पृथ्वीनाथ सपुत्र श्री निहाल चन्द सपुत्र श्री ठाकर दास ए-1-14, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (अन्तरक)
2. किशन चन्द सपुत्र श्री चिन्त राम सपुत्र श्री माया मल्ल (2) राम गोपाल सपुत्र श्री श्रोम प्रकाश सपुत्र श्री कृष्ण चंद जगत पुरा, होशियारपुर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3959 फरवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

(रवीन्द्र कुमार)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 27 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 सितम्बर, 1976

निर्देश नं० ए० पी-1625—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में है तथा जो खवाजु,
होशियारपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्री पृथी नाथ अलीशाम, पृथ्वीनाथ
सुपुत्र श्री निहाल चन्द सुपुत्र श्री
ठाकर दास ऐ-1-14, कृष्णनगर,
दिल्ली-51। (अन्तरक)

2. श्री गुलाब राय सुपुत्र श्री त्रिलोक सिंह
सुपुत्र श्री सन्त लाल रेलवे मण्डी
होशियारपुर (2) श्रीमती जमान
रानी पत्नी श्री दौलत राम सुपुत्र श्री
गोविन्द राम, प्रेम गढ़, होशियारपुर
(3) मोहन सिंह सुपुत्र श्री भानसिंह
सुपुत्र श्री धनैया सिंह, भारवन रोड,
होशियारपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2962 फरवरी 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है, जो कि
8 कनाल 19 मरले बसी खवाजु में है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, जालन्धर

तारीख : 27-9-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 सितम्बर 1976

निर्देश न० 20-पी०-1626—यतः भुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में है तथा जो
चौहारबाग जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गौतम चोपड़ा सपुत्र श्री दुर्गा दास
चोपड़ा, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्रीमती रमेश आनन्द पत्नी श्री अविनाश
आनन्द ई० जे० 241, चौहारबाग, जलन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8939 फरवरी
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 27-9-76

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल 76-77/712—
अतः मुझे, बी० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रखावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों; को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सी० के० मुकुन्द (2)
श्रीमती आर० बारसीबाला—गोल्डन
कानं कम्पनी द्वारा पावर आफ एटर्नी
केप्टन नगीन दास शाह पुत्र श्री
शान्तीलाल शाह निवासी बाम्बे
वर्तमान निवासी इन्दौर। (अन्तरक)
2. फर्मतगीन नगर इन्दौर, द्वारा पावर
आफ एटर्नी श्री रेखब चन्द्र पुत्र
श्री गेंदालाल निवासी,
ई, शिवविलास पैलेस, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रखावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 211/1, 6.42 एकड़ भूमि जो कि ग्राम सिरपुर, तह० इन्दौर में स्थित है।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 20-9-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्सी/भोपाल 76-77/713--
अतः, मुझे, श्री० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम
कहा गया है।

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 6-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्णव :—

14—286 जी० आई०/76

1. श्री रसिक नगीन दास शाह द्वारा पावर
आफ एटर्नी थी के० नगीन दास शाह,
पुत्र श्री शान्ती भाई शाह निवासी
बाम्बे।

(अन्तरक)

2. फर्म नगीन नगर इन्दौर द्वारा पार्टनर
श्री शेर सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह जी
निवासी शिव विलास पैलेस, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 139/3 क्षेत्रफल 4.89 एकड़ जोकि
ग्राम सिरपुर, इन्दौर में स्थित है।

श्री० के० सिन्हा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 20-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर, 1976

निदेश सं० आई०ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/714—

अतः मुझे वी० के० सिन्हा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री कहेया लाल उर्फ कनी लाल गोरदिया (2) श्री गुलाब एम शाह पार्टनर पार्टनर गोल्डन ऐंड गैल्च द्वारा पावर आफ एटर्नी श्री नगीन दास पुत्र श्री श्याम जी भाई शाह निवासी बाम्बे। (अन्तरक)

2. नगीन नगर इन्दौर द्वारा पार्टनर श्री शेरसिंह पुत्र श्री जीवन सिंह निवासी शिव विलास पैलेस, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 139/2 और 139/1 (भाग)
6.97 एकड़ भूमि जो कि ग्राम सिरपुर, इन्दौर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निदेश सं० आई० ऐं० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/715—
अतः मुझे वी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-2-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ऐं० वाई० ताम्हणे (ग्राममुखतार),
नन्दलाल भंडारी मिल्स लि०, माल
गोदाम रोड, इन्दौर। (अन्तरक)
 2. श्रीमती निर्मल वाई पत्नी श्री भंवर सिंह
जी भंडारी निवासी 1, स्नेहलता गंज,
इन्दौर। (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसिपल मकान न० 1, देवी अहिसामार्ग, (स्नेहलता गंज), इन्दौर। क्षेत्रफल 12361 वर्ग फुट।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 20-9-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल—76-77/718—

अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती अमीना बाई पत्नी श्री मोह० हुसैन भाई (2) श्री हकीम उद्दीन (3) श्री यूसुफ अली (4) अब्दुल हुसैन (5) श्रीमति हसीना बाई तथा (6) श्रीमति रशीदा बाई पुत्री श्री मोह० हुसैन भाई द्वारा बादशाह कैमीकल्स, जवाहर मार्ग, इन्दौर । (अन्तरक)

2. (1) श्री ताहिर अली पुत्र श्री रसूल भाई (2) श्रीमति फातिमा बाई पत्नी श्री ताहिर अली (3) श्री अकबर अली पुत्र श्री ताहिर अली (4) श्री सफदर अली पुत्र श्री ताहिर अली सभी निवासी हकीम की चाल, बड़वाली चौक इन्दौर (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुला प्लॉट नं० 934, रत नं० 2, स्क्रीम नं० 66, जवाहर मार्ग, इन्दौर ।

वि० कु० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-9-1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी० भोपाल—अतः, मुझे,
बी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो उज्जैन में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 20-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बालाराम पु० श्री दयाराम भाली, एग्रीकल्चरिस्ट,
माली पुरा, उज्जैन (अन्तरक)

2. फर्म मेसर्स मेहता एण्ड क० उज्जैन, 22, लक्ष्मी बाई मार्ग,
देवास गेट, उज्जैन द्वारा पाटनर, 1, बसंत पुत्र लक्ष्मण राव जी
गुमास्ता निवासी देवासगेट उज्जैन, 2 श्री नरेन्द्रा कुमार पुत्र
रघुनाथ सिंह जी, नामु निवासी धन्नीवाड़ा उज्जैन, 3 श्रीमती राम-
कुमारी बाई पत्नी हनुमचंद जी निवासी आर्य समाज मार्ग उज्जैन ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खेती बाड़ी जमीन सर्वे नं० 1731, 1734 1912, 1735,
1914/2 स्थिति करबा, उज्जैन ।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/720—
अत/ मुझे, वी० के० सिल्ला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन व बिल्डिंग है, जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विलकिस ए० एन० खां पत्नी श्री स्व० ए० एन० खाँ निवासी गुलमोहर मुरार, ग्वालियर (अन्तरक)

2. रोमन कैथेलिक डायसेस झांसी, 64, कन्टोनमेन्ट झांसी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन तथा बिल्डिंग जो कि ठंडी सड़क मुरार में स्थित है ।
कुल क्षेत्रफल 2.288 हेक्टेयर, एक मंजिला बिल्डिंग का क्षेत्रफल 7500 वर्गफीट ।

वि० के० सिल्ला
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 24-9-76 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/716---
अतः, मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमति रानी रमाकुमारी पत्नी ले० कर्नल सुबर्ना रामशेर जंग बाहुर राना निवासी नेपाल, वर्तमान निवासी 18, एम० जी० रोड, इन्दौर ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सत्यवती पति श्री दर्शन लाल डाबर निवासी सरदारपुरा, उज्जैन ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट का पश्चिमी आधा भाग, मेन प्लॉक नं० 5, बियरिंग नं० 18, जो कि एम० जी० रोड इन्दौर, में स्थित है।

वि० के० सिन्हा,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/717—

अतः, मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-8-76।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति रानी रामा कुमारी पति ले० कर्नल सुबनी शमशेर जंग बहादुर राना, निवासी नेपाल वर्तमान निवासी 18, एम० जी० रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सत्यवती पति श्री दर्शन लाल डाबर निवासी सरदार पुरा, उज्जैन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट का पूर्वी भाग ब्लॉक न० 5, बियरिंग न० 18, जो कि एम० जी० रोड, इन्दौर में स्थित है।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-9-1976

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 22nd September 1976

No. A.12019/6/74-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission notification of even number dated the 2nd March 1976, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri B. S. Jain, a permanent Selection Grade Officer of the C.S.S.S. cadre of the Union Public Service Commission and officiating as Section Officer on deputation from the C.S.S.S. cadre in the Commission's Office to officiate, on an *ad hoc* basis, as Special Assistant to Chairman, for a further period of six months w.e.f. 1st September 1976 or until further orders, whichever is earlier.

Shri B. S. Jain will be on deputation to an ex-cadre post of Special Assistant to the Chairman, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E.III/60, dated the 4th May 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Chairman

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 15th September 1976

No. A.32014/1/76-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 60 days from 2nd September 1976 to 31st October 1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 52 days from 2nd September 1976 to 23rd October 1976 or until further orders, whichever is earlier.

The 16th September 1976

No. A.12025(ii)/1/75-Admn.III.—In partial modification of this office notification number A.32014/1/76-Admn.III, dated the 20th August 1976 and in pursuance of the cabinet Secretariat (D.O.P. & A.R.) O.M. No. 5/32/76-CS(I), dated the 31st July 1976, the President is pleased to appoint Shri P. D. Srivastava, a permanent Assistant of the CSS cadre of the Union Public Service Commission and officiating as Section Officer in the same cadre on short-term basis, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from 16th August 1976 on provisional basis, until further orders.

2. The appointment of Shri Srivastava as Section Officer is subject to any decision that may be given by the Delhi High Court in Writ Petition CW No. 1122/75 in the case of Shri Joginder Lal Sawhney Vs. Union of India.

No. A.12025(ii)/1/75-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) O.M. No. 5/32/76-CS(I), dated the 31st July, 1976, the President is pleased to appoint Shri Kashmiri Lal, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the U.P.S.C., to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from the forenoon of 27th August 1976 on provisional basis, until further orders.

2. The appointment of Shri Kashmiri Lal as Section Officer is subject to any decision that may be given by the Delhi High Court in Writ Petition CW No. 1122/75 in the case of Shri Joginder Lal Sawhney Vs. Union of India.

No. A.12025(ii)/1/75-Admn.III.—Consequent on his nomination to the Ministry of Home Affairs on the basis of the Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination 1975, Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission appointed to officiate as Section Officer with effect from the forenoon of 2nd August 1976 *vide* this Office Notification of even 15—286GI/76

number dated 13th August 1976, has been relieved of his duties in the Commission's Office with effect from the afternoon of 16th August 1976.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

New Delhi, the 3rd September 1976

No. A.32013/2/76-Admn.I.—Shri Gyan Prakash, an officer of the Indian Economic Service, working as Under Secretary in the Union Public Service Commission, is appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of 3 months with effect from 9th August 1976 to 8th November 1976 (both days inclusive) or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32013/33/76-Admn.I.—Shri M. S. Thanvi, an officer of the Indian Revenues Service (Income-tax), working as Under Secretary in the Union Public Service Commission, is appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of 3 months with effect from 9th August 1976 to 8th November 1976 (both days inclusive) or until further orders, whichever is earlier.

A. N. KOLHATKAR, Under Secy.
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL
C.B.I.

New Delhi, the 17th September 1976

No. A-19014/1/76-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Nigam, a permanent Section Officer of the Cadre of the Ministry of Communication to officiate as Administrative Officer in the C.B.I./SPE/Head Office New Delhi with effect from the afternoon of 10th September 1976, until further orders.

K. K. PURI
Dy Director (Admn.)
CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE
FORCE

New Delhi-110001, the 17th September 1976

No. O-II-1042/76-Estt.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. Nibaran Mohanty, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on *ad hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 30th August 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS

Dewas (MP), the 14th September 1976

F. No. BNP/C/57/75.—In continuation of this Department's Notification of even number dated 30th October 1975, the appointment of Shri R. K. Mehrotra as Assistant Engineer (Electrical) in the Bank Note Press, Dewas (MP) on standard deputation terms is extended for a period of one year with effect from 28th October 1976 (F.N.).

F. No. BNP/C/72/74.—In continuation of this Department's Notification No. BNP/C/72/74 dated 29th July 1975 the appointment of Shri R. V. K. Chari as Assistant Engineer (Civil) in Bank Note Press, Dewas on standard Deputation terms, is extended upto 31st Jan. 1977.

D. C. MUKHERJEE,
General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 14th September 1976

No. PF.7(36)/6051.—Further to this office notification No. 7(36)/3834, dated 24th June 1975, P.F. 7(36)/10023, dated 23rd December 1975 and No. 7(36)/13145, dated 26th March 1976, Shri S. T. Shirsat is allowed to continue in the post of Fire Officer on an *ad hoc* basis for a further period upto 28th February 1977 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

R. VISWANATHAN,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior-474002, the 17th September 1976

No. Admn. I/347.—The Accountant General, Madhya Pradesh-I, has been pleased to appoint the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity from the dates mentioned against each name which are the actual dates of taking over charge:—

1. Shri D. V. Joshi	(02/0202)	30-8-76 Forenoon
2. Shri N. G. Kibe	(02/0204)	14-7-76 Forenoon
3. Shri B. L. Sanghi	(02/0205)	2-8-76 Afternoon
4. Shri D. K. Mittal	(02/0206)	16-8-76 Forenoon
5. Shri K. A. Charulu	(02/0208)	31-8-76 Forenoon
6. Shri K. P. Mehrotra	(02/0209)	12-8-76 Forenoon
7. Shri K. S. Bajpayee	(02/0210)	8-9-76 Forenoon
8. Shri Girish Chandra Kulshrestha	(02/0211)	7-9-76 Afternoon

Sd/- ILLEGIBLE
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, U.P.-I

Allahabad, the 28th September 1976

No. G. D. Branch/Group-D/845.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Kesho Ram, Peon, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of publication of this notice or as the case may be tendered to him.

U. RAMACHANDRA RAO,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 15th September 1976

No. 71/76/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri S. N. Sinha, Permt. Officer Supervisor retired from service with effect from 31st December 1975 (A/N).

No. 71/76/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri B. B. Chatterjee, Offg Sr. DADGOF (Permt. DADGOF) retired from service with effect from 29th February 1976 (A/N).

M. P. R. PILLAI,
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 14th September 1976

No. 2A(2)76-Adm.I/19212.—Shri Kuldip Kumar Sharma has been appointed as Assistant Director of Mines Safety in the Directorate-General of Mines Safety on probation for two years with effect from the forenoon of 5th August 1976.

Sd/- ILLEGIBLE
Director General of Mines Safety

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 21st September 1976

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/88/54-Admn(G)/5923.—The President is pleased to permit Shri J. Shankar, an officer of the Selection Grade of the CSS and Joint Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi, to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st August 1976.

The 23rd September 1976

No. 6/575/59-Admn(G)/5996.—Shri R. Venkataraman, a temporary Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras expired on 24th July 1976.

A. S. GILL,
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 20th September 1976

No. 18(1)/75-76/CLB-II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely :

In the Table appended to the said Notification, after Serial No. 25, the following entry shall be made under column Nos. 1, 2, 3 and 4, namely :—

1	2	3	4
"26	The Development Commi- ssioner Kandla Free Trade Zone, Gandhidham.	Kandla Free Trade Zone	6, 6C, 7A 8 and 8A"

No. CLBI/1/6G/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLBI/1/6G/71, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, after Serial No. 27, in the columns 1, 2, 3 and 4, the following entries shall be added, namely :—

1	2	3	4
"28	The Development Commi- ssioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham.	Kandla Free Trade Trade Zone	12(6), 12(6A) 12(7A), 12 (7AA), 12C and 12E

G. S. BHARGAVA,
Joint Textile Commissioner

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 17th September 1976

No. 12/741/72-Admn(G).—On the expiry of the period of deputation with Small Industry Development Organisation, Shri Samir Banerjee, relinquished charge of the post of

Accounts Officer at Small Industries Service Institute, Calcutta on the afternoon of 20-7-1976.

No. A.19018(253)/76-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri D. D. Mane officiating Small Industry Promotion Officer, in the Small Industries Service Institute, Bombay to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Small Industries Service Institute, Bombay, on an *ad-hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 21-6-1976.

No. A.19108/248/76-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri K. S. Govindarajan, Small Industry Promotion Officer, in the Small Industries Service Institute, Bangalore to officiate as Asstt. Director (Gr. II) in the Small Industries, Service Institute, Kanpur on *ad-hoc* basis. He assumed charge as Asstt. Director (Gr. II) in the forenoon of 24-7-76 at SISI, Kanpur.

V. VENKATRAYULU
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 9th September 1976

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE, in the entry "PERMAFLO-3" the words and figures "for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1977" shall be deleted.

I. N. MURTY,
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 16th September 1976

No. A-1/1(1043).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri B. S. Mathur, Junior Field Officer in the Directorate of Supplies and Disposals, Kanpur to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate at Kanpur with effect from the forenoon of 1st September, 1976 and until further orders.

2. The appointment of Shri Mathur as Asstt. Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI,
Dy. Dir. (Admn.)
for Director General, Supplies and Disposals

New Delhi-1, the 17th September 1976

No. A-1/1(697).—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri J. K. Shrivastava, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 3rd September, 1976.

2. On acceptance of his resignation Shri J. K. Shrivastava relinquished charge of the post of Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 3rd September, 1976.

The 20th September 1976

No. A-1/2(435).—The President is pleased to appoint Shri H. S. Mathur, Section Officer of the Central Secretariat Service in the Dte. General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Asstt. Director (Lit.) (Gr. I) in the same Dte. General at New Delhi with effect

from the forenoon of 10th September, 1976 and upto 31-12-76 or till such time the post of AD(Lit.) (Gr. I) is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 15th September 1976

No. 9/58/C/19-B.—The following Senior Technical Assistants (Geophysics), Geological Survey of India, are appointed by the Director General, Geological Survey of India, as Assistant Geophysicists in the Geological Survey of India on promotion and pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in officiating capacities with effect from the date shown against each, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri D. N. Lahkar	22-6-1976 (FN)
2.	Shri M. R. Verma	15-6-1976 (FN)
3.	Shri Salil Kumar Datta	17-6-1976 (FN)
4.	Shri P. K. Aich	15-6-1976 (FN)
5.	Shri M. Venkateswarlu	18-6-1976 (FN)
6.	Shri Virendra Mohan	16-6-1976 (FN)
7.	Shri R.P. Ojha	15-6-1976 (AN)
8.	Shri A. R. Kumar	15-6-1976 (FN)
9.	Shri Arun Kumar Bedi	15-6-1976 (FN)

No. 2339(MVR)/19B.—Shri M. Venkateshwar Rao, M. Sc. (Tech.) is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of 5th July, 1976, until further orders.

S. V. P. IYENGAR,
Dy. Dir. General (Hqrs.)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th September 1976

No. 6(63)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Ch. Prasada Rao, Transmission Executive, All India Radio, Visakhapatnam as Programme Executive, All India Radio, Jagdalpur in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the 31st August, 1976 and until further orders.

The 21st September 1976

No. 6(61)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. D. Bhatia, Transmission Executive, All India Radio, Chandigarh as Programme Executive, All India Radio, Chandigarh in a temporary capacity on an *ad-hoc* basis with effect from the 16th August, 1976 and until further orders.

P. K. SINHA,
Dy. Dir. of Admn.
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 16th September 1976

No. 9/43/49-Est.I.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri K. F. Mistry, Permanent Assistant Cameraman and Officiating Cameraman in the Films Division, Bombay, retired from service with effect from the afternoon of the 31st August, 1976.

M. K. JAIN,
Admn. Officer
for Chief Producer

**DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY**

New Delhi, the 17th September 1976

No. A.12026/4/75-Est.I.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri T. Suryanarayan, Officiating Accounts Officer in the A. G. Gujarat Ahmedabad, to officiate as Accounts Officer in this Directorate with effect from the forenoon of the 12th August, 1976, until further orders.

A. N. CHHIBBER,
Section Officer
for Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th September 1976

CORRIGENDUM

No. 30-4/74-CGHS I.—In this Directorate Notification No. 30-4/74-CGHS I dated 27-7-1976, the date of appointment of Dr. B. M. Wadikhaye as Homoeopathic Physician in C.G.H.S. be read as 22nd March, 1976 in place of 2nd March, 1976.

R. K. JINDAL,
Dy. Dir. Admn. (CGHS)

New Delhi, the 23rd September 1976

No. A.12022/1/76-(CSSS)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Jai Kumar, a Grade II Stenographer belonging to the Cadre of the Ministry of Health and Family Planning, to the post of Senior Personal Assistant (Grade I of the Central Secretariat Stenographers' Service) in the Directorate General of Health Services for a period of three months with effect from the forenoon of 20th August, 1976.

S. P. JINDAL,
Deputy Director (Administration)

New Delhi, the 23rd September 1976

No. A.31013/2/76-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Ogale in a substantive capacity to the post of Drugs Inspector, Central Drugs Standard Control Organisation, North Zone, Ghaziabad, with effect from the 1st July, 1976.

S. S. GOTHOSKAR,
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-400 085, the 16th September 1976

No. 5/1/76/Est.II/2678.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Raghuvir Dwarkanath Chawathe, officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer (Hindi) for the period from 13-4-1976

to 15-5-1976 vice Shri C. D. Singh, Asstt. Personnel Officer (Hindi) granted leave.

S. KRISHNAMURTHY,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 26th August 1976

No. 10/5 (28)/76-CED (H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint the undermentioned officers in the Civil Engineering Division of the Department of Space as Engineer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the date indicated against each until further orders :—

Sl. No.	Name	Post held at present	Date of appointment as Engineer SB
1	2	3	4
1.	Shri M. Arunachalam	Foreman	1-1-76
2.	Shri P. Babu Rao	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
3.	Shri S. N. Iyengar	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
4.	Shri D. D. Kannikar	Foreman	1-1-76
5.	Shri N. Krishna Rao	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
6.	Shri K. Madhu Rao	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
7.	Shri A. S. Mudliar	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
8.	Shri N. Narasimha Raju	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
9.	Shri T. Rama Moorthy	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
10.	Shri G. C. Saha Roy	Supervisor (Tech. Asstt. C)	
11.	Shri V. K. Sankaran	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
12.	Shri P. Shangmugham	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
13.	Shri Y. Sitaramudu	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
14.	Shri K. Thiyagarajan	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
15.	Shri R. Valakrishnan	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
16.	Shri B. Venkataramana Achar	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
17.	Shri P. Venkateswarlu	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-1-76
18.	Shri S. V. Ramana Rao	Supervisor (Tech. Asstt. C)	2-2-76

No. 10/5 (28)/76-CED (H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint the undermentioned officers in the Civil Engineering Division of the Department of Space as Engineer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the date indicated against each until further orders :—

Sl. No.	Name	Post held at present	Date of appointment as Engineer SB
1	2	3	4
1.	Shri R. Anantha Raman	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
2.	Shri Appi Reddy	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
3.	Shri E. Arunkumar	Foreman	1-7-76
4.	Shri M. Bhimasena	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
5.	Shri C. Lakshmaiah Chetty	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
6.	Shri K. Krishnan Kutty Nair	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
7.	Shri P. Murugan	Foreman	1-7-76
8.	Shri D. Nagabhushanam	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
9.	Shri P. Samba Siva Sastry	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
10.	Shri P. S. Sankara Narayanan	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
11.	Shri C. S. Shivashankar Rao	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
12.	Shri N. Sreeramulu	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
13.	Shri P. G. Suguna Sekaran	Supervisor (Tech. Asstt. C)	1-7-76
14.	Shri J. Venkatanarayanan	Foreman	1-7-76

P. I. U. NAMBIAR,
Administrative Officer II
for Chief Engineer

Vikram Sarabhai Space Centre

Trivandrum-695022, the 13th September 1976

No. VSSC/EST/01-37.—The Director, VSSC, hereby appoints the following Officers in VSSC, Department of Space as Scientist/Engineer SB in an officiating Capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of the dates shown against each and until further orders :—

S. No.	Name	Designation	Div.	w.e.f.
1.	Shri V. Achuthan Nair	Sci/Engr SB	ELS	1-7-76
2.	Shri N. Subramanian	Sci/Engr SB	FRP	1-7-76
3.	Shri A. Madhavan	Sci/Engr SB	PED	1-7-76
4.	Shri P. K. Narendranathan	Sci/Engr SB	PED	1-7-76
5.	Shri P. M. Varkey	Sci/Engr SB	PED	1-7-76
6.	Shri G. Jayamohan	Sci/Engr SB	PSN	1-1-76
7.	Shri George Thomas	Sci/Engr SB	SPD	1-7-76
8.	Shri M. S. Anantha Nat-arajan	Sci/Engr SB	STR	28-4-75
9.	Shri Sankar Patel	Sci/Engr SB	GSS	1-1-75
10.	Shri T. K. Laxman	Sci/Engr SB	Vikas	10-1-76
11.	Shri T. Muthuchamy	Sci/Engr SB	Vikas	15-5-75

K. S. NAIR,
Sr. Admn. Officer,
for Director

Trivandrum-695022, the 13th September 1976

VSSC/EST/01-37.—Consequent on the conversion of the Indian Space Research Organisation into a Government body with effect 1st April, 1975, Shri M. Krishnamoorthy is appointed to the post of Scientist/Engineer SB with effect from 1st April, 1975, in the Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum.

RAJAN V GEORGE,
Admn. Officer-II
for Director

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 17th September 1976

No. E(I)04193.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. K. Bhowmik, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 20-8-76 to 16-11-1976.

Shri Bhowmik, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)04264.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Ashesh Ghosh, Prof. Assistant, office of the Director Regional Meteorological Central, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 20-8-1976 to 16-11-1976.

Shri Ashesh Ghosh, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)05773.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. M. Saxena, Prof. Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 17-8-76 to 13-11-76.

Shri R. M. Saxena, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

The 18th September 1976

No. E(I)04107.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Banerjee, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 20-8-1976 to 16-11-1976.

Shri Banerjee, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

The 20th September 1976

No. E(I)04255.—The director General of Observatories hereby appoints Shri N. B. Ghosh, Prof. Assistant Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 20-8-76 to 16-11-76.

Shri Ghosh, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)05131.—In continuation of this Department Notification No. E(I)05131 dated 11-8-76, the Director General of Observatories hereby appoints Shri S. R. Seshadri, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras to officiate as Assistant Meteorologist for a further period of 10 days with effect from the forenoon of 11-9-76 to 20-9-76.

Shri Seshadri, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

New Delhi-3, the 20th September 1976

No. E(1)06754.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. Rangachary, Professional Assistant, C.W.C., Visakhapatnam, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 2-9-76 to 29-11-76.

Shri Rangachary, Officiating Assistant Meteorological, remains posted to the C.W.C. Visakhapatnam, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

G. R. GUPTA,
Meteorologist
for Director General of Observatories

New Delhi-3, the 20th September 1976

No. E(1)04249.—On attaining the age of superannuation, Shri C. Sivaraman, Officiating Assistant Meteorologist, office of the Director, Agricultural Meteorology, Poona, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1976.

No. E(1)04270.—On attaining the age of superannuation, Shri H. S. Raghavacharya, officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1976.

M. R. N. Manian,
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110022, the 21st September 1976

No. A.32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri D. C. Sarkar, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Calcutta to the grade of Assistant Technical Officer in an officiating capacity and until further orders with effect from the 16th August, 1976 and to post him at the same station.

No. A.32014/2/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. Rajagopalan, Communication Assistant Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Communication Officer on *ad-hoc* basis with effect from the 31st August, 1976 and to post him at the same station *vice* Shri S. Sankaranarayanan, Assistant Communication Officer granted earned leave with effect from the 17-8-1976.

V. V. JOHRI,
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 18th September 1976

No. 1/416/76-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri T. K. Chowdhary, Officiating Technical Assistant, Switching Complex Bombay as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 4-7-76 to 12-8-76 (both days inclusive), against a short-time vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY,
Administrative Officer
for Director General

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, (M.P.), the 22nd September 1976

No. 51.—On his transfer from Nagpur Collectorate, Shri B. P. Rekhde, Superintendent of Central Excise Class-II, took over charge as District Opium Officer, Partabgarh in

the forenoon of 7th August, 1975 *vice* Shri Santokh Singh transferred. This is in supersession of this Department Notification No. 26, dated 17-9-75.

A. SHANKER,
Narcotics Commissioner of India

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 16th September 1976

No. A-19012/611/76-Admn.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri R. K. Datta, Design Assistant as Extra Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the forenoon of 23rd July, 1976, until further orders.

Shri R. K. Datta assumed charge of the office of Extra Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Engineer in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH,
Under Secretary,
For Chairman, C.W. Commission

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1 the 17th September 1976

No. 66-SV (2)/75.—The Director General of Shipping hereby appoints the following temporary Officers as Regional Officer (Sails) in a substantive capacity with effect from the dates noted against each :—

S. No.	N a m e	Date from which confirmed
1.	Shri F. L. Kazi	1-7-1968
2.	Shri K. C. Subramanian	22-6-1970
3.	Shri J M. Oza	30-9-1972

S. M. OCHANEY,
Deputy Director General of Shipping,
for Director General of Shipping

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 18th September 1976

1. E/283/III/130 PV(O).—Dr. S. K. Chakraborty, Asstt. Medical Officer (Class II) is appointed to officiate in Sr. scale purely on *ad hoc* measure as District Medical Officer with effect from 2nd June 1976.

2. E/283/III/128 PIII(O).—Shri K. K. Dutta, Asstt. Elec. Engineer (Cl. II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on *ad hoc* measure as District Elec. Engineer with effect from 7th June 1976.

3. E/283/82 PX(O).—Shri K. M. Rumba, Asstt. Traffic Supdt. (Cl. II) appointed to officiate in Sr. scale purely on *ad hoc* measure as Divisional Safety Officer with effect from 6th July 1976.

4. E/283/III/54 PVIII(O).—Shri M. M. Hannif, SS (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Production Engineer with effect from 7th July 1976.

5. F/283/III/30 Pt. VI(O).—Shri P. C. Roy Mahashaya, Asstt. Personnel Officer (Class II) is appointed to officiate in Sr. scale as Divisional Personnel Officer with effect from 17th July 1976.

6. PNO/AD/66/215 Pt.IV.—Shri Ajit Kumar Ghosh, Section Officer (Cl. III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Divisional Accounts Officer w.e.f. 23rd July 1976.

H. L. VERMA,
General Manager

Pandu, the 17th September 1976

No. E/55/III/96(O).—Shri K. K. Dutta is confirmed in Class II service as Assistant Electrical Engineer with effect from 1st June 1976.

G. H. KESWANI,
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Sathivathi Transports Ltd.*

Madras-6, the September 1976

No. DN/4524/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of SATHIAVATHI TRANSPORTS PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
K.G.P. Transports Private Ltd.*

Madras-6, the September 1976

No. DN/4615/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of K.G.P. TRANSPORTS PRIVATE LIMITED unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Thiruvapur Transports Private Ltd.*

Madras-6, the September 1976

No. DN/4652/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of THIRUVAPUR TRANSPORTS PRIVATE LIMITED unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Insulux India Ltd.*

Madras-6, the September 1976

No. DN/5033/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of INSULUX INDIA LIMITED unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Kanchan Chit Fund Pvt. Ltd.*

Madras-6, the September 1976

No. DN/5041/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of KANCHAN CHIT FUND PRIVATE LIMITED unless

cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Mansa Ganesh Chamber of Commerce Ltd. (In Liquidation)*

Jullundur, the 15th September 1976

No. Stat/2181/L/560/7281.—Whereas Mansa Ganesh Chamber of Commerce Limited (In Liquidation) having its registered office at Mansa Distt. Bhatinda is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that liquidations statements of accounts required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section 4 of Section 560 of Companies Act, 1956. Notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Mansa Ganesh Chamber of Commerce Limited (In Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

KRISHAN KUMAR
Registrar of Companies, Punjab,
Himachal Pradesh & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Venkateswara Tiles Private Limited*

Hyderabad, the 15th September 1976

No. 1254/T(560).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of VENKATESWARA TILES PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Aditya Holdings Limited, Kanchanjunga (7th Floor)
18, Barakhamba Road, New Delhi*

New Delhi, the 18th September 1976

No. 6747/16953.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of ADITYA HOLDINGS LIMITED Kanchanjunga (7th Floor) 18, Barakhamba Road, New Delhi, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. K. ARORA
Asstt. Registrar of Companies, Delhi.

*In the matter of the companies Act, 1956 and of
The Utkal Luxmi Corporation Private Ltd.*

Cuttack, the 18th September 1976

No. 215/76-2058(2).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of The Utkal Luxmi Corporation Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Lakhota Industries Private Ltd.*

Cuttack, the 18th September 1976

No. 426/76-2057(2).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Lakhota Industries Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. R. DAS
Registrar of Companies, Orissa

NOTICE UNDER SECTION 445(2)

*In the matter of the Companies Act, 1956 M/S Patel
Benefit Pvt. Ltd.*

Ahmedabad-380009, the 21st September 1976

No. 1278/Liquidation.—By an order dated 9th February 1976 of High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 55 of 1975, it has been ordered to wind up M/S Patel Benefit Pvt. Ltd.

J. G. GATHA
Registrar of Companies, Gujarat

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th September 1976

Ref. No. Acq. File. No. 365.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 98/2 and 97/5 situated at Seetharamapuram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on 23-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—286 GI/76

1. M/s Bommidala Purnaiah General Power of Attorney Agent Sri Bommidala Kasi Viswanadham, Guntur on behalf of :—

- (1) B. Purnaiah
- (2) B. Narayanamurthy
- (3) B. Bhanumurthy
- (4) B. K. Viswanadham
- (5) B. Krishnamurthy

(Transferor)

2. Bommidala Bros Ltd., Guntur Represented by Mg. Director Sri Bommidala Bhanumurthy, Guntur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 254/76 registered before the Sub-Registrar, Ongole during the fortnight ended 29-2-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Roberts Mclean & Co. Ltd.
27B, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE V,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 22nd September 1976

Ref. No. AC-28/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza Sukchar, Khardah Dist-24-Pgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Electrosteel Castings Ltd.
4, Dalhousie Square East, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 23 Bigha 16 cottahs 11 chittaks 38 sft. situated at Mouza Sukchar and Khardah, P. S. Khardah, Dist. 24 Pgs. more particularly as per deed No. 1-49 dated 6-1-1976.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V, Calcutta-16.

Date : 22-9-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Shridhar Paranjpe & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ganpat Babu Gurav & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 17th September 1976

Ref. No. AR.V./571/10/76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 22 pt., C.S.No. 1253 pt situated at Mouje Kanjur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the piece or parcel of land or ground or hereditaments situate lying and being at Mouje Kanjur, Taluka Kurla, Bombay Suburban District, in the Registration Sub-District of Bombay, formerly known as Sub-District of Bandra, bearing the following description as per Sanad issued by City Survey, B.S.D.

Survey No.	C. S. No.	Area	
		Sq. yds.	Sq. mtrs.
22 pt.	1253 pt.	3443	2878

Together with chawl, bearing No. N-1538(1) 126 part, Kanjur village, bounded as follows :

On or towards East—

By property bearing S.No. 20, CS No. 1258.

On or Towards West—

By the property of the Purchasers, purchased from these vendors.

On or towards North—

By Survey No. 23, C.S.No. 1254 partly by 1255 and 1252.

On or towards South—

By Survey No. 22, Hissa No. 2, C.S.No. 1260.

Together with paths, passages, trees, streams, rights, of ways, rights of easements and all the rights appertaining thereto without reservation of any rights.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 17-9-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) Shri Ramchandra Sitaram Bhawe,
(2) Shri Ganesh Sitaram Bhawe, Chiplun, Distt. Ratnagiri.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Dr. Suhas Ramkrishna Redij, Chiplun, Distt. Ratnagiri.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD
POONA-411004

Poona-411004, the 20th September 1976

Ref. No. C.A.5/Chiplun/Jan'76/302.—Whereas, I, V. S. GAITONDE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 153A, House Mun. No. 827 situated at Chiplun, Distt. Ratnagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chiplun on January 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House plot No. 827 in Survey No. 153A at Chiplun, with two storeyed building with furniture and goods of lodging. Area 0.7 Gunthas—freehold.

(Property as described in the document of transfer registered in the office of the Sub-Registrar, Chiplun, under No. 339 of January 1976.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

V. S. GAITONDE,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 20-9-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) Svs. Sant Bir Singh, Shiv Bir Singh and Amar Bir Singh sons of S. Attar Singh r/o S-6, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001.

New Delhi-1, the 22nd September 1976

- (2) (1) Smt. Mahesh Kumari w/o Sh. Amrit Lal Batra
(2) Master Sanjay Kumar Batra s/o Amrit Lal Batra through his father and natural guardian Sh. Amrit Lal Batra.
(3) Sh. Davinder Kumar Batra s/o Sh. Dharam Vir Batra.
(4) Narinder Kumar Batra s/o Sh. Dharam Vir Batra through his brother and Attorney Sh. Davinder Kumar Batra all r/o A/38, NDSF Part II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two free-hold plots of land No. 27 and 28 in C-Block in the residential colony known as N.D.S.F. Part II, New Delhi admeasuring 333 sq. yds. each i.e. in all 666 sq. yds. or thereabout alongwith two and a half storeyed pucca house built thereon.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-1976

Seal :

Ref. No. IAC/Acq.III/SRIII/Jan./488(7)/75-76.—

Whereas, I, S. C. PARIJA

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27 and 28, in Block C situated at N.D.S.F. Part II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 28-1-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 30th September 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/1058/Jan I(1).—Whereas I. B. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3, situated at Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rai and Sons (P) Ltd., through Shri Ranjit Rai son of Shri Aftab Rai, Managing Director of the Company r/o 3, Prithvi Raj Road, New Delhi and Shri Hari Deva, Secretary of the Company).
(Transferor)

- (2) 1. Shri Sardar Harcharan Singh Dugal,
2. Miss Surinder Kaur Dugal, d/o Sardar Harcharan Singh Dugal.
3. Shri Paramjit Singh Dugal son of Sardar Harcharan Singh Dugal.
4. M/s Green Properties (India) Pvt. Ltd.,
5. M/s Dugal Properties (P) Ltd., all r/o 3-B, Golf Links, New Delhi.
6. Sardarni Jagjit Kaur Chopra w/o Maj. Gen. Mohinder Singh Chopra (Retired) r/o E-2, Defence Colony, New Delhi.
7. M/s Uttam Singh Dugal & Sons (Construction) Pvt. Ltd., of 3-A, Golf Links, New Delhi.
8. M/s Priestley Dugal & Co. (India) Pvt. Ltd., of 11, Marina Arcade, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5000 sq. yds. (more or less) out of Bungalow No. 3, Prithvi Raj Road, New Delhi facing on Ratendon Road, further bounded and butted on the south of the main Ratendon Road on the North of the Compound of the remaining portion of bungalow No. 3, Prithvi Raj Road, as also the tubewell of the Vendor fitted in the remaining portion of bungalow No. 3, Prithvi Raj Road as also servant quarters of the remaining portion of the Bungalow No. 3, Prithvi Raj Road, on the East by pacca boundary wall between the old bungalow No. 3 and bungalow No. 5 Prithvi Raj Road and on the West by pacca boundary wall existing between the old Bungalow No. 3 and Bungalow No. 1, Prithvi Raj Road New Delhi and No. 50 Ratendon Road, New Delhi.

B. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 30-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001.

New Delhi-1, the 23rd September 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1224/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7-B (1/2 share) building No. 4345, Gali No. 4 at Madan Mohan Street, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Iqbal Krishan Saxena
2. Sh. Rajinder Mohan Saxena,
3. Sh. Onkar Nath Saxena
4. Sh. Gopal Krishan Saxena sons of Shri Dina Nath Saxena r/o 4345 Madan Mohan Street, 4 Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mannu Lal Jain s/o Sh. Budh Sain Jain r/o 7/13-B Darya Ganj, Delhi.
2. Sh. Chuttan Lal Jain s/o Sh. Manphool Singh r/o 333 Kucha Mirashique, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferee)

- (3) M/s Rhinko Agencies Corporation. (Tenant)
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house with the land underneath measuring about 150 sq. yds. bearing plot No. 7-B which is half portion of building No. 4345 situated at Madan Mohan Street, Gali No. 4 Ansari Road, Darya Ganj, Delhi-110006 and bounded as under :—

East—Building No. 4346

West—Remaining portion of building No. 4345

North—Road 15'

South—Other property

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 23-9-1976

Seal :

FORM ITNS--

(1) Shri Phlad Singh & Sh. Tej Ram sons of Shri Hukam Singh residents of Village Karawal Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001.

New Delhi-1, the 23rd September 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1222/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 21 Mustkil No. 48 situated at Mauza Karawal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Delhi in February 1976

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Lakshmi Land & Finance Co. (Regd) D-16 Cinema Block, Krishan Nagar, Delhi 51.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 21 Mustakil No. 48 measuring totally 4 bighas and 16 biswas situated in Mauza Karwal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 23-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001.

New Delhi-1. the 23rd September 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1223/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Khasra No. 22 Mustkil No. 48 situated at Mauza Karawal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—286 GI/76

(1) Shri Pahlad Singh & Sh. Tej Ram sons of Shri Hukam Singh residents of Village Karawal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Lakshmi Land & Finance Co. (Regd.) D-16, Cinema Block, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 22 Mustkil No. 48 measuring totally 4 bighas and 16 biswas situated in Mauza Karawal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 23-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/703.—Whereas, I. V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land Kh. No. 95, 226, and 14, Total 14.62 acres land situated at Bir, Teh. Khandwa situated at Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 27-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Mohanlal S/o Devidas Agrawal Bir,
2. Smt. Kaisarbai
Wd/o Shri Harnarain Agarwal Bir
3. Shri Ghanshyamlas
S/o Shri Harnarain Agrawal Mahajan
R/o Bir, Teh. Khandwa.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Premchand S/o Shri Channulalji Soni
R/o Teh. Bir, Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 95, 226 and 14 Total 14.62 Acres land situated at Bir, Teh. Khandwa.

V. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Seth Tribhuwandas
S/o Seth Ballabhdas Gujrati Patel
R/o Yevla, Distt. Nasik, Maharashtra—Power of
Attorney Sakarchand Murlidhar Patel,
R/o Yevla, Nasik, Maharashtra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/704/—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Godowns, Office rooms and other houses of Ginning and Processing Factory at Bir situated at Bir (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 21-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) M/s Kamal Trading Co. Ginning & Processing
Factory, Bir, Distt. Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Godowns, Office rooms and other houses of Ginning & Processing Factory at Bir.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shri Ratan S/o Shri Vishambarnath Agrawal
R/o Karaj Bazar Nagar, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Bhopal, the 10th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/705.—Whereas, 1,
V. K. Sinha,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
(hereinafter referred to as the said Act)
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land & Building on plot No. 252/2, Lalbagh,
Burhanpur situated at Burhanpur
(and more fully
described in the schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
officer at Burhanpur on 12-1-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922,
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(2) M/s. Om Khandsari Sugar Factory, Lal Bagh Bur-
hanpur Director (1) Shri Shambhodyal S/o Dwa-
rakadas Agrawal R/o 19/5, Snehlata Ganj, Indore
(2) Shri Gopaladas S/o Shri Bawarlal Agarwala R/o
Jamnalal Bajaj Road, Dhulia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building on plot No. 252/2, Lalbagh Burhanpur.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 10-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Hazarilal S/o late Shri Parmanand Saraf, 2. Shri Vishnudayal, 3. Shri Beharilal S/o Shri Hazarilal R/o 558 Lordganj, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Sawai Sighan Chandrani Bahu W/o Shri S. C. Ramchandrajai Jain, R/o Lordganj Ward, Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Bhopal, the 10th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/706.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Jabalpur Gada ward—Kh. No. 519/1-K, Rekba O. 178 situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 24-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Jabalpur Gada Ward—Kh. No. 519/1-K, Rekba O. 178, Jabalpur.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 10-9-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Trilokinath S/o Laxminarainji Kapur R/o Kapur Niwas, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Shantidevi W/o Shri Madanlalji Shanti Bhawan, Savind Nagar, Kanadia Road, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal, the 10th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/707.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land alongwith well and servant quarter—Survey No. 263/1 situated at Bombay Agra Road, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 12-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land alongwith well and servant quarter—Survey No. 263/1 situated at Bombay Agra Road, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 10th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/708.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Mehra, Distt. Gwalior No. 497, Rekba 7 Bigha 3 Viswa situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gwalior on 5-1-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Adiram S/o Shri Ramdayal, 2. Shri Chatur-singh, 3. Shri Sitaram S/o Shri Sobharamji Kamaria Thakur, R/o Gram Mehra, Distt. Gwalior.
(Transferor)

(2) Kum. Hema Mehta D/o Ashu Tosh Mehta R/o Gandhi Nagar, Gwalior C/o K. Mehta, Bank of India, I-8, Gandhi Nagar, Gwalior.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Village Mehra, Distt. Gwalior No. 497 Rekba 7 Bigha 4 Viswa, Gwalior.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 10-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Bhopal, the 10th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/709.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Nazul Plot Block No. 22, Plot No. 12/2-area 7,750 sq. ft. situated at Civil Station, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 1-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prakashchand Lukhar S/o Seth Lalchand
Lukhar Oswal Jain R/o Budapara Ward, Raipur.
(Transferor)

(2) Shri Sarwant Singh, Paramjit Singh Karta Sardar
Sarwant Singh S/o Sardar Tej Singh R/o Katora
Talab, Raipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Nazul Plot Block No. 22, Plot No. 12/2-area 7750 sq. ft. situated at Civil Station, Raipur.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 10-9-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Bhopal, the 10th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/710.—Whereas, I,
V. K. SINHA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. land situated at Sirpur, Teh. Indore, Distt. Indore, Kh.
No. 211/1 situated at Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering
officer at Indore on 15-1-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—
18—286 GI/76

- (1) Shri C. K. Mukund, 2. Mrs. R. Barshiwala (Golden
Corn. Company) through Shri Nagindas S/o Shri
Shamji Bhai Shah R/o Bombay at present R/o Sir-
pur, Teh. Indore.

(Transferor)

- (2) M/s Nagin Nagar, 9 Shiv Vilas Palace through Part-
ner Shri Rakhav Chand S/o Shri Gendalaji Jain R/o
9, Shiv Vilas Palace, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Sirpur, Teh. Indore, Distt. Indore Kh. No.
211/1, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 10-9-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kishorilal S/o Raghunath Prasad Agarwal R/o Ward No. 7, Shahdol, Teh. Shogagpur, Shahdol.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Vipay Kumar Ali S/o Aishan Ali R/o Shahdol, Teh. Shogagpur, Shahdol.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 10th September 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/711.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Village Sokhi—No. 997, Nagar Palika Sewa Shadol, Teh. Shogagpur, Shahdol situated at Shahdol, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahdol on 28-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land situated at Village Sokhi—No. 997, Nagar Palika Sewa Shahdol, Teh. Shogagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-9-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 12th August 1976

C.R. No. 62/5472/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 15-806, 807, 808 and 15-809, Sanjeeva, (near Monika Garden, Lower Bendoor,) situated at Kadri Village, Mangalore Town. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore, Document No. 982/75-76 on 22-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sobina D'Costa Bai,
W/o Sri Alben Francis D'Costa,
Lower Bendoor, Kadri Village,
Mangalore Town.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dr. K. Ajithkumar Shetty,
S/o Honnayya Shetty,
2. Smt. Prafulla A. Shetty,
W/o Sri K. Ajithkumar Shetty,
"Sanjeeva", Near Monika Garden,
Lower Bendoor, Mangalore-2.

(Transferee)

(3) Shri V. J. P. Saldhana
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 982/75-76, Dated 22-1-76]

S. No. 121, S.D. No. 7, KISSAM Garden Western Portion, Extent A-Cs, 0-24 (out of 52 cents) with Door No. 15-806, 807, 808 and 15-809 (near Monika Garden, Lower Bendoor, Mangalore-2) 'Sanjeeva' Kadri Village, Mangalore town.

Plinth : 7440 Sq. ft (as per sale deed and form No. 37-G)

Boundaries : East—R. J. Pereira's property
South—Survey line and Chanal
North—Survey line and R. J. Pereira's property and
West—Survey line.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date : 12-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 13th August 1976

C.R. No. 62/5474/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 64/1, 64/2C and 65 situated at Sundarahalli Village, Kuthathi Hobli, Mandya Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandya Document No. 4535/75-76 on 2-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kempalingaiah
S/o Shri Ramasidddegowda,
Yaleyur Dakhale Mayanna Koppalu Village,
Kuthathi, Mandya Tq.

(Transferor)

(2) Shri Y. D. Kale Gowda,
Agriculturist,
S/o Shri Deve Gowda,
Yaleyur Dakhale Mayanna Koppalu Village,
Kuthathi, Mandya Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4535/75-76, dated 2-1-76) Agricultural land measuring 1 acre and 13 guntas in survey No. 64/1, 18 guntas in survey No. 64/2C and 26 guntas in survey No. 65, Sundarahalli village, Kuthathi Hobli, Mandya Taluk. Total land areas : 2 acres 17 guntas

Boundaries :

East : Land belonging to Shri Channaveeraiah and Iraiah
West : Land belonging to Shri Linganna and Hutchappa
North : Land belonging to Smt. Kalamma
South : Land belonging to Smt. Puttamma Krishnappa and road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 13-8-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C.R. No. 62/5480/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 50 Binnamangala layout, H. A. L. II Stage, Indiranagar, Bangalore-38, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 2999/75-76 on 8-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sri Lt. Col. T. S. Anand,
S/o S. Baladev Singh,
C-288, Defence Colony,
New Delhi or
No. R. 68, Greater Kailash, New Delhi,
Represented by his P.A. holder, Col. P. N. P. Nayar
(AVSM).

(Transferor)

- (2) Shri Major B. S. Ahluwalia,
S/o Sri Harjeeth Singh,
Butter Market, George Town,
Allahabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2999/75-76, dated 8-1-76) All that piece and parcel of vacant site bearing site No. 50, Binnamangala layout, H.A.L. II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

Site area :

E to W=70ft.

N to S=90ft.

630 sft.

Boundaries :

East : Site No. 77

West : 100 ft. road

South : Site No. 49

South : Site No. 51.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range

Bangalore

Date : 3-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 19th July 1976

C.R. No. 62/5481/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 166, Bhinnamangala Layout, situated at H.A.L. II Stage, Defence Colony, Indiranagar, Bangalore-38

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 3000/75-76 on 8-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. S. S. Anand,
C/o. Lt. Col. T. S. Anand,
C-288, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Major J. S. Chopra,
Services Selection Centre (South),
Bangalore-42.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property shall be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3000/75-76 dated 8-1-76]
Site No. 166, Bhinnamangala Layout, H.A.L. II Stage,
Defence Colony, Indiranagar, Bangalore-38.
Site Area :—60' × 90' = 5400 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 19-7-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 22nd July 1976

C.R. No. 62/5496/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. All that part and parcel of site Nos. 6, 7, 8 and 9 in Survey No. 31/5 situated at Mathadanalli, Kasaba Hobli (Division No. 46), Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 3521/75-76 on 14-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. A. Ramamahunnisa,
W/o Dr. Abdul Basheer,
Rajappa Block, Munireddypalya,
Bangalore-560 006.

(Transferor)

- (2) Smt. R. Sharafunnisa,
D/o Shri S. A. R. Agha,
No. 1, 3rd Cross,
Marappa Garden, Munireddypalya,
Bangalore-560 006.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3521/75-76 dated 14-1-76]
All that part and parcel of site Nos. 6, 7, 8 and 9 in Survey No. 31/5 of Metadahalli, Kasaba Hobli, (Division No. 46), Bangalore.
Boundaries of site Nos. 6, 7 and 8
East : Road
West : Road
North : Road and
South : Road
and
All the above 3 sites measuring
East to West : 45' }
North to South : 90' } 4050 Sq. ft.
Boundry of site No. 9
East : Road
West : Road
North : Site Nos. 23 and 32 and
South : Road
Measurement of site No. 9
East to West : 45' }
North to South : 90' } 1200 sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-7-1976

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 13th August 1976

C.R. No. 62/5497/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential house property bearing Municipal old No. 3, Present No. 25, Bidakulpet (near Aralepet) situated at Muniramanna Lane (Cottonpet), Bangalore (Division No. 17) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 3527/75-76 on 14-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Lingamma W/o Late Byrappa,
2. B. Ramakrishna S/o Byrappa
3. B. Chandrasekhara S/o Byrappa
No. 1 to 3 residing at old No. 3, present No. 25, Bidakulpet, Muniramanna Lane, Bangalore.
4. Shri B. Channappa, adopted son Sri Channaiah, (Ex Councilor), Q-19, Shankara Devara, Mutt Lane, Manavarthpet, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Smt. Channabasamma,
W/o Sri Basavalingappa,
(Uma Shankar Coffee Works,
115, Cottonpet Main Road, Bangalore),
No. 58, Dr. T. C. M. Royan Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3527/75-76 dated 14-1-1976]
Residential house property bearing Municipal old No. 3, Present No. 25, Bidakulpet, (Division No. 17), (near Aralepet), Muniramanna Lane, Cottonpet, Bangalore.

Site Area :

East to West—

On the Northern side=36'3"

On the Southern side=30'+6'6"

North to South—

On the Eastern side=75' and

On the Western side=62'

Plinth :

10 Squares of mud roofing

5 Squares of Mangalore tiled roofing

Total 15 Squares

Boundries

East=House belonging to Sri Gopala Reddy and house belonging to Sri Anthonidas and small lane,

West=House belonging to Sri Velayudhan and Sri B. Channappa,

North=Road,

South=Other's property and Road.

2576 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 13-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 16th August 1976

C.R. No. 62/5501/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises bearing No. 61, New No. 3, 3rd Main Road, Jayamahall Extension, situated at Bangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Doc. No. 3533/75-76 on 14-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—
19—286GI/76

(1) Smt. B. Saroja Devi,
D/o Sri Byrappa,
No. 351, Upper Palace Orchards,
(Sadashivanagar), Bangalore-6.

(Transferor)

(2) Dr. Chatur Datt Pant,
S/o Late Pran Datt Pant,
No. 3/5, 5th Block, Kumarapark East,
Bangalore-560 020.

(Transferee)

(3) Assistant Military Estate Officer,
Cubbon Road, Bangalore-1.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3533/75-76 dated 14-1-76]

Premises bearing number 61, New No. 3, 3rd Main Road, Jayamahall Extension, Bangalore City.

Boundries :

East=Road
West=Ramakrishna's property
North=Vacant land belonging to Central Govt.
South=Road

Site Area :

About 4187 Sq. ft. or 465 Sq. yards or 388.98 Square meters. (as per valuation report)

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 16-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961
THE SCHEDULE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C.R. No. 62/5503/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 13/1, Madivala Village, Bangalore, South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Doc. No. 2756/75-76 on 2-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sri G. Daniel s/o S. Daniel,
Upper Division Clerk,
S.R.S. National Dairy Research Institute,
Bangalore-26.

(Transferor)

(2) Smt. Jayamma w/o Sri T. Kolandappa, Anepalya,
Neelasandra village, Bangalore-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2756/75-76 dated 2-1-1976]

Residential corner site bearing S. No. 13/1, Madivala village, Begur Hobli, Bangalore South Tq. (Divn. No. 35).

Site area : 350 sq. yds.

Boundaries :

East : 20 feet road
West : Bangalore Hosur road
North : 25 feet wide road
South : Site Nos. 8 and 12

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27

Date : 3-8-76
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C.R. No. 62/5504/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 150 in Survey No. 78/2 (Corporation Division No. 36) situated at Tavarekere village, Bangalore District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore—Doc. No. 2760/75-76 on 3-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons; namely :—

(1) Dr. K. S. Shadaksharappa,
Ranga Rao Road,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Kumari P. S. Padmavathi (Minor)
Represented by Mother and natural guardian
Smt. P. S. Lalithamba,
No. H. 114, Mudlappa Street,
Doddamavalli, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2760/75-76 dated 3-1-76]

Site No. 150 in survey No. 78/2, (Corporation Division No. 36) Tavarekere village, Bangalore District.

Site area :

East to West : 50' 3000 sq. ft.
North to South : 60'

Boundaries :

East : Site No. 151
West : Road
North : Road
South : Site No. 160

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27

Date : 3-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th August 1976

C.R. No. 62/5511/75-76/Acq./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Coffee Estate, Paddy Fields and jungle land etc., measuring 38 acres 2 cents with main building and Labour line etc. situated at Chembabeloor Village, Devengeri Post, Virajpet Taluk, S. Coorg, Karnataka State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpet, Document No. 415/75-76 on 9-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri A. M. Muddappa
2. Smt. A. M. Kamavva Muddappa,
3. A. M. Ganapathi and
4. Smt. A. M. Ponnamma
Residing at Chembabeloor Village, Devengeri Post, Virarajpet Taluk, S. Coorg, Karnataka State.
Sri A. M. Muddappa is a G.P.A. of Sri A. M. Ganapathi.
(Transferor)
- (2) 1. Shri P. M. Medappa, } Children of
2. Shri P. M. Thimmaiah, } Sri Muthyeppa
3. Shri P. M. Vijayakumar }
Residing at : (Ikoola Village, Murnad, Coorg) Chembabeloor Village, Devengeri Post, Virajpet Taluk, S. Coorg, Karnataka State.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 415/75-76 dated 9-1-1976]

Coffee Estate, Paddy Fields and Jungle land etc. measuring 38 acres and 2 cents as detailed below with main building and labour line etc., situated at Chembabeloor Village, Devengeri Post, Virajpet Taluk, South Coorg, Karnataka State.

Survey No.	Area	
	Acres	Cents
128	17	55
122/14	0	50
122/15	0	25
122/17	1	40
122/22	7	10
122/25	3	00
122/1	6	86
233/2	0	66
	38	02

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 13-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C.R. No. 62/5514/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House built site No. 249, Block Hosahalli Extension situated at Bangalore (Dn. No. 21) (Corporation No. 249/26, 9th C Main Road, Vijayanagar Extension, Bangalore) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Srirampuram, Bangalore—Doc. No. 2841/75-76 on 7-1-76 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri R. Krishnamurthy,
S/o late R. Ranga Rao,
No. 33, Ranga Rao Road,
Shankarpuram, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimati Yasmeen Jahan Begum,
D/o Shri S. K. Basha,
C/o Shri S. K. Basha,
Professor and Head of the Dept. of Chemistry,
No. 249, Vijayanagar,
Bangalore-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2841/75-76 dated 7-1-1976]

R.C.C. house built on site No. 249, 9th C Main Road Hosahalli Extension (Vijayanagar Extension), Bangalore (Division No. 21).

Site area :

North to South : 45'0" }
East to West : 54'6" } About 2452 sft.

Plinth :

6 squares

Boundaries :

North : Site No. 250/251
South : 10th Main Road
East : I Cross Road
West : Site No. 248/B

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 3-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C.R. No. 62/5528/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2 acres of converted land out of survey No. 122/13 and 122/14, Kengeri village, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Doc. No. 3873/75-76 on 29-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. N. Sharada Devi
w/o late Dr. T. Nagaraja Rao,
No. 658/1, Sajjan Rao Road,
V. Puram, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Shah s/o Natwarlal Shah,
No. 30, Church Road, Shantinagar,
Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3873/75-76 dated 29-1-1976]
2 acres of converted land out of survey No. 122/13 and 122/14, Kengeri village, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

Total area=2 acres.

Boundaries :

East : Govt. Kharab land
West : Bangalore Mysore road
North : Survey No. 122 and
South : Remaining portion of the same land, measuring 2 acres from the road side.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 3-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore-27, the 22nd July 1976

C.R. No. 62/5556/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site bearing No. 10 and forming a part of premises bearing New No. 14 and old No. 10, situated at Longford Road, (Division No. 62), Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 286075-76 on 21-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Rangachar S/o Sri P. S. Char,
Residing at : 'Padmalaya', Matunga Road,
Wadala, Bombay, by his power of
Attorney holder Shri P. S. Ranganathachar, No. 18,
Basappa Road, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Shri S. Siddaveerappa, S/o Late Siddabasappa, No.
26. Shanthaveeraiah Lane, Chickpet, Bangalore-2A.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2860/75-76 dated 21-1-1976]

Vacant site bearing No. 10 and forming a part of premises bearing New No. 14 and old No. 10, Longford Road (Division No. 62), Civil Station, Bangalore.

Site Area :

East to West : 74'
North to South : On the Western side : 35' 2,890
On the Eastern side : 47' } Sq. ft.

Boundaries :

East : Site No. 9,
West : Private property
North : Site No. 11 and
South : Private property.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-7-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd July 1976

C.R. No. 62/5557/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site bearing No. 11 and forming a part of premises bearing New No. 14 and old No. 5 & 10, Longford Road, (Division No. 62), situated at Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 2861/75-76 on 21-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Rangachar S/o Sri P. S. Char, Residing at : 'Padmalaya', Matunga Road, Wadala, BOMBAY. Represented by his power of Attorney holder Shri P. S. Ranganathachar, No. 18, Basappa Road, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Shri A. E. Pais, S/o Late A. A. Pais, Sales Executive, residing at No. 14/2 Curly Street, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2861/75-76 dated 22-1-1976]

Vacant site bearing No. 11, and forming a part of premises bearing New No. 14 and old No. 5 and 10, Longford Road (Division No. 62), Civil Station, Bangalore.

Site Area :

East to West : 49' }
North to South : 35' } 1,715 Sq. ft.

Boundaries :

East : 25 proposed Road.

West : Dr. Ramanna's house.

North : Vacant site which already belongs to the purchaser.

South : Another vacant site bearing No. 10.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 15th July 1976

C. R. No. 62/5561/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 233, New numbered as 231/3, situated at 12th Cross, Wilson Gardens, Bangalore-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 2890/75-76 on 23-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—286GI/76

(1) Shrimati Lavanya Srinivasan,
W/o Dr. M. N. Srinivasan,
No. 153, Kalapalatha, V Cross, 2nd Block,
Jayanagar, Bangalore-11.
On her behalf and on behalf of her minor children
(as per purchase deed).

(Transferors)

(2) Shri V. S. Gopalaśwamy,
S/o Sri V. S. Seshu Iyer,
No. 423, 14th Main Road,
Lakkasandra Extension, Wilson Garden, Bangalore-
27.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2890/75-76 Dated 23-1-76]
Site No. 233, Now numbered as 231/3, 12th Cross, Wilson Gardens, Bangalore.
Site Area :—
East to West=80' } 4000 Sq. ft.
North to South=50' }
Boundaries :—
North=Site No. 230/4,
South=Site No. 232/2,
East=12th Cross Road and
West=Site No. 214.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 15-7-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. C. M. Purushottam. Professor,
I.I.T. Campus, Madras-36.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. P. S. Lalithamba, w/o
P. S. Seshaiyah, H. 114, Mudlappa St.
Doddamavalli, Bangalore-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C. R. No. 62/5565/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing site No. 164, in survey No. 78/2, Tavarakere village, (Corpn. Divn. No. 36) situated at Bangalore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 2898/75-76 on 28-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 2898/75-76 Dated 28-1-76]
Corner site No. 164 in survey No. 78/2, (Divn. No. 36),
Taverekere village, Bangalore Dist.

Site area :
East to West 50... }
North to South 60' } 3000 sft.

Boundaries :
East—site No. 165.
West—Road.
North—Road.
South—Site No. 176.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-76
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri M. Challappa, S/o K. Muniswamappa, No. 117, Thigalarpet, Bangalore City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri S. Sardar Khan S/o M. N. Sulaiman Saheb,
2. Smt. Dilshad Begum, W/o Sri S. Sardar Khan,
Both residing at : No. 34, 5th Cross, Lakshmi Road, Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th July 1976

C. R. No. 62/5569/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises No. 34, 4th Cross, situated at Lakshmi Road, Shanthinagar, Bangalore-27 (Divn. No. 62) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 2911/75-76 on 29-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2911/75-76 Dated 29-1-1976]
Premises No. 34, 5th Cross, Lakshmi Road, Shanthinagar, Bangalore-27. (Division No. 62)

Site Area :—

East to West : On the Northern side = 46' 6"	} 143 Sq. yds.
On the Southern Side = 46'	
North to South : On the Eastern side = 27' 6"	
On the Western side = 29'	

Plinth :— 11 squares

Boundries :—

East : Sri Muniswamappa's property
West : Road
North : Rudrappa's house and
South : Property belonging to the Vendor bearing No. 34/D.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C. R. No. 62/5570/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Northern part of the site No. 54, 7th Block, Jayanagar, situated at Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore Doc. No. 2941/75-76 on 31-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. T. Sengoda Modalier,
No. 7, 5th Main Road,
IVth Block J ayanagar,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. K. Gopalakrishna
S/o Late K. Kempegowda,
No. 122.7th 'B' Main Road,
IVth Block Jayanagar,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2941/75-76 Dated 31-1-1976]

Northern part of the site No. 54, 7th Block Jayanagar, Bangalore which is now assigned by the Bangalore City Corporation Bearing as site No. 38/1, 3rd Main Road, 7th Block Jayanagar 34th Divn) Bangalore.

Site Area :

East to West = 70' 4200 sft.
North to South = 60'

Boundries :

East = 3rd Main Road,
West = site No. 53,
North = 30th cross Road,
South = Site No. 54/38.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C. R. No. 62/5585/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

All that piece and parcel of building site bearing No. 4, Alexandra street, Richmond town, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore. Doc. No. 3133/75-76 on 22-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. Gopalakrishna, Advocate,
s/o late M. Kempalah,

2. Kum. G. K. Pavithra, (Minor) represented by her father and Natural guardian Sri K. Gopalakrishnan, Both residing at No. 402, Palace orchard,

(Transferor)

(2) Sri Dananda Rao s/o late Venkataramana Rao,
No. 21, Sampangitank Road,
Bangalore-560025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3133/75-76 Dated 22-1-76]

All that piece and parcel of building site bearing No. 4, Alexandra street, Richmond town, Bangalore.

Site Area :

East to West = 50'

North to South = 50' 2500 sq. ft.

East : Alfred street.

West : Property bearing No. 4/1, Alexandra st. belonging to Ashok G. Katkar.

North : Alexandra street.

South : Property bearing No. 23-1, Alfred st. belonging to Sri E. N. Katkar.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C. R. No. 62/5596/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-2-201 situated at Sultanbazar, Hyderabad, Building site No. 9, Ashoka road, situated at Bangalore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 3176/75-76 on 29-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Sri V. Joseph Mathews, No. 6,
2nd cross, Hutchins road, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Sri P. A. Thomas, s/o Sri Anthony,
No. 23, Clive road, Cooke town,
Bangalore-5.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3176/75-76 Dated 21-1-1976]

All that piece and parcel of land and building bearing site No. 9, Ashoka road, Bangalore.

Site Area :

40000 Sft. (50' × 80')

Boundries :

North : Garai Muniswamappa's land.

South : New road (Ashoka road),

East : Plot No. 8, belonging to vendor.

West : Srivedanayakam's Property.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C. R. No. 62/5599/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. vacant land terms No. 7, carved in the vacant land bearing corporation No. 15, Kolami siddanna Garden (formerly sappers road), Ulsoor, Bangalore-8. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 3192/75-76 on 29-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri K. A. Kamakshaiah, s/o late Sri K. Anantharamaiah Setty, No. 100, Jewellers Street, Civil station, Bangalore.

(Transferor)

(2) Sri V. Sreerama Reddy, s/o late Sri Venkaappa Reddy, No. 11/6 A. G. Main road, 1st cross, Ulsoor, Bangalore-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3192/75-76 Dated 29-1-76]

All that piece and parcel of land, being site No. 7, Carved in the vacant land bearing corporation No. 15, Kolami Siddanna Garden (Sappers road), Ulsoor, Bangalore-8.

Site Area :

East : 36'
West : 40'
North : 48'
South : 43' 1729 sft approximately.

Boundries :

East : Site No. 6, in the above said vacant land.
West : Sappers road.
North : 25' wide road.
South : site No. 8.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd July 1976

C. R. No. 62/5641/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. All that piece and parcel of house with asbestos arch roofing in site Nos. 20, 21 and 22, situated in Survey Nos. 104/1 of K. G. Byadarahalli (Corporation Division No. 46), Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandhinagar Bangalore. Doc. No. 3586/75-76 on 19-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati A. Rahmathunnisa,
W/o Dr. Abdul Basheer,
Rajappa Block,
Munireddypalayam,
Bangalore-560006.

(Transferor)

(2) Shri Kareem Jeelani, S/o
A. Mohamed Ghouse,
No. 1, 3rd Cross,
Marappa Garden, Munireddipalayam,
Bangalore-560006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3586/75-76 Dated 19-1-1976]

All that piece and parcel of house with asbestos arch roofing in Site Nos. 20, 21 and 22, situated in Survey Nos. 104/1 of K. G. Byadarahalli, (Corporation Division No. 46), Bangalore.

Site Area :

All the above 3 sites measuring

E to W : 40' } 3600 sq. ft.
N to S : 90' }

i.e. each site measuring 40' × 30' = 1200 Sft.

Boundaries of site Nos. 20, 21 and 22 :

E : Site Nos. 27, 28 and 29
W : 25' Road
N : Site No. 23 and
S : Site No. 19

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Sulochana Balraj, W/o Late Lt. Col. Balraj,
No. 14 and 15, 1st Main Road,
Jayamahal Extension, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

(2) Shri Meer Mohamed Saleh, S/o
Late Mohamed Meer,
No. 15, Cunningham Road, Civil Station,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-27, the 22nd July 1976

C. R. No. 62/5644/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site bearing municipal No. 14, 1st Main Road, Jayamahal Extension, situated at (Division No. 46), Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 3595/75-76 on 19-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—286GI/76

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3595/75-76 Dated 22-1-1976]

Vacant site bearing present Municipal No. 14 (old No. 9/1), 1st Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore. (Divn. No. 46).

Site Area :

East to West : 55' } 3,850 Sq. ft.
North to South : 70'

Boundaries :

North : 1st Main Road, Jayamahal Extension.

South : Premises No. 15 (old No. 9/2), 1st Main Road, Jaya Mahal.

East : Premises No. 16, 1st Main Road, Jayamahal Extension belonging to Mrs. Kam Joshi.

West : 30' wide road situated in former composite premises known as 'Beaufort' bearing municipal No. 18, 1st Main Road, Jayamahal Extension.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-7-1976

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th August 1976

C. R. No. 62/5645/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Corner residential site bearing No. 363, Rajamahal Vilas Extension, situated at Bangalore-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 3609/75-76 on 19-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri M. Ramanna, S/o Late Hombale Gowda
2. Shekara Babu
3. Ashoka
4. Abijeet

Children of Sri M. Ramanna.
Represented by their father and natural guardian
Sri M. Ramanna.
All residing at No. 28, Block I, K. P. West,
Bangalore-20.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Thayamma, W/o Veerangowda,
No. 317, 'Shobha', V Main Road,
Rajamahalvilas Extension, Bangalore
Binamidar and
(2) Mrs. Prabha Prasad, W/o Ajit Prasad,
R. D. 2, Pratsdam Road, Coatesville, 19320,
Pensylvania, U.S.A. (permanently) and tempo-
rarily come to India,
C/o K. S. Devpal, No. 14, Rangarao Road,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3609/75-76 Dated 19-1-1976]
Corner residential site bearing No. 363, Rajamahal Vilas
Extension, Bangalore-6.

Boundaries :
East to West = 46' }
North to South = 60' } 2760 Sq. ft.

Boundries :
North : Site No. 392,
East : Site No. 364 (purchased by Smt. Thayamma)
West & South : Roads.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-8-1976

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th August 1976

C. R. No. 62/5651/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant site forming part of property situated in Municipal No. 186/1, Subedar Chatram Road, Seshadripuram, situated at Bangalore-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhi Nagar Bangalore-Doc. No. 3654/75-76 on 24-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri J. C. Uma Shankar,
S/o Shri J. Chinnappa,
No. 167/1, 13th Main Road,
Vasanthnagar,
Bangalore-52.

(Transferor)

(2) Shri D. Santhanakrishnan,
S/o Shri R. Doraiswamy,
No. 267, 11th Cross, Wilson Gardens,
Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3564/75-76. Dated 24-1-1976]

All that piece and parcel of a vacant piece of land forming part of property situated in Municipal No. 186/1, Subedar Chatram Road, Seshadripuram, Bangalore-20.

Site Area :

North : 45'	} 3400 sq. ft.
South : 42' 6"	
West : 77'	
East : 79'	

Boundaries :

North : Private property and dead end road.
South : Private property belonging to late Mr. B. Mohamed Imam.
West : Property No. 186/2, belonging to Shri J. C. Rudra Sharma and
East : Property No. 186/1, retained by the vendor herein.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27

Date: 13-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27 the 3rd August 1976

C.R. No. 62/5660/75-76/Acq/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19, (old No. 8), Padmasala Kitchiah Lane, (Akkipet), (Division No. 17), situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 3725/75-76 on 30-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Masthanbi alias Shazadi bi,
W/o. Shri G. A. Khayoom,
No. 19, Padmasale Kichiah Lane,
Akkipet, Bangalore.
(Transferor)
- (2) S/Shri (1) Mohideen Patel,
(2) Shahul Hameed
(3) S. P. Mohamed Miran
(4) S. P. Mohamed Hussain
All residing at : No. 120, Balepet, Bangalore-560053.
(Sons of Late Shri Ismail Shabandri Patel)
(Transferee)

- (3) S/Shri (1) M. Abubakar,
(2) P. A. Kunhi Mohamed,
(3) P. K. Moosa,
(4) K. S. Nazir Ahmed,
(5) Syed Ali,
(6) P. M. Abu Hajee,
(7) Abu Kutty,
(8) C. Abdulla,
(9) Khalid,
(10) K. A. Abubakar,
(11) Abdul Jabbar,
(12) V. P. Moosa.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 3725/75-76 dated 30-1-1976]
Residential house property bearing No. 19, (old No. 8), Padmasala Kitchiah Lane, (Akkipet), (Corporation Division No. 17), Bangalore.

Site Area : East to West=On the Northern side=38'7"
East to West=On the Southern side 30'
North to South=55'4½" } 1900 Sq. ft.

Plinth :
19 Squares (R.C.C. 16 Squares and tiled 3 Squares)

Boundaries :
East=Padmasale Kitchiah Lane,
West=Private Factory
North=Private property
South=Conservancy.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 3-8-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C.R. No. 62/5669/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 acres 37½ guntas of converted in survey No. 164, Dandupalya Village, situated at Kasaba Hobli Hoskote Taluk, Bangalore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoskote, Bangalore, Doc. No. 3627/75-76 on 17-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri V. Ethirajalu Naidu,
s/o Sri V. Venkataswamy Naidu,
No. 1044, B, Post Office road, Hoskote, Bangalore Dist.

(Transferor)

(2) M/s. Premier Silks, No. 6/1, Club road, Race Course, Coimbatore-18A regd. firm represented by its partner Sri A. R. Jaganathan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3627/75-76 Dated 17-1-76]

Converted land in survey No. 164, Dandupalya village (Old Madras road). Kasaba Hobli, Hoskote taluk, Bangalore District.

Total area : 4 acres and 37½ guntas.

Boundaries :

East : Shanbog Venkatasubbaiah's land.

West : Marappa & Narayanappa's land and wet land belonging to Sanbog Venkatasubbaiah.

North : Land belonging to Dasappa.

South : Old Madras road (National High way No. 4).

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 3-8-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd August 1976

C. R. No. 62/5673/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 136/1367-10, Taluk Office road, Anekal, Bangalore Dist. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anekal, Bangalore Dist. Doc. No. 2053/75-76 on 19-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Y. Rudrappa s/o late Yajaman Rajappa, Retd. Tahasildar.
 - (2) Rudresha.
 - (3) Susheela.
 - (4) Tarakeshwari.
- } Minors represented by their father and natural guardian Sri Y. Rudrappa.
- All residing at Muniveerappa Colony, Anekal Town, Bangalore Dist.

(Transferors)

- (2) Smt. H. Gowramma, w/o. Sri. Puttashankarappa, Dodabeedi Anekal town, Bangalore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2053/75-76 dated 19-7-76]
Residential R.C.C. building with compound, gate and vacant site on a corner plot, bearing No. 136/1367-10, Taluk Office road, Anekal town, Bangalore Dist.

Site Area : East to West 50' }
North to South. 60' } 3000 sft.

Plinth : East to West 50' }
North to South 33' } 1650 sft.

Boundaries :

East : shops and vacant site belonging to Sri Chikka-hosahalli patel Muniswamiah.

West : Municipal road.

North : Sheds belonging to Sri Shivarudriah.

South : Main road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 3-8-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th July 1976

C.R. No. 62/5682/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on site bearing Corporation No. 1193/12 of A Block, 6th Main Road, II Stage, situated at Rajajinagar, Bangalore-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Rajajinagar, Bangalore, Document No. 4456/75-76 on 19-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Venkatappa,
No. 1819, II Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.
(Transferor)

(2) Shri B. G. Chahnnabasappa,
Basavapatna Village,
Channagiri Taluk, Shimoga Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4456/75-76 Dated 19-1-76]
House on site bearing Corporation No. 1193/1205, 'A' Block, 6th Main Road, II Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.
Site Area :

$$\frac{50' + 50\frac{1}{2}' \times 29' + 30'}{2} = 1500 \text{ Sq. ft.}$$

Plinth :

12 Squares of R.C.C.

Boundaries :

East = Road,

West = Site No. 1167,

North = Road and,

South = Site No. 1194.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 15-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th July 1976

C.R. No. 62/5684/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dry land converted for Industrial purposes in Survey No. 98 of Yeshwanthpur and Chalta No. 10, of City Survey, situated at Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Document No. 4524/75-76 on 22-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri H. C. Shankarappa, S/o Sri H. K. Chennaiah, No. 1147, 1st Cross, Vivekananda Roa, Ashoka-nagar, Mandya City.

(Transferor)

(2) Shri A. M. Samyullah, S/o Sri M. M. Amanulla, No. 19/4, 1st Cross Road, Jayamahall Extension, Bangalore-46.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4524/75-76 Dated 21-1-76]

Dry land converted for Industrial purposes in Survey No. 98 of Yeshwanthpur and Chalta No. 10 of City Survey, Bangalore.

Site Area :

East to West : 136'

North to South :

On the Western side : 200'

On the Eastern side : 160'

{ 2274.19 Sq. metres or
{ 24480 Sq. ft.

Boundaries :

East : Land of Shri B. T. Parthasarathy and Smt. Vanajakshamma

West : Land of Smt. Premeshwaridevi

North : Railway property and

South : Bangalore—Tumkur Road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 15-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th July 1976

C.R. No. 62/5685/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. corner vacant C.I.T.B. site No. 234, (Corpn. No. 17), 3rd Main road, Mahalakshmi layout, Rajajinagar, Bangalore-10 (Dn. no. 2) situated at Village Versoba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 4569/75-76. on 24-1-76. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—286 GI/76

(1) Sri H. V. Subbaraya Prasad, s/o late H. Venkata-ramaiah, No. 29, Shivanahally, II Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Sri K. Trivikarama Rao, s/o. Sri Krishna Pai, (Professor of Anatomy, veterinary college, University of Agricultural science, Hebbal, Bangalore-24), residing at Seshadripuram, Door No. 24 I cross, Srirampuram, Exten. Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4569/75-76. Dated 24-1-76]

Corner vacant C.I.T.B. No. 234 (Corpn. No. 17) 3rd Main road, Mahalakshmi layout, Rajajinagar, Bangalore-10 (Dn. No. 2).

Site area :

E to W 40' }
N to S 60' } 2400 sft. or 266 2/3 sq. yds.

Boundaries :

N. Road
S. Site No. 233.
E. Site No. 235 and
W. Road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 15-7-1976.

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th July 1976

C. R. No. 62/5686/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site bearing Corporation No. 982/30, (C.I.T.B. No. 982), 2nd Main Road, 4th Block, situated at Rajajinagar, Bangalore-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar Bangalore, Document No. 4597/75-76 on 29-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shrimati B. A. Anusooya (D/o Late Chaluvappa), W/o Sri B. B. Ananth, No. 29, Double Road (K. H. Road), Bangalore-27.
- (2) C. Meenakshi (D/o Late Chaluvappa), W/o of Sri S. Basavaraj, Rudraprasad, High Grounds, Bangalore-1.

(Transferor)

- (2) Smt. Dhanalakshmi, W/o Siddalingaiah, No. 974-A, 4th Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4597/75-76 dated 29-1-1976]
Vacant site bearing Corporation No. 982/30, (C.I.T.B. No. 982), 2nd Main Road, 4th Block, Rajajinagar, Bangalore-10.
Site Area :

East to West : 85' }
North to South : 45' } 3825 Sq. ft.

Boundaries :

East : Conservancy Lane,
West : Road,
North : Site No. 983 and
South : Site No. 981.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th July 1976

C. R. No. 62/5690/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant C.I.T.B. site No. 1496, Corporation No. 1496/80) situated at in VIII Main 'A' Block, II Stage, Rajajinagar, Bangalore-10 (Division No. 3) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore Document No. 4624/75-76 on 30-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Honnamma, W/o Sri Muddappa, Arebommanahalli, Nelamangala Taluk, Bangalbre Dist.

(Transferor)

(2) Shri G. C. Honnappa, S/o Sri Chikkanna, No. 156, Milk Colony, Subramanyanagar, Bangalore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4624/75-76 Dated 21-1-1976]
Vacant City Improvement Trust Board site No. 1496 (Corporation No. 1496/80) (Division No. 3) in VIII Main 'A' Block, II Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.

Site Area :

East to West=40' }
North to South=50' } 2000 Sq. ft.

Boundaries :

North : Site No. 1497
South : Site No. 1495
East : Site No. 1544 and
West : Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-7-1976
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th August 1976

No. C. R. 62/5 766/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 1031, 1032 New numbers 7 and 7/1, situated at Vinoba Road, Devaraja Mohalla, Mysore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore, Document No. 3292/75-76 on 19-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri V. Ramachandra Rao, No. 175, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-41
(2) N. V. Krishnamurthy, Laboratory Technician, 19/3, Moodalappa Cross, Susheela Road, Doddamavalli, Bangalore.
(3) N. V. Satyanarayana Rao, Bandukal Bhavan, Sawarkar Bal Bhavan, Vidisha (M.P.).
(4) N. V. Jagannatha Rao, Assistant Professor of Sociology and Economics, College of Agriculture, Dharwar.
Sl. No. 1 to 4 are sons of late Sri Namdev Veera-bhadrapa.

(Transferor)

- (2) Shrimati Swapna Srikanth,
W/o Sri Srikanth, No. 87, "Shiva Krupa",
2nd Main Road, Yadavagiri, MYSORE-2.

(Transferee)

- (3) (1) Modern Watch Co.,
(2) Modern Watch repairs.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3292/75-76 Dtd 19-1-1976]
Premises bearing Door Nos. 1031, 1032, New Nos. 7 and 7/1, situated in Vinoba Road, Devaraja Mohalla, Mysore City.
Site Area :
East to West : 18' } 1188 Sq. ft.
North to South : 66'
Plinth :
18' × 56 ft. = 1008 Sq. ft. (old building) (as per pro-forma).
Boundaries :
East=Shop belonging to Kannika Parameshwari Temple,
West=House bearing Door No. 8, belonging to N. K. Subbiah Setty,
South=House No. 1001, belonging to Anadagiri Gosia and
North=Vinoba Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 13-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th August 1976

C. R. No. 62/5767/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. All that piece and parcel of land with buildings thereon bearing Municipal No. 128/M1 situated at Second Cross, Fountain Road, Bannimantappa Extension, Mandi Mohallo, Mysore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at H. Q. Sub-Registrar, Mysore—Doc. No. 3341/75-76 on 22-1-1976, for an apaprent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax persons, namely :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(1) Dr. P. V. Rajamannar,
(Retd. Chief Justice of Madras),
S/o late Shri Rajadharma Praveena
Dr. P. Venkatramana Rao (Retd. Chief Justice of Mysore),
No. 9, Victoria Crescent Road,
Egmore, Madras-600 008.

(Transferor)

(2) Shrimati C. Udaya Lakshmi Rani,
W/o Shri C. Janakiram,
No. 29, Chinnaswamy Mudaliar Road,
Tasker Town, Bangalore-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3341/75-76 Dated 22-1-1976]

All that piece and parcel of land with buildings thereon, bearing Municipal No. 129/M5, situated in Second Cross, Fountain Road, Bannimantappa Extension, Mandi Mohallo, Mysore.

Site area :

North : 120' 3"	} 8520 Sq. ft.
East : 70' 11"	
South : 120' 3"	
West : 70' 6"	

Plinth :

12 squares (10 sq. R. C. C. and 2 sq. A. C. Sheet roof)

Boundaries :

North : Site No. 128/M1A
East : Road
South : Sites No. 127 and 129 and
West : Road

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 12-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th August 1976

C. R. No. 62/5770/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal No. 2989 New No. 41, II Main Road, Devaraja Mohalla, V. V. Puram, Mysore 2 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hd. Qrs. Sule, Registrar, Mysore, Doc. No. 3388/75-76 on 28-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in that said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri M. G. Rangiah and Sri M. R. Gundu Rao, No. 51, Rashtreeya Vidyalaya Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Sri K. Mahadeva, s/o Sri Kenchegowda (Orthopedic Surgeon) Medical Practitioner, 2989, New No. 41, II Main Road, V. V. Puram, Devaraja Mohalla, Mysore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3388/75-76 Dated 28-1-1976]
Residential house property bearing Municipal No. 2989 New No. 41, situated in II Main Road, Devaraja Mohalla, V. V. Puram, Mysore-2.

Site Area :

East to West : 80'
North to South : 150' } 12,000 sq. ft.

Boundaries :

East : Vakkaligara Hostel.
West : M. G. Rangiah's house.
North : Conservancy lane.
South : II Main Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 13-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th August 1976

C.R. No. 62/5826/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial land measuring 8 acres 14 guntas in survey No. 66, Chagalhatti village, Jala Hobli, Devanahalli Tq. Bangalore Distt. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Devanahalli Bangalore, Distt. Doc. No. 3307/75-76 on 12.2.76. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gowramma, w/o. late. Sri. B. V. Gundappa alias Gundu Rao, T.S.A. No. 3, Dattatreya extn. Gavipuram, Guttahalli, Bangalore. 19.

(Transferor)

- (2) M/s. Taralabalu Co. operative Industrial Society, represented by Chief promoter Sri. M. Basavarajappa No. 341, Rajamahal Vilas Extn. Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3307/75-76. 12-2-1976]

Industrial land measuring 8 acres 14 guntas in survey No. 66, Chagalatt village, Jala Hobli, Devanahalli Tq. Bangalore Distt.

Boundaries :

East—Mavenahalli Yalle,
West—Land belonging to sri. B. R. Ramachandra Rao.
North—Land belonging to smt. Sanjeevamma.
South—Land belonging to Sri. Vasanthaiah.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 4-8-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th August 1976

C.R. No. 62/5827/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Converted Industrial land measuring 7 Acres and 24 guntas in Survey No. 67, situated at Chagalatti, Village, Jala Hobli Devanahalli Taluk, Bangalore District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Devanahalli, Bangalore District Document No. 3308/75-76 on 12-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--|--|
| (1) Shri Vasanthiah, S/o Late Venkataramaiah, | } Children of Sri Vasanthiah. All residing at Chagalatti Village, Jala Hobli, Devanahalli Tq. Bangalore, Dist. |
| (2) Shri C. V. Venkataramu | |
| (3) Shri C. V. Dwarakinath | |
| (4) Shri Vishwanath | |
| (5) Kum. Prabhamani | |
| (6) Kum. Rama mani | |
| (7) Kum. Padmalatha | |
| (8) Smt. Lakshamma, W/o Sri Vasantaiah | |
| (9) Smt. Jayalakshamma D/o Vasantaiah and W/o Sri Krishnamurthy No. 11, Gavipuram (near Dhondusa Choultry), Bangalore. | |
- No. 4 to 7 are minors represented by their father and natural guardian Shri Vasantaiah.

(Transferors)

- (2) M/s. Taralabalu Co-operative Industrial Society Ltd., 341, Rajamahar Vilas Extension, Bangalore-6
(Represented by its Chief Promoter Shri M. Basavarajappa)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3308/75-76 Dated 12-2-1976)

Converted Industrial land measuring 7 Acres 24 guntas in Survey No. 67, Chagalatti Village, Jala Hobli, Devanahalli Taluk, Bangalore District.

Boundaries :

East : Marenahalli Yalle,

West : Land belonging to Sri B. Ramachandra Rao,

North : Land belonging to Smt. Gauramma,

South : Sonnappanahalli Yelle.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4th August, 1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Balubhai Maganbhai;
Thakorbbhai Balubhai;
Jagubhai Balubhai;
Gotdawadi, Katargam. Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th September 1976

Ref. No. P.R.No. 469Acq23-882/19-7/75-76.—Whereas, I,
P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-
and bearing No.

S. No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S.No. 3 Plot No. 8
situated at Katargam, Tal. Chorasi, Dist. Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Surat in Jan., 1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (2) Arvindbhai Paragbhai Patel & Vinodbhai Paragbhai
Patel; Saiyadpura, Kachhia Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 442 Final Plot No. 447, T.P.S.
No. 3 Sub-plot No. 8 admeasuring 974 sq. yds. situated in
Katargam, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in
the sale deed bearing registration No. 92 of January, 1976
of registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20th Sept., 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th September 1976

Ref. No. P.R. No. 470/Acq.23-864/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S.No. 3 Plot No. 1 Katargam, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Surat in Jan., 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Balubhai Maganbhai;
Thakorbhai Balubhai;
Jagubhai Balubhai;
Gotdawadi, Katargam, Surat.

(Transferor)

(2) Pranjivandas Motiram Bhagat,
Bhagatalav, Natraj Apartment, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3 Sub-plot No. 1 admeasuring 1000 sq. yds. situated in Katargam Tal Choryasi, Dist. Surat as fully described in the sale deed bearing registration No. 85 of January, 1976 of registering authority, Surat.

P. N. MITTAL.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20th Sept., 1976

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Balubhai Maganbhai;
Thakorbbhai Balubhai;
Jagubhai Balubhai;
Gotdawadi, Katargam, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayantilal Dharamchand Shethwala & others,
Navapura, Ghans Sheri, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR HANDLOOM
HOUSE, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th September 1976

Ref. No. P.R. No. 471Acq. 23-865/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3 Plot No. 2 situated at Katargam, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at Surat on Jan., 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1975);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3 Sub-plot No. 2 admeasuring 737 sq. yds. situated in Katargam, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in the sale deed bearing registration No. 86 of January, 1976 of registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20th Sept., 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, Ahmedabad-380009

Ahmedabad-380009, the 20th September 1976

Ref. No. P.R. No. 472 Acq.23-866/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3 Plot No. 3 Katargam, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in Jan., 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Balubhai Maganbhai;
Thakorbhai Balubhai;
Jagubhai Balubhai;
Gotdawadi, Katargam, Surat.

(Transferor)

(2) Arvindlal Jaikisandas & others.
Navapura, Chanchi Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3 Sub-plot No. 3 admeasuring 447 sq. yds. situated in Katargam, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in the sale deed bearing registration No. 87 of January, 1976 of registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20th Sept., 1976

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th September 1976

Ref. No. P.R.No. 473 Acq.23-867/19-7/75-76.—Whereas, I,
P. N. MITTAL,being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingS.No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3 Plot No. 4
situated at

Katargam, Tal. Chorasi, Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat in Jan., 1976for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act: to the fol-
lowing persons, namely :—

(1) Balubhai Maganbhai;
Thakorbhai Balubhai;
Jagubhai Balubhai;
Gotadawadi, Katargam, Surat.

(Transferor)

(2) Purnimaben Bipinchandra; & others,
Begampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S.
No. 3 Sub-plot No. 4 admeasuring 811 sq. yds. situated in
Katargam, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in the
sale deed bearing registration No. 88 of January, 1976 of
registering authority. Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20th Sept., 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th September 1976

Ref. No. P.R.No. 474 Acq.23-868/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3 Plot No. 5 situated at Katargam, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in Jan., 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Balubhai Maganbhai;
Thakorbhai Balubhai;
Jagubhai Balubhai;
Gotadawadi, Katargam, Surat.

(Transferor)

(2) Indravadan Maganlal & another,
Ranitalav, Main Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land bearing Survey No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3 Sub-plot No. 5 admeasuring 734 sq. yds. situated in Katargam, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in the sale deed bearing registration No. 89 of January, 1976 of registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th Sept., 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th September 1976

Ref. No. P. R. No. 475 Acq. 23-869/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3, Plot No. 6 situated at Katargam, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Surat in Jan., 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Balubhai Maganbhai;
Thakorbhai Balubhai;
Jagubhai Balubhai;
Gotadawadi, Katargam, Surat.

(Transferor)

(2) Amitaben Jitendra Modi,
Natraj Apartment, Bhagatalav, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3 Sub-plot No. 6 admeasuring 797 sq. yds. situated in Katargam, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in the sale deed bearing registration No. 90 of January, 1976 of registering authority, Surat.

P. N. MITTAL.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20th Sept., 1976

Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th September 1976

Ref. No. P.R. No. 476Acq.23-870/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 442, Final Plot No. 447, T.P. S. No. 3 Plot No. 7 situated at Katargam, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Surat in Jan., 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Balubhai Maganbhai;
Thakorbhai Balubhai;
Jagubhai Balubhai;
Gotadawadi, Katargam, Surat.

(Transferor)

(2) Jaswantiben Hiralal Sopariwala & another,
Jampa Bazar, Hathifalia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 442, Final Plot No. 447, T.P.S. No. 3 Sub-plot No. 7 admeasuring 812 sq. yds. situated in Katargam, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in the sale deed bearing registration No. 91 of January, 1976 of registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20th Sept., 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Paradise Housing & land development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Paradise Co-operative House Building Society Ltd.
C/o Sri Brijman Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Purchaser.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 8th September 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 70-B(A)/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Khasra No. 13½ Biswa situated at Naya Bash Parg. Dadri Distt. Bulandshahar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shikandarabad on 26-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 804, 0-13-13 1/3 etc. which is situated at Bash Pargna Dadri Distt. Bulandshahar.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

24—286 G1/76

Date : 8-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Paradise Housing & Land Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Paradise New Co-operative House Building Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Purchaser.

(Person in occupation of the property)

Lucknow, the 8th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 70-B(B)/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land No. 520, 2-10-0 etc. situated at Vill. Bash Parg. Dadri, Distt. Bulandshahar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shikandarabad on 26-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land Khasra No. 520, 2-10-0 etc. which is situated at Vill. Naya Bash Pargna Dadri Distt., Bulandshahar.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Paradise Housing & Land Development Corporation.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Paradise New Co-operative House Building Society Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Purchaser.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 8th September 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 70-B(C)/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land No. 605, 0-6-6 etc. situated at Vill. Naya Bash, Pargna Dadri Distt. Bulandshahar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shikandarabad on 26-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land No. 605, 0-6-6 etc. which is situated at Vill. Naya Bash Pargna Dadri Distt. Bulandshahar.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Abdul Rehman Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Javand Singh & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 7th September 1976

Ref. No. 38-J/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land No. 119 situated at Udaipur Kataiyya Parg., Teh. & Distt. Shahjampur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahjampur on 7-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Araji land Khasra No. 119 Pakevai situated at Udaipur Kataiyya Parg., Teh. & Distt. Shahjampur.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 7-9-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Lucknow, the 14th September 1976

Ref. No. 39-J/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 58/88 situated at Tagore Town, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 18-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Vireshwar Mukerjee.

(Transferor)

(2) Jaiwanti Devi.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 58/88, which is situated at Tagore Town Allahabad.

A. S. BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mangal Dass Chaurasia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jai Devi & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Lucknow, the 15th September 1976

Ref. No. 40-J/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1408/1-2 situated at Moh. Purani Kotwali, Basanhi Bazar, Mirzapur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mirzapur on 17-2-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

A house No. 1408/1-2 which is situated at Moh. Purani Kotwali Basanhi Bazar, Mirzapur.

A. S. BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mangal Dass Chaurasia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jag Narain & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Lucknow, the 15th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 41-J/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 1408/1-2, situated at Moh. Purani Kotwali, Basanhi Bazar, Mirzapur, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mirzapur on 17-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A house No. 1408/1-2 which is situated at Purani Kotwali Basanhi Bazar, Mirzapur.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1976.

Sent :

FORM ITNS—

(1) Radhay Shyam Jaiswal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanhaiya Lal Gupta & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenant.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGEObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 7th September 1976

Ref. No. 59-K/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 56 situated at Shiv Charan Lal Road, Bahadurganj, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 9-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A house No. 56 which is situated at Shiv Charan Lal Road, Bahadurganj, Allahabad.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nand Kishore Prahladka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kashi Mumuksha Sabha Assi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 13th September 1976

Ref. No. 60-K/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Bandobasti No. 2342/1-30 etc. situated at Moh. Durga Kund, Parg. Dehat Amanat Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 16-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

25—286GI/76

THE SCHEDULE

Land Bandobasti No. of which is 2342/1-30 etc. which is situated at Moh. Durga Kund Pargna Dehat Amant, Distt. Varanasi.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Om Prakash Jaiswal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishan Saxena.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 17th September 1976

Ref. No. 61-K/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 47-C situated at C. Y. Chintamani Marg, George Town Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 13-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

A house No. 47-C, which is situated at C-Y, Chintamani Marg, George Town Allahabad.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 17-9-1976,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Om Prakash Jaiswal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kalawati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

(3) Smt. Kalawati.

(Person in occupation of the property)

Lucknow, the 17th September 1976

Ref. No. 62-K/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 47-C situated at C-Y Chintamani Marg, George Town Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 13-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A house No. 47-C, which is situated at C-Y Chintamani Marg, George Town Allahabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 17-9-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shakuran.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1976

Ref. No. 63-K/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land No. 26III/3 etc. situated at Vill. Nawab Nagar Near Patwai Teh. Shahabad Distt. Rampur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rampur on 18-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Total 29III /3 which is situated at Vill. Nawab Nagar near Patwai Teh. Shahabad Distt. Rampur.

A. S. BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 22-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Tofkan Widow Abdul Aziz.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kartar Singh & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tofkan.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 22nd September 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. 64-K/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land No. 26III f 3 etc. situated at Vill.
Nawab Nagar near Patwai Teh. Shahabad Distt. Rampur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Rampur on 18-2-1976.

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reasons to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
in respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Agricultural Land total 26III f 3 which is situated at Vill.
Nawab Nagar Near Patwai Teh. Sahabad, Distt. Rampur.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 22-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sekh Mazrul Hagh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohammad Jahirul Islam & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 14th September 1976

Ref. No. 86-M/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Double Storied House situated at Chandausi Moh. Kagji
Teh. Bilari Distt. Moradabad,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at
Chandausi on 27-2-1976,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the 'said Act' in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957).

A double storied house which is situated at Chandausi Moh.
Kagji Teh. Bilari Distt. Moradabad.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the fol-
lowing persons, namely :—

Date : 14-9-1976,

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Yashpal Wadhwa & others.

(Transferor)

(2) Smt. Narendra Kumari.

(Transferee)

(3) Shri & Shrimati Yashpal & Satyawanti.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 15th September 1976

Ref. No. 20-N/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building No. 194 situated at Nayaganj Kasha Khurja, Jainbagh, Mandir Bulandshahar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja on 16-2-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A building No. 194 known as Sarwahitkari Industries Naya-ganj Kasba Khurja, Jainbagh Mandir, Distt. Bulandshahar.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Madan Lal & others.

(Transferor)

(2) M/s Jagaiser Ram Ram Narayan Prop.
Sri Pateshwari Prasad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Lucknow, the 7th September 1976

Ref. No. 59-P/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 453 Ward 1 situated at Pandey Bazar, Narhariya Bazar Tagha Pandiya Parg Basti Purab Poster Purani Basti, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basti on 24-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house double storeyed No. 453 Ward No. 1 which is situated at Pandey Bazar Narhariya Tagha Pandiya Mazkoor, Teh. & Distt. Basti.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Chain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ratan Lal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Ram Chain.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 13th September 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

Ref No. 103-R/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

11
bearing Land No. — etc. situated at Mauja Faizabad
III/2

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ridawali Parg Agoita Distt. Bulandshahar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bulandshahar on 4-2-76
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

Land measuring $\frac{11}{III/2}$ etc. which is situated at Mauja
Faizabad Ridawali Pargna Agoita, Distt. Bulandshahar.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

26—286GI/76

Date : 13-9-1976

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Smt. Alka Devi & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Narain Mehrotra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 14th September 1976

Ref. No. 104-R/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. CK 34/44, situated at Moh. Lahori Tola Saraswati Fatak, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 2-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. CK 34/44, which is situated at Moh. Lahori-Tola, Saraswati Fatak, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 14-9-1976,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mathura Prasad & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendra Prasad Mittal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 21st September 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 105-R/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 49 situated at Chek, Allahabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 3-2-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house No. 49, which is situated at Chek, Allahabad.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri B. S. Sangal & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rama Misra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 21st September 1976

Ref. No. 106-R/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 352/1, situated at Rajendra Nagar, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 16-2-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 352/1, situated at Rajendra Nagar, Lucknow.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 21-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Roop Narayan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 7th September 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 132-S/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land No. 1295 & 1297 etc. situated at Katari Parshola P.O. 1/2 1/III/2

Parshola Parg & Teh. Bilgram Distt. Hardoi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bilgram on 26-2-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land number 1295 1297 etc. which is
1/2 & 2/III/2

situated at Katri Parshola P.O. Parshola, Parg & Tehsil Bilgram Distt. Hardoi.

A. S. BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Devendra Nath Rastogi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntala Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

(3) Shri Devendra Nath Agarwal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 7th September 1976

Ref. No. 133-S/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 12/59 situated at Latouche Road, (Naya Gaon) Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 5-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House with land No. 92/59 situated at Latouche Road (Naya Gaon) Lucknow.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 7-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bimla Devi Misra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sati Bai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Sati Bai.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 15th September 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. 134-S/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
House No. 47/3 situated at Kabir Marg (Clay Square),
Lucknow,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Lucknow on 2-2-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 47/3, situated at Kabir Marg, Clay Square
Lucknow.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-9-1976

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Ramji Dass s/o Ram Chand, Ali Mohalla, W.F. 147, Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 27th September 1976

Ref. No. AP-1623.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Lajpat Rai, Om Parkash, Sat Pal sons of Shri Punnu Mal. 2. Smt. Raj Rani w/o Shri Lajpat Rai, Sarla Rani w/o Shri Avinash, Prem Bala w/o Shri Sat Pal c/o Shri Lajpat Rai Dental Surgeon, Bazar Sheikhan, Jullundur City.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3 kanals 1 marla situated near the brick kiln of Shri Tej Mohan Singh of Basti Sheikh, Jullundur, registered vide deed No. 9042 of February 1976, by S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 27-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Pirthi Nath alias Prithvi Nath s/o Nihal Chand s/o Thakar Dass, A-1/14, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 27th September 1976

Ref. No. AP-1624.—Whereas, J. RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bassi Khawaju, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
27—286GI/76

- (2) 1. Shri Kishan Chand s/o Shri Chint Ram s/o Mayya Mal, 2. Ram Gopal s/o Om Parkash s/o Kishan Chand, 3. Sudesh Ohri, w/o Shri Om Parkash s/o Kishan Chand, Jagatpura, Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property,)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 8 kanals 19/1/2 marlas (1/ share) Kh. No. 157, 159, 160, 660/342, 661/5, 661/342, 343/161, 344/161, 459/162 situated in Bassi Khawaju H.B. 227, Hoshiarpur, registered vide deed No. 3959 of February 1976 by the S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 27-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 27th September 1976

Ref. No. 1625.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bassi Khawaja, Hoshiarpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pirthi Nath alias Prithvi Nath s/o Shri Nihal Chand s/o Shri Thakar Dass, A-1/14, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Gulab Rai s/o Shri Tirlok Singh, s/o Shri Sant Lal, Railway Mandi, Hoshiarpur, 2. Smt. Jamna Rani w/o Shri Daulat Ram s/o Shri Gobind Ram, Prem Garh, Hoshiarpur, 3. Shri Mohan Singh s/o Shri Bhan Singh s/o Shri Kanaya Singh, Bharwain Road, Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals 19 marlas situated in Bassi Khawaja, Hoshiarpur, registered vide Deed No. 3962 of February 1976, by S.R./Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 27-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gotam Chopra s/o Shri Durga Dass Chopra,
Dehra Dun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Ramesh Anand w/o Shri Avinash Anand,
E.J. 241, Chahar Bagh, Jullundur City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 27th September 1976

(3) As at S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property.)Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1626.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at EJ-241, Chahar Bagh, Jullundur City, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. EJ-241, Chahar Bagh, near Milap Chowk, Jullundur, registered vide deed No. 8932 of 10-2-1976 by Registering Authority, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 27-9-1976

Seal :

FORM INTS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPJ./76-77/712.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land bearing Kh. No. 211/1 area 6.42 acres situated at Gram Sirpur, Teh., Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferred to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri C. K. Mukund, 2. Mrs. R. Barsiwala Golden Corn Company through power of attorney Capt. Nageendass Shah S/o Shri Shantilal Shah R/o Bombay at present Indore.

(2) Firm Nageen Nagar through power of attorney Shri Rekabchand S/o Gandlalal, R/o 9, Shiv Vilas Palace, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Kh. No. 211/1 area 6.42 acres situated at Gram Sirpur, Teh. Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 20-9-1976.

Seal

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/713.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land Kh. No. 139/3 area 4.89 acres situated at Gram Sirpur, Teh. Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rashik Nageendas Shah through power of attorney Shri K. Nageendas Shah S/o Shri Shantibhai Shah, R/o Bombay.

(Transferor)

(2) Firm Nageen Nagar, Indore through partner Shri Shersingh S/o Jeevansinghji R/o Shiv Vilas Palace, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 139/3 area 4.89 Acres situated at Gram Sirpur, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 20-9-1976.

Seal

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/714.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land Kh. No. 139/2 and 139/1 (part) area 6.97 Acres situated at Gram Sirpur, Teh. Distt., Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanhaiyalal alias Kanilal Gordia and 2. Shri Gulab M. Shah P/o Golts Galtch through power of attorney Mageendas S/o Shamjibhai Shah R/o Bombay.

(Transferor)

(2) Firm Nageen Nagar, Indore through partner Shri Shersingh S/o Shri Jeevansingh R/o Shiv Vilas Palace, Indore.

(Transferee)

(3) Sarvasree K. L. Chatterjee, A. Sengupta, P. Chowdhuri and Mrs. R. Dhar, 54, Dhakuria Station Road, Calcutta.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 139/2 and 139/1 (part) area 6.97 Acres situated at Gram Sirpur, Teh. & Distt. Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 20-9-1976.

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri A. Y. Tamhne, Mukhatara Am, Nandlal Bhandari Mills, Ltd., Indore Mal Godown Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Nirmalabai W/o Shri Bhawarsinghji Bhandari R/o 1, Snehalataganj, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/715.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. House No. 1 Devi Ahilya Marg (Snehalataganj, Indore—Plinth area 12,361 sq. ft. situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 1, Devi Ahilya Marg, (Snehalataganj, Indore—Plinth area 12361 sq. ft.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-9-1976.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BP/75-76/718.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. An open plot No. 934, Route No. 2, Scheme No. 66, Jawahar Marg (Mukeripura), Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 11-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

- (1) (i) Smt. Aminabai W/o Shri Mohhammodhussain Bhai, (ii) Shri Hakimuddin, (iii) Shri Usuf Ali, (iv) Shri Abdulhussain, (v) Smt. Husna Bai and (vi) Smt. Rashid Bai d/o Mohd Hussain Bhai C/o Badshah Chemicals Jawahar Marg (Near Premsookh Takies) Indore.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Tahirali s/o Shri Rasulbhai, (ii) Smt. Fatma-bai W/o Shri Tahirali, (iii) Shri Akbarali S/o Tahirali and (iv) Shri Safdarali S/o Tahirali, Hakimji-ki-Chawl, Barwali Chouki, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot No. 934, Route No. 2, Scheme No. 66, Jawahar Marg (Mukeripura), Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 20-9-1976.

Seal

FORM ITNS—

- (1) Shri Balaram S/o Shri Dayaram Mali, Agriculturist, R/o Malipura, Ujjain.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/719.—whereas, I. V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land Survey No. 1731, 1743, 1912, 1735, 1914/2 situated at Kasba, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 20-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Firm M/s Mehta & Co., Ujjain, 22, Laxmibai Marg, Dewas Gate, Ujjain through its partners.
 1. Vasant S/o Laxmanraoji Gumasthe R/o Dewasgate, Ujjain.
 2. Shri Narendrakumar S/o Raghunathsinghji Nagu, R/o Chatribada, Ujjain
 3. Smt. Ramkumaribai W/o Hukumchandji R/o Arya Samaj Marg, Ujjain.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 1731, 1734, 1912, 1735, 1914/2 situated at Kasba Ujjain.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-9-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bilqis A. H. Khan W/o late Justice A. H. Khan, Gulmohar, Morar, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Roman Catholic Diocese of Jhansi 64, Cantonment, Jhansi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/720.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land and Building situated at Thandi Sarak, Morar, Gwalior—Total area 2.288 Hectares area of building single storied—7500 sq. ft. situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 9-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building situated at Thandi Sarak, Morar, Gwalior—Total area 2.288 Hectares—area of building single storeyed—7500 sq. ft.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-9-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rani Ramakumari W/o Lt. Col. Swarun
Samsheer Jung Bahadur Rana, R/o Nepal at present
R/o 18, M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Satyawati W/o Shri Darshanlal Dawar R/o
Sardaraura, Ujjain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th September 1976

Objections, if any, in the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/716.—Whereas, I, V. K.
SINHA,

being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

An half western portion of one plot (A portion of newly
floated units) at Main Block No. 5 bearing Municipal No.
18, M. G. Road, Indore situated at Indore
at Bombay on 9-1-1976,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
at Indore on 30-3-76

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

THE SCHEDULE

An half western portion one plot (A portion of newly
floated units) at Main Block No. 5, bearing Municipal No.
18, M.G. Road, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rani Ramakumar W/o Lt. Col. Swarun Samsheer Jung Bahadur Rana, Nepal at present 18, M.G. Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(2) Smt. Satyawati W/o Shri Darshanlal Dawar Sadarpura, Ujjain.

(Transferee)

Bhopal, the 24th September 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/717.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing An half eastern portion of one plot (A portion of newly floated Units) at main Block No. 5 and bearing Municipal No. 18, M. G. Road, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 7-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An half eastern portion of one plot (A portion of newly floated Units) at main Block No. 5 and bearing Municipal No. 18, M.G. Road Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-9-1976

Seal :